@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
गुरुवार 12 जून 2025

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 संपादक- गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 212 qaumipatrikahindi 011-41509689,23315814,9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रूपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

जी-7 की यात्रा के दौरान साइप्रस में रुकेगें पीएम मोदी, तुर्की को लगेगी मिर्ची

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान संघर्ष के दौरान जब आमने सामने थे, तब तुर्की खुलकर पाकिस्तान और आंतकियों का साथ दे रहा था। जिसके बाद एहसानफरामोश तुर्किए को लेकर भारत में काफी रोष देखने को मिला। देश के अलग अलग राज्यों में व्यापारियों ने तुर्की का विरोध करने का फैसला किया। कई भारतीयों ने तुर्किए जाने के अपने फैसले को कैंसिल कर बॉयकाट का ऐलान किया। हालांकि बॉयकाट कोई सरकार की तरफ से नहीं बल्कि लोगों की व्यक्तिगत इच्छा से हुआ था। लेकिन अब भारत ने अपने अंदाज में अहसानफरामोश तुर्किए को जवाब देने का सोचा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कनाडा के निमंत्रण पर जी7 सम्मेलन में हिस्सा लेने जा रहे हैं।

दरअसल, कनाडा के खालिस्तानी पहले से ही पीएम मोदी की यात्रा को लेकर हैरान-परेशान हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक कनाडा जाते वक्त पीएम मोदी का विमान तेल रिफ्यूलिंग के लिए एक छोटे से देश साइप्रस में रुकेगा। पीएम मोदी का विमान रिफ्यूलिंग के लिए कहीं और भी रुक सकता था। लेकिन इस बार बड़ी रणनीति के तहत सायप्रस को चुनाव हुआ है। पीएम मोदी का विमान जैसे ही सायप्रस उतरेगा, तब तुर्किये, पाकिस्तान और अजरबैजान पागल हो जाएंगे। भारत का ये कदम खास तौर से तुर्किये को ध्यान में रखकर लिया गया है। साइप्रस, जिसे आधिकारिक तौर पर साइप्रस गणराज्य कहा जाता है, पूर्वी भूमध्य सागर में स्थित एक द्वीप देश है। यह ग्रीस के पूर्व में और तुर्की के दक्षिण में मौजूद है। 1821 में ग्रीस को ओटोमन्स से आजादी मिलने तक ग्रीक और तुर्की साइप्रस अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण तरीके से रहते थे। 1974 को ग्रीस के समर्थन से सैन्य तख्तापलट हुआ। इसके जवाब में तुर्की की सेना ने साइप्रस पर हमला कर दिया। तुर्की सेना 20 जुलाई को साइप्रस में उतरी और युद्ध विराम घोषित होने से पहले द्वीप के 3 प्रतिशत हिस्से पर कब्ज़ा कर सकी। तुर्की सेना ने अगस्त 1974 में अपने मूल समुद्र तट का विस्तार किया, जिसके परिणामस्वरूप द्वीप के करीब 36 प्रतिशत हिस्से पर कब्ज़ा किया। तुर्की के कब्जे के बाद से ही साइप्रस दो हिस्सों में बंट गया। अगस्त 1974 से युद्ध विराम रेखा साइप्रस में संयुक्त राष्ट्र बफर ज़ोन बन गई और आमतौर पर ग्रीन लाइन के रूप में जाना जाता है। स्वाभाविक रूप से, तुर्की के साथ संप्रभुता, समुद्री सीमा और अन्य मुद्दों पर उनके बड़े मतभेद हैं। तुर्की जहां पाकिस्तान के साथ खड़ा रहता है, वहीं भारत ने साइप्रस के साथ अपने संबंधों को मजबूत करने पर जोर दिया है। साइप्रस आतंकवाद और कश्मीर के मुद्दे पर हमेशा भारत के साथ खड़ा रहा है।

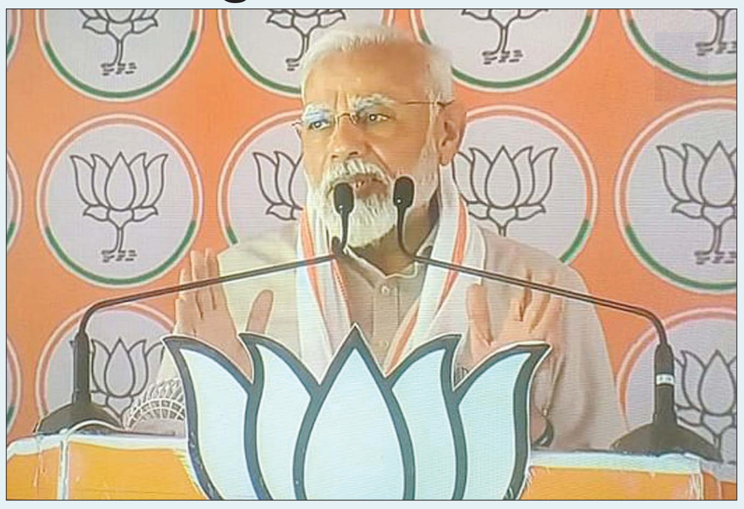

पीएम मोदी से मुलाकात से पहले आरटी-पीसीआर टेस्ट अनिवार्य, कोविड सुरक्षा को लेकर बड़ा कदम

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में कोविड-19 के मामले एक बार फिर बढ़ते देखे जा रहे हैं, और इसी को ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करने से पहले सभी मंत्रियों और पदाधिकारियों के लिए आरटी-पीसीआर टेस्ट कराना अनिवार्य कर दिया गया है। यह फैसला कोविड संक्रमण की संभावनाओं को कम करने और एहतियात के तौर पर लिया गया है। सूत्रों के अनुसार, पीएम मोदी के आधिकारिक आवास 7, लोक कल्याण मार्ग पर होने वाली किसी भी मुलाकात या बैठक से पहले सभी प्रतिभागियों को कोविड-19 निगेटिव रिपोर्ट दिखानी होगी। यह निर्देश विशेष रूप से उस संदर्भ में सामने आया है जब हाल ही में विदेश से लौटे एक डेलिगेशन ने पीएम से मुलाकात की थी, और उसके सभी सदस्यों के लिए भी कोविड टेस्ट जरूरी किया गया था। जानकारी के मुताबिक, आज बुधवार को दिल्ली में बीजेपी के सांसद, विधायक और प्रमुख पदाधिकारी प्रधानमंत्री से मुलाकात कर सकते हैं। यह एक महत्वपूर्ण राजनीतिक बैठक होगी, जिसमें कोविड एहतियात के तहत बैठक में शामिल होने वाले हर व्यक्ति को कोविड टेस्ट कराना होगा और रिपोर्ट बैठक से पहले जमा करनी होगी। स्वास्थ्य विशेषज्ञों और अधिकारियों का मानना है कि इस तरह की सावधानियां ज़रूरी हैं, खासकर जब दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में केस दोबारा बढ़ने लगे हैं। केंद्र सरकार द्वारा जारी गाइडलाइंस के तहत, संवेदनशील इलाकों और उच्चस्तरीय बैठकों में कोविड से जुड़ी एहतियातों को फिर से सख्ती से लागू किया जा रहा है। सरकारी सूत्रों ने बताया कि यह कदम अस्थायी है लेकिन यदि मामलों में और वृद्धि देखी गई तो अन्य संवेदनशील कार्यक्रमों और मंत्रालयों में भी यही नियम लागू किए जा सकते हैं। सार्वजनिक कार्यक्रमों में शामिल होने वाले अन्य लोगों को भी कोविड प्रोटोकॉल का पालन करने की सलाह दी गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय भी लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए है और राज्यों को अलर्ट रहने के निर्देश दे चुका है।

खेत में मिली बम जैसी वस्तु

पठानकोट (एजेंसी)। पठानकोट के मलिकपुर गांव में एक खाली प्लॉट में बम जैसी संदिग्ध वस्तु मिलने से क्षेत्र में तनाव फैल गया। प्लॉट के मालिक सुरजीत ने सब्जियों को पानी देने के दौरान इस वस्तु को देखा और तुरंत पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर क्षेत्र को सुरक्षित कर लिया है। बम निरोधक दस्ते की मदद से संदिग्ध वस्तु की जांच की जा रही है। इलाके में अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात कर दिए गए हैं। यह घटना हाल ही में हुए भारत-पाक तनाव के बाद सामने आई है। इससे पहले पाकिस्तान की ओर से की गई ड्रोन हमलों की कोशिशों को भारतीय सुरक्षा बलों ने विफल कर दिया था। कई स्थानों पर इन हमलों में इस्तेमाल किए गए बमों के अवशेष मिले थे।

मैं 65 सालों से राजनीति में हूं...लेकिन इतना झूठ बोलने वाला पीएम नहीं देखा

-कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का पीएम मोदी पर हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र में एनडीए सरकार के 11 साल पूरे होने पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री मोदी पर इस अवधि के दौरान 33 गलतियां करने का आरोप लगाया। कांग्रेस नेता खड़गे ने कहा कि मैं पिछले 65 सालों से राजनीति में हूं, लेकिन मैंने कभी किसी प्रधानमंत्री को इतना झूठ बोलते और लोगों को धोखा देते नहीं देखा। उन्होंने कभी अपनी गलती नहीं मानी और इस बात के लिए माफी नहीं मांगी कि मैंने इतना झूठ बोला। पीएम मोदी पर वार कर खड़गे ने कहा कि उन्होंने पिछली सरकार (उधमपुर-श्रीनगर-बारामुल्ला रेल परियोजना में) के योगदान के बारे में कुछ नहीं कहा। जब मैं रेल मंत्री था, तब मैंने वहां और पूर्वोत्तर को सबसे ज्यादा फंड दिया। पिछली सरकार ने जो कुछ भी किया, उन्होंने (पीएम मोदी) सरकार ने आगे बढ़ाया और उसका उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि मोदी हमेशा लोकतंत्र-लोकतंत्र कहते हैं। आजादी के बाद किसी प्रधानमंत्री ने उपसभापति का पद खाली नहीं रखा, लेकिन उन्होंने उस पद को खाली रखा है... मोदी का यह कृत्य गैरकानूनी है। इसीलिए मैंने उन्हें लिखा है कि संविधान के अनुसार यह दिया जाना चाहिए, लेकिन आपने नहीं दिया। उन्हें पता होना चाहिए कि देश में सरकार संविधान के तहत चलती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री हर बात पर झूठ बोलते हैं और जो कहते हैं, लागू नहीं करते और जब पीएम मोदी से पूछा जाता है, तब उनके पास इसका कोई जवाब नहीं होता। उन्होंने कहा, चाहे नोटबंदी हो या रोजगार सृजन या एमएसपी, ऐसी कई चीजें हैं। उन्होंने कभी स्वीकार नहीं किया कि उन्होंने लोगों से झूठ बोला है और गलती की है और इसके लिए कभी माफी नहीं मांगी।

लिक्विड ऑक्सीजन में लीक, फिर टली शुभांशु शुक्ला की अंतरिक्ष यात्रा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला की अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन,(आईएसएस) के लिए उड़ान एक बार फिर स्थगित कर दी गई है। इसकी मूल वजह ये है कि मिशन को अंजाम देने वाली कंपनी स्पेस एक्स ने कहा है कि लॉन्च से पहले किए गए पोस्ट-स्टैटिक फायर बूस्टर निरीक्षण के दौरान लिक्विड ऑक्सीजन में लीक पाया गया, जिस वजह से यह निर्णय लिया गया है। स्पेसएक्स ने अपने आधिकारिक बयान में कहा, हम सुरक्षा से कोई समझौता नहीं कर सकते। बूस्टर निरीक्षण के दौरान लिक्विड ऑक्सीजन का रिसाव पाया गया, इसलिए लॉन्च को अगली तिथि तक स्थगित किया गया है। इसरो, एक्सीओम और स्पेस एक्स के एक्सपर्ट के बीच काफी बातचीत के बाद यह निर्णय लिया गया कि लीक को ठीक किया जाएगा और दोबारा परीक्षण किया जाएगा। इसके बाद ही लॉन्च के लिए हरी झंडी दी जाएगी। इस कारण 11 जून 2025 को प्रस्तावित एक्सीओम-04 मिशन को फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। एक्सीओम-4 मिशन भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि इसके जरिए शुभांशु शुक्ला पहले भारतीय नागरिक होंगे जो एक निजी अंतरिक्ष मिशन के तहत आईएसएस तक पहुंचेंगे। इससे पहले कई बार यह मिशन तकनीकी कारणों से टल चुका है। अब भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया की नजरें इस पर टिकी हैं कि यह ऐतिहासिक उड़ान कब दोबारा निर्धारित होगी।

3 राज्य के 7 जिलों को मोदी सरकार की बड़ी सौगात, रेलवे की 6,405 करोड़ की दो परियोजनाओं को मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि पीएम मोदी के ऐतिहासिक तीसरे कार्यकाल के दौरान, परिवहन और रसद लागत को कम करने के लिए कई परियोजनाएं शुरू की गई हैं। आईआईएम बैंगलोर और आईआईएम कलकत्ता के हालिया अध्ययन से पता चलता है कि परिवहन में निवेश से देश की रसद लागत में लगभग 4त्न की कमी आई है। रसद लागत में हर प्रतिशत की कमी का मतलब है कि बहुत अधिक प्रतिस्पर्धी उद्योग होंगे। हम अधिक निर्यात कर सकते हैं। हम उत्पादन लागत कम रख सकते हैं... पिछले 1 साल में परिवहन परियोजनाओं के लिए लगभग 4.5 लाख करोड़ रुपये के निवेश को मंजूरी दी गई है। यह विकसित भारत के हमारे लक्ष्य को प्राप्त करने में हमारी बड़ी भूमिका निभाएगा।

कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में भारतीय रेलवे की बल्लारी-चिकजाजुर मल्टीट्रैकिंग परियोजना पर केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि यह दोहरीकरण परियोजना 185 किलोमीटर तक फैली है और इसकी लागत 3,342 करोड़ रुपये है। यह मंगलौर बंदरगाह के साथ आंतरिक इलाकों को कुशलतापूर्वक जोड़ेगी। हम मंगलौर की रेलवे कनेक्टिविटी में सुधार के लिए एक मास्टर प्लान बना रहे हैं... यह 29 प्रमुख पुलों वाली एक जटिल परियोजना है... इससे लगभग 13 लाख की आबादी को लाभ होगा... यह लगभग 19 मिलियन टन अतिरिक्त माल की ढुलाई की सुविधा प्रदान कर सकती है, जो हमारे पर्यावरण के लिए अभूतपूर्व रूप से मददगार होगी। यह 101 करोड़ कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन को रोकेगा, जो चार करोड़ पेड़ लगाने के बराबर है। इससे हमें देश के 20 करोड़ लीटर डीजल को सालाना बचाने में भी मदद मिलेगी... यह परियोजना कर्नाटक-आंध्र प्रदेश की सीमा पर बल्लारी क्षेत्र में है। रेलवे लाइन की बढ़ी हुई क्षमता परिवहन को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाएगी, जिससे भारतीय रेलवे की परिचालन दक्षता और सेवा विश्वसनीयता बेहतर होगी। ये मल्टी-ट्रैकिंग प्रस्ताव रेलवे परिचालन को सुव्यवस्थित करने और भीड़भाड़ को कम करने के लिए तैयार किए गए हैं। सरकार ने कहा कि ये परियोजनाएं प्रधानमंत्री मोदी के नए भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप हैं, जो स्थानीय लोगों को व्यापक विकास के जरिये 'आत्मनिर्भर' बनाएगी और उनके लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे। रेल मंत्रालय ने कहा कि ये परियोजनाएं बहु-आयामी संपर्क के लिए पीएम-गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान का परिणाम हैं, जो एकीकृत योजना के माध्यम से संभव हुआ है। इससे लोगों, वस्तुओं और सेवाओं की आवाजाही के लिए निर्बाध संपर्क सुविधा मिलेगी। मंत्रालय ने कहा, ''झारखंड, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश राज्यों के सात जिलों को समाहित करने वाली दो परियोजनाएं भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क को लगभग 318 किलोमीटर तक बढ़ा देंगी।'' मंत्रालय ने कहा कि ये परियोजनाएं देश की लॉजिस्टिक लागत को कम करने, तेल आयात में 52 करोड़ लीटर की कमी लाने और कार्बन डाई ऑक्साइड उत्सर्जन में 264 करोड़ किलोग्राम की कटौती करने में मदद करेंगी, जो 11 करोड़ पेड़ लगाने के बराबर है।

अमरनाथ यात्रा की प्रथम पूजा संपन्न, उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने किया बाबा बर्फानी के दर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमरनाथ,(ईएमएस)। श्री अमरनाथ यात्रा 2025 की तैयारियों की आधिकारिक शुरुआत पवित्र गुफा में 'प्रथम पूजा' के साथ हो गई। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बाबा बर्फानी के दर्शन कर पूजा-अर्चना की और देशवासियों के लिए सुख, शांति व समृद्धि की कामना की।

प्रथम पूजा हर साल अमरनाथ यात्रा के आरंभ से पूर्व की जाती है और इसे यात्रा की पारंपरिक शुरुआत का प्रतीक माना जाता है। उपराज्यपाल ने इस अवसर पर कहा, हर हर महादेव ! बाबा बर्फानी से प्रार्थना की है कि वे हम सभी पर कृपा बनाए रखें। उन्होंने देशभर के श्रद्धालुओं से अपील की कि 3 जुलाई से शुरू हो रही इस पवित्र यात्रा में बड़ी संख्या में भाग लें। साथ ही तीर्थयात्रा को न केवल धार्मिक बल्कि जम्मू-कश्मीर और पूरे देश की शांति और विकास के लिए एक सामूहिक साधना बताया।

एलजी सिन्हा ने श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड, प्रशासन, सेना, बीआरओ, सीएपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस

सहित सभी एजेंसियों की तैयारियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि सभी विभाग श्रद्धालुओं को सुरक्षित, व्यवस्थित और परेशानी मुक्त यात्रा प्रदान करने के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रहे हैं। यात्रा मार्गों पर सुरक्षा को लेकर भी व्यापक बंदोबस्त किए गए हैं। भारतीय सेना, सीआरपीएफ, जम्मू-कश्मीर पुलिस और अन्य सुरक्षाबलों की तैनाती पहले से ही बढ़ा दी गई है ताकि लाखों तीर्थयात्रियों को हर संभव सुरक्षा दी जा सके। बता दें कि श्री अमरनाथ यात्रा हर वर्ष श्रद्धालुओं के लिए गहन आस्था और धार्मिक ऊर्जा का केंद्र होती है, जो दक्षिण कश्मीर हिमालय में स्थित पवित्र गुफा तक कठिन ट्रेक मार्गों के जरिये पहुंचती है।

मोहलत खत्म होते ही बुलडोजर ऐक्शन का आगाज, दिल्ली में तोड़े जा रहे हैं 1200 घर

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली,(ईएमएस)। दिल्ली के कालकाजी स्थित करीब 12 सौ घरों को जमींदोज करने की शुरुआत हो गई है। इससे पहले दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने लिखा, 'सुबह-सुबह 5 बजे से भूमिहीन कैम्प में भाजपा का बुलडोज़र चलना शुरू हो गया। सीएम रेखा गुप्ता जी आपने तो 3 दिन पहले कहा था कि एक भी झुग्गी को तोड़ा नहीं जाएगा। तो फिर भूमिहीन कैम्प पर बुलडोज़र क्यों चल रहा है?' दिल्ली के कालकाजी इलाके में मौजूद भूमिहीन कैंप में बड़ी संख्या में झुग्गियां हैं। यहां बहुत सी झुग्गियों को डीडीए की जमीन पर अतिक्रमण करके बनाया गया है। हाई कोर्ट ने इन्हें तोड़ने की मंजूरी दी थी, जिसके बाद डीडीए की ओर से नोटिस चस्पा किया गया था। नोटिस में कहा गया था कि 10 जून तक झुग्गियों को खाली कर दिया जाए, इसके बाद ध्वस्तीकरण शुरू होगा।दिल्ली के कालकाजी में नोटिस की मियाद खत्म होने के बाद बुधवार सुबह-सुबह बुलडोजर ऐक्शन का आगाज हो गया। हाई कोर्ट से मिली मंजूरी के बाद कालकाजी भूमिहीन कैंप की झुग्गी बस्ती में 1200 घरों को तोड़ा जा रहा है। विरोध की आशंका को देखते हुए मौके पर भारी संख्या में सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की गई है। दिल्ली पुलिस के साथ ही अर्धसैनिक बलों के जवान भी मौजूद हैं। डीडीए की ओर से यहां तीन दिनों के भीतर झुग्गी खाली करने का नोटिस चस्पा किया गया था। बुलडोजर ऐक्शन को लेकर नोटिस चिपकाए जाने के बाद यहां राजनीति तेज हो गई थी। एक दिन पहले ही आम आदमी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने यहां विरोध प्रदर्शन किया था। पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी मार्लेना को यहां हिरासत में ले लिया गया था। बुलडोजर ऐक्शन की शुरुआत के बाद आतिशी ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को याद दिलाया कि उन्होंने कहा था कि मकान दिए बिना झुग्गियों को नहीं तोड़ा जाएगा।

सबूत देख टूट गई सोनम, रोते-रोते एसआईटी की पूछताछ में कुबूला
हां, मैं पति राजा के मर्डर की साजिश में शामिल थी...

शिलांग/इंदौर (एजेंसी)। मेघालय के राजा रघुवंशी हत्याकांड में मेघालय पुलिस ने सोनम रघुवंशी और उसके प्रेमी राज कुशवाह का आमना-सामना करवाया, जिसके बाद सोनम टूट गई और उसने अपने पति राजा की हत्या की साजिश में शामिल होने की बात कबूल कर ली। पुलिस ने पुख्ता सबूतों के साथ दोनों को आमने-सामने बिठाया, जिसके बाद सोनम के पास छिपाने को कुछ नहीं बचा।

मेघालय पुलिस के ऑपरेशन हनीमून के तहत 23 मई को शिलांग के सोहरा में हुई राजा रघुवंशी की हत्या की जांच में बड़ा खुलासा हुआ। पुलिस ने सोनम और राज कुशवाहा को आमने-सामने बिठाकर पूछताछ की। 42 सीसीटीवी फुटेज, खून से सनी जैकेट, सोनम का रेनकोट, और अन्य सबूतों को सामने रखा गया। सबूतों के दबाव में सोनम टूट गई और उसने कबूल किया कि उसने राज कुशवाह और तीन सुपारी किलर्स आकाश राजपूत, विशाल उर्फ विक्की ठाकुर, और आनंद कुर्मी के साथ मिलकर राजा की हत्या की साजिश रची।

पुलिस जांच में पता चला कि सोनम ने हनीमून के बहाने राजा को सोहरा के सुनसान इलाके में ले जाकर हत्यारों को उसकी लोकेशन भेजी। उसने अपनी सास को झूठ बोला कि वह अपरा एकादशी का व्रत रख रही है, जबकि होटल रिकॉर्ड से पता चला कि उसने खाना खाया था। हत्या के बाद सोनम ने राजा के सोशल मीडिया अकाउंट से सात जन्मों का साथ है पोस्ट कर जांच को भटकाने की कोशिश की। पुलिस को गुवाहाटी रेलवे स्टेशन के पास से हत्या में इस्तेमाल हथियार भी मिला।

मेघालय पुलिस ने सोनम, राज कुशवाह और तीनों हत्यारों को गिरफ्तार कर लिया है। सोनम ने 9 जून को गाजीपुर में सरेंडर किया था। पुलिस के मुताबिक, सोनम का मकसद राजा को रास्ते से हटाकर राज कुशवाह के साथ नई जिंदगी शुरू करना था।

राजा के भाई सचिन और पिता अशोक रघुवंशी ने सोनम के लिए फांसी की सजा और उसके परिवार के

सामाजिक बहिष्कार की मांग की है। सोनम के भाई गोविंद ने भी हत्यारों के लिए फांसी की मांग की, लेकिन दावा किया कि उसे साजिश की जानकारी नहीं थी।

24-घंटे पहले पता चलेगा वेटिंग टिकट कन्फर्म हुआ या नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रेलवे ने वेटिंग लिस्ट वाले पैसेंजर्स के लिए नए नियम लेकर आई है। अब यात्रियों को सीट कन्फर्म हुई या नहीं इसकी जानकारी ट्रेन निकलने के एक दिन पहले पता चल जाएगी। रेलवे ने अब चार्ट बनाने का समय ट्रेन के चलने से 24 घंटे पहले कर दिया है। अभी सिर्फ 4 घंटे पहले रिजर्वेशन चार्ट बनाया जाता था। ऐसे में वेटिंग टिकट वालों को आखिरी वक्त तक कंफर्मेशन का इंतजार करना पड़ता था। यह नियम 6 जून से बीकानेर डिवीजन में लागू किया गया है। धीरे-धीरे इसे देशभर के अन्य डिवीजनों में भी लागू किया जाएगा।

तत्काल टिकट बुकिंग पर लागू नहीं होगा ये नियम

रेलवे ने यह भी कहा कि नए नियम से तत्काल टिकट बुकिंग या अन्य नियमों में कोई बदलाव नहीं होगा। तत्काल टिकट यात्रा से एक दिन पहले बुक किए जाएंगे और उनकी कंफर्मेशन प्रक्रिया पहले के जैसे ही रहेगी।

वेटिंग टिकट पर स्लीपर-एसी में सफर नहीं

इससे पहले भारतीय रेलवे ने 1 मई से वेटिंग टिकट के लिए नए नियम लागू किए थे। इनके अनुसार, वेटिंग लिस्ट टिकट वाले यात्रियों को अब स्लीपर या एसी कोच में यात्रा करने की अनुमति नहीं होगी। जिन यात्रियों के टिकट वेटिंग लिस्ट में हैं, वे अब सिर्फ जनरल कोच में ही सफर कर सकेंगे। अगर कोई यात्री वेटिंग टिकट पर एसी या स्लीपर कोच में यात्रा करता हुआ पाया जाता है, तो उस पर जुर्माना लगेगा।

यूपीआई पेमेंट पर दुकानदारों से चार्ज वसूल सकती है सरकार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र सरकार दुकानदारों यानी मर्चेंट से 3,000 रुपए से ज्यादा के यूपीआई ट्रांजेक्शन पर चार्ज लगा सकती है। इसके लिए 0.3 प्रतिशत मर्चेंट डिस्काउंट रेट दोबारा लागू किए जा सकते हैं। यानी आप 3,000 रुपए से ज्यादा का यूपीआइ पेमेंट करते हैं, तो दुकानदार को बैंक को 9 रुपए तक फीस देनी होगी।

नए नियम बैंकों और पेमेंट सर्विस प्रोवाइडर्स के बढ़ते इंफ्रास्ट्रक्चर और ऑपरेशनल खर्चों को देखते हुए लाए जा सकता है। 2 महीने के भीतर नए नियम लागू किए जा सकते हैं। हाल ही में लोकनिर्माण, वित्त मंत्रालय और अन्य विभागों की बैठक हुई है। सभी स्टेकहोल्डर्स से चर्चा के बाद ही पॉलिसी लागू होगी।

कैसे लगेगा चार्ज

जब आप किसी दुकान, मॉल, पेट्रोल पंप या ऑनलाइन शॉपिंग साइट पर यूपीआई से 3,000 रुपए से ज्यादा का पेमेंट करेंगे, तो बैंक या पेमेंट कंपनी उस व्यापारी से फीस वसूलेंगे। आम ग्राहक को सीधे कोई चार्ज नहीं देना है। लेकिन कुछ दुकानदार यह चार्ज ग्राहक से भी वसूल सकते हैं। छोटे ट्रांजेक्शन (3,000 रुपए तक) और छोटे दुकानदारों पर कोई असर नहीं पड़ेगा, वह पहले की तरह फ्री रहेंगे।

एक महीने में 4 प्रतिशत बढ़े यूपीआई ट्रांजैक्शन

मई 2025 में यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस के जरिए 18,67 करोड़ ट्रांजैक्शन हुए। इस दौरान इस दौरान कुल 25.14 लाख करोड़ रुपए की राशि ट्रांसफर की गई। ट्रांजैक्शन की संख्या में एक महीने में 33 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। इससे पहले पेमेंट काउंसिल ऑफ इंडिया ने प्रधानमंत्री मोदी को लेटर लिखा था। लेटर में पीएम मोदी से जीरो मर्चेंट डिस्काउंट रेट नीति पर पुनर्विचार करने की मांग की गई है। काउंसिल, यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस और रुपे डेबिट कार्ड ट्रांजैक्शन पर 0.3 प्रतिशत मर्चेंट डिस्काउंट रेट लगाने के पक्ष में है। अभी इन पेमेंट मेथड्स पर कोई मर्चेंट डिस्काउंट रेट नहीं लगाया जाता है, क्योंकि इन्हें नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया फैसिलिटी प्रोवाइड करती है।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिकी रैपर डिडी पर एक्स–गर्लफ्रेंड से यौन हिंसा का आरोप

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका के मशहूर रैपर और म्यूजिक प्रोड्यूसर शॉन डिडी कॉम्ब्स पर उनकी एक्स–गर्लफ्रेंड ने हिंसा और जबरन यौन संबंध बनाने के आरोप लगाए हैं। सोमवार को अदालत में गवाही देते हुए पीड़ित ने बताया कि 2024 में एक रात कॉम्ब्स ने उनके साथ मारपीट की, गला दबाया और चेहरे पर मुक्का मारा। इसके बाद एक पुरुष सेक्स वर्कर को बुलाकर उनके साथ जबरन 'फ्रीक–ऑफ' जैसी सेक्सुअल एक्टिविटी कराई। महिला की पहचान सार्वजनिक नहीं की गई है। वह कोर्ट में जेन नाम से पेश हो रही है। पेशी के तीसरे दिन सोमवार को उसने बताया कि वह 18 जून 2024 की रात कॉम्ब्स के साथ रोमांटिक शाम बिताने का प्लान कर रही थी, लेकिन वह रात उसके लिए एक भयानक दिन बन गई। महिला के मुताबिक, कॉम्ब्स पर बेवफाई का आरोप लगाने के बाद वह गुस्से में आ गए। उन्होंने महिला का पीछा किया, उसे जमीन पर गिराया, दरवाजे तोड़े, चेहरे पर मुक्का मारा और गला दबाया। महिला ने बताया कि उसने भागने की कोशिश की लेकिन कॉम्ब्स ने उसे लात मारकर गिरा दिया और बाल या हाथ पकड़कर फिर से अंदर घसीटा। फिर उन्होंने एक पुरुष सेक्स वर्कर को बुलाया, उसे एक्स्टेसी की गोली दी। इसके बाद कॉम्ब्स ने उससे, पीड़ित के साथ जबरन संबंध बनाने के लिए कहा। जब महिला ने इसका विरोध किया तो, कॉम्ब्स ने कहा कि तुम इस तरह मेरी रात खराब नहीं करोगी। कॉम्ब्स पर पहले भी यौन हिंसा के आरोप लगे हैं। नवंबर 2023 में उनकी पूर्व प्रेमिका और मशहूर सिंगर कैसी (कैसेंड्रा वेंटुरा) ने उन पर मुकदमा दायर किया था। इसमें दावा किया गया कि कॉम्ब्स ने उसे ड्रग्स के असर में हफ्तों तक फ्रीक–ऑफ सेक्सुअल सेशन में शामिल किया। कॉम्ब्स ने यह मुकदमा एक दिन में ही 2 करोड़ डॉलर में सुलझा लिया था। जेन ने कहा कि जब उसने कैसी का मुकदमा पढ़ा, तो वह तीन दिन तक रोती रही और बीमार महसूस करने लगी।

जैविक सामग्री की तस्करी के आरोप में एक और चीनी वैज्ञानिक गिरफ्तार; बीते सप्ताह भी दो लोगों को पकड़ा गया था

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में अवैध जैविक सामग्री की तस्करी मामले में एक और चीनी वैज्ञानिक को गिरफ्तार किया गया है। अमेरिकी सीमा शुल्क एवं सीमा सुरक्षा में क्षेत्रीय प्रमुख जॉन नोवाक ने इस बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रविवार को अमेरिका पहुंचते ही डेट्रॉयट हवाई अड्डे पर चीनी वैज्ञानिक को हिरासत में लेकर उससे पूछताछ की गई। इसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। एफबीआई ने बताया कि गिरफ्तार चीनी वैज्ञानिक वुहान में हुआझोंग यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी में एडवांस डिग्री हासिल कर रही हैं। उसने मिशिगन यूनिवर्सिटी में एक प्रोजेक्ट पूरा करने के लिए एक साल बिताने की योजना बनाई थी। इस वैज्ञानिक पर आरोप है कि उन्होंने महीनों पहले मिशिगन विश्वविद्यालय की प्रयोगशाला में कर्मचारियों को जैविक सामग्री भेजी थी। एफबीआई ने मामले में अदालत में दाखिल अपने दस्तावेज में कहा है कि यह सामग्री कुछ खास किस्म के फंगस से संबंधित है। इसके लिए सरकार की अनुमति की आवश्यकता होती है। वहीं,जॉन नोवाक ने कहा कि शोध उद्देश्यों के लिए अमेरिका में जैविक सामग्री के आयात के दिशानिर्देश कड़े लेकिन स्पष्ट हैं। इस तरह की तस्करी से अन्य अतिथि शोधकर्ताओं के वैध कार्य को कमजोर होते हैं और उन्हें संदेह का सामना करना पड़ता है।

सिंगापुर में 1800 साल पुराने श्री सिवन मंदिर में भव्य अभिषेक समारोह, 20,000 श्रद्धालुओं हुए शामिल

सिंगापुर, एजेंसी। सिंगापुर के सबसे पुराने हिंदू मंदिरों में शामिल श्री सिवन मंदिर अभिषेक समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान 1,800 की शताब्दी से भी पुराने इस मंदिर में 20,000 से अधिक श्रद्धालु जुटे। राष्ट्रीय सुरक्षा समन्वय मंत्री व गृह मंत्री के. षणमुगम गेलांग ईस्ट मंदिर के नाम से मशहूर मंदिर में श्रद्धालुओं के साथ शामिल हुए। वह बोले, आज का अभिषेक समारोह महत्वपूर्ण है, क्योंकि सिंगापुर में हिंदू समुदाय के दिल में इस मंदिर का विशेष स्थान है। षणमुगम ने समारोह की पट्टिका का अनावरण भी किया। सुबह 7 बजे से ही मंदिर के बाहर विशेष रूप से बनाए गए तंबुओं में पहुंचे श्रद्धालु महाकुंभाभिषेकम का बेसब्री से इंतजार करने लगे। यह मंदिर की छत पर बर्तनों से पवित्र जल डालने की प्रक्रिया है। कुंभम कहे जाने वाले पात्रों में जल भरा जाता है और लगातार सात दिन तक संस्कृत मंत्रों के जाप के माध्यम से इन्हें ऊर्जाप्रदान की जाती है। द स्ट्रेट्स टाइम्स के मुताबिक, हिंदू बंदोबस्ती बोर्ड ने कहा कि मंदिर में 26 जुलाई तक 48 दिन प्रार्थना, अनुष्ठान और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

अमेरिका हिंसा-ट्रम्प ने लॉस एंजिलिस 2000 नेशनल गार्ड्स और भेजे : अब कुल 4000 की तैनाती

लॉस एंजिलिस, एजेंसी। अमेरिकी राज्य कैलिफोर्निया के लॉस एंजिलिस में 4 दिनों से जारी हिंसा में अब तक दो लोगों की मौत हो चुकी है। यह हिंसक प्रदर्शन अवैध अप्रवासियों को बाहर निकालने के फैसले के खिलाफ हो रहे हैं। इस प्रदर्शन को काबू करने के लिए ट्रम्प प्रशासन ने 2000 नेशनल गार्ड्स और तैनात करने का फैसला किया है, जिससे इनकी कुल संख्या 4000 हो जाएगी। इसके अलावा 700 मरीन कमांडों भी तैनात करने का फैसला किया है। यह नेशनल गार्ड के साथ मिलकर सुरक्षा व्यवस्था संभालेंगे। ये मरीन जवान दक्षिण कैलिफोर्निया के ट्वेंटी नाइन पाम्स बेस से आ रहे हैं। अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि यह तैनाती अगले कुछ घंटों में हो सकती है। इससे पहले ट्रम्प ने लॉस एंजिलिस में फैली हिंसा और तोड़फोड़ के बाद वहां तैनात किए गए नेशनल गार्ड के जवानों की तारीफ भी की। ये जवान आमतौर पर राज्य के गवर्नरों के आदेश पर बुलाए जाते हैं, लेकिन इस बार ट्रम्प ने खुद उनकी तैनाती कर दी।

ट्रम्प ने कैलिफोर्निया के गर्वनर की गिरफ्तारी का समर्थन किया : राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि अगर कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम को गिरफ्तार किया जाए, तो यह अच्छा कदम होगा। गेविन लॉस एंजिलिस में नेशनल गार्ड्स की तैनाती का विरोध कर रहे हैं। उनका कहना है कि इसके खिलाफ राज्य सरकार ट्रम्प पर केस करेगी। ट्रम्प ने कहा, ÷न्यूसम ने बहुत खराब काम किया है। उनका सबसे बड़ा जुर्म है कि वो फिर से गवर्नर बनना चाहते हैं।÷ उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें न्यूसम पसंद हैं, लेकिन कामकाज में कमजोर लगते हैं।

ट्रम्प के सहयोगी और बॉर्डर अधिकारी टॉम होमन ने पहले कहा था कि अगर कोई सरकारी अधिकारी फेडरल कानून में रुकावट डालेगा तो उसे गिरफ्तार किया जा सकता है। हालांकि बाद में उन्होंने साफ किया कि न्यूसम की गिरफ्तारी का कोई प्लान नहीं है, लेकिन कोई भी कानून से ऊपर नहीं है।

प्रदर्शनकारी अमेरिकी झंडे पर थूकते नजर आए : भारतीय समयानुसार सोमवार को हुए प्रदर्शन के दौरान उपद्रवियों ने सैकड़ों गाड़ियों को जला दिया। कई प्रदर्शनकारी अमेरिकी झंडे पर थूकते नजर आए। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने आदेश दिया है कि जो लोग प्रदर्शन के दौरान मास्क पहन रहे हैं, उन्हें तुरंत गिरफ्तार किया जाए। प्रदर्शनकारी मास्क पहनकर सड़कों पर उतर रहे हैं ताकि वे सुरक्षा कैमरों से बच सकें। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर लिखा कि शहर पर अवैध अप्रवासियों का कब्जा है, इसे जल्द आजाद कराया जाएगा।

ऑस्ट्रेलियाई रिपोर्टर को गोली लगी : विरोध प्रदर्शनों को कवर कर रही ऑस्ट्रेलियाई पत्रकार लॉरेन टोमासी पर पुलिस ने रबर बुलेट फायर कर दी। यह घटना रविवार को उस समय हुई जब नाइन न्यूज की पत्रकार लॉरेन टोमासी लाइव रिपोर्टिंग कर रही थीं। वायरल हुए वीडियो में दिखा कि रबर बुलेट उनकी टांग में लगी लॉरेन ने कहा- कई घंटों की तनातनी के बाद स्थिति अब तेजी से बिगड़ गई है। लॉस एंजिलिस पुलिस घोड़ों पर सवार होकर प्रदर्शनकारियों पर रबर बुलेट दाग रही है और उन्हें शहर के सेंटर से हटा रही है।÷ इस दौरान पीछे से एक पुलिस अधिकारी की आवाज आई, जो कह रहा था कि तुमने अभी पत्रकार को गोली मारी। किसी ने लॉरेन से पूछा कि क्या वह ठीक हैं, तो उन्होंने जवाब दिया- मैं ठीक हूं।

लॉस एंजिलिस में नेशनल गार्ड तैनात किए : राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने लॉस एंजिलिस में हालात को काबू करने के लिए 2000 नेशनल गार्ड्स को भेजा है। हालांकि कैलिफोर्निया के गवर्नर गैविन न्यूसम और लॉस एंजिलिस की मेयर कैरेन बैस ने नेशनल गार्ड्स भेजने का विरोध किया है। यह पहला मौका है जब किसी राज्य में नेशनल गार्ड को बिना गवर्नर की अनुमति के भेजा गया। लॉस एंजिलिस में 6-7 जून को सरकार ने अवैध अप्रवासियों के खिलाफ एक अभियान चलाया था। इसी का विरोध हो रहा है। छापेमारी राष्ट्रपति ट्रम्प की डिपोर्टेशन पॉलिसी का हिस्सा है।

अमेरिकी सेना की 250वीं वर्षगांठ और ट्रंप के जन्मदिन पर होगी सैन्य परेड, किए जा रहे कड़े सुरक्षा इंतजाम

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में शनिवार को अमेरिकी सेना की 250वीं वर्षगांठ और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का 79वां जन्मदिन मनाने की तैयारी हो रही है। इस मौके पर सैन्य परेड होगी। इसके लिए कड़े सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। 18 मील इलाके में फेंसिंग की गई हैं। जबकि 175 मैग्नेटोमीटर लगाए गए हैं। सीक्रेट सर्विस के वॉशिंगटन फील्ड ऑफिस के मैट मैककूल ने कहा कि हम भारी भीड़ के लिए तैयारी कर रहे हैं। 18 मील से अधिक एंटी-स्केल फेंसिंग लगाई जाएगी। जबकि कई ड्रोन हवा में होंगे। कोलंबिया का पूरा जिला आमतौर पर ड्रोन के लिए नो-फ्लाई जोन होगा। सीक्रेट सर्विस के वॉशिंगटन फील्ड ऑफिस के मैट मैककूल ने कहा कि हम भारी भीड़ के लिए तैयारी कर रहे हैं। 18 मील से अधिक एंटी-स्केल फेंसिंग लगाई जाएगी। जबकि कई ड्रोन हवा में होंगे। कोलंबिया का पूरा जिला आमतौर पर ड्रोन के लिए नो-फ्लाई जोन होगा। सेना के अधिकारियों का अनुमान है कि शाम की सैन्य परेड में लगभग दो लाख लोग शामिल होंगे। मैककूल ने कहा कि हम लाखों लोगों के लिए तैयार हैं। हमारे पास एक टन मैग्नेटोमीटर है। अगर दस लाख लोग आते हैं, तो हमें कुछ लाइनें लगानी पड़ेंगी।

दिन में मनेगा जन्मदिन, रात में होगी परेड : कार्यक्रम के दौरान दिन में ट्रंप का जन्मदिन समारोह मनाया जाएगा। जबकि रात के वक्त सैन्य परेड होगी। इसके लिए सुरक्षा चौकियों पर 175 मैग्नेटोमीटर लगाए जाएंगे। मेट्रोपॉलिटन पुलिस विभाग की प्रमुख पामेला स्मिथ ने कार्यक्रम को लेकर ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की। उन्होंने कहा कि लोग कार्यक्रम में समय से पहले आएं। साथ ही कारों की जगह मेट्रो से पहुंचें। उन्होंने कहा कि यह बड़ा आयोजन है। हम जनता पर भरोसा कर रहे हैं कि वे हमारे लिए अतिरिक्त कान और आंखें बनेंगे।

सेना की वर्षगांठ के जश्न की योजना महीनों पहले से ही बनाई जा रही थी। लेकिन ट्रंप ने इस कार्यक्रम को बदल दिया था। वे 79वें जन्मदिन पर कार्यक्रम कराना चाह रहे थे। उन्होंने 60 टन के एम1 अब्राम युद्धक टैंकों और पैलाडिन स्व-चालित हॉवित्जर के साथ शहर की सड़कों पर घूमते हुए एक विशाल सैन्य परेड का एलान किया गया था।

रूस बनाएगा ईरान में आठ न्यूक्लियर प्लांट

तेहरान , एजेंसी। ईरान के एटॉमिक चीफ ने घोषणा की है कि रूस दोनों देशों के बीच पहले से हस्ताक्षरित अनुबंध के तहत ईरान में आठ न्यूक्लियर पावर प्लांट बनाएगा। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, सोमवार को ईरानी संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति समिति के सदस्य तेहरान में एईओआई हेडक्वार्टर के दौरे पर पहुंचे, जहां ईरान के एटॉमिक एनर्जी ऑर्गेनाइजेशन (एईओआई) के अध्यक्ष मोहम्मद इस्लामी ने इस बारे में जानकारी दी। मोहम्मद इस्लामी ने बताया कि आठ न्यूक्लियर रिएक्टर में से चार बुशहर के दक्षिणी प्रांत में बनाए जाएंगे। मोहम्मद इस्लामी ने मौजूदा बुशहर न्यूक्लियर पावर प्लांट में यूनिट-2 और यूनिट-3 के चल रहे निर्माण पर सांसदों को जानकारी दी। इन यूनिट्स का निर्माण ईरानी कंपनियां कर रही हैं। पत्रकारों से बात करते हुए इस्लामी ने बताया कि एईओआई की योजना देश की व्यापक ऊर्जा विकास रणनीति के हिस्से के रूप में ईरान की परमाणु ऊर्जा उत्पादन क्षमता को तीन गुना करना है। बुशहर प्लांट का निर्माण मई 2011 में रूस ने किया था, जो ईरान की पहली और एकमात्र चालू परमाणु ऊर्जा सुविधा है। ये देश के सिविलियन न्यूक्लियर एनर्जी प्रोग्राम का केंद्र रहा है।

पाकिस्तानियों को कुवैत ने दिया तोहफा, 19 साल बाद हटाया वीजा बैन, हजारों को नौकरी मिलने का रास्ता साफ

कुवैत सिटी, एजेंसी। कुवैत ने 2011 में पाकिस्तान सहित कई देशों पर वीजा बैन लगा दिया था। इसका कारण क्षेत्रीय अस्थिरता, आतंकवाद और सुरक्षा चिंताएं थीं। पाकिस्तान, ईरान, अफगानिस्तान, सीरिया और यमन जैसे देशों के नागरिकों के लिए वीजा प्रक्रिया पूरी तरह से रोक दी गई थी। कुवैत सरकार का कहना था कि इन देशों से आने वाले प्रवासी मजदूरों और स्थानीय नागरिकों के बीच सामाजिक तनाव और सुरक्षा को खतरा था, जिस कारण यह प्रतिबंध लगाया गया था।

अब वीजा बैन हटा, पाक नागरिकों को राहत : अब कुवैत सरकार ने एक नई शुरुआत करते हुए यह वीजा प्रतिबंध तत्काल प्रभाव से हटा दिया है। इस फैसले से पाकिस्तान के लाखों नागरिकों के लिए रोजगार, शिक्षा और व्यापार के नए अवसर खुल गए हैं। अब पाकिस्तानी नागरिक कुवैत के लिए वर्क वीजा, फैमिली विजिट वीजा, बिजनेस वीजा और टूरिस्ट वीजा के लिए आवेदन कर सकेंगे। कुवैत सरकार का यह निर्णय ऐसे समय में आया है जब वहां का हेल्थ और कंस्ट्रक्शन सेक्टर दक्ष श्रमिकों की भारी मांग से जूझ रहा है। खासतौर पर हेल्थ सेक्टर में सुधार के लिए कुवैत ने 1200 पाकिस्तानी नर्सों की भर्ती की योजना बनाई है। इसके लिए वीजा प्रक्रिया को सरल और तेज किया गया है।

आईटी, निर्माण और जनरल लेबर सेक्टर में नौकरियां उपलब्ध : रिपोर्ट्स के मुताबिक, कुवैत की सरकार आईटी, जनरल लेबर, निर्माण, और मेडिकल जैसे सेक्टर्स में विदेशी कामगारों को प्राथमिकता दे रही है। पाकिस्तानी वर्कर्स को अब कुवैत में वैध रोजगार पाने का सुनहरा मौका मिलेगा। इसके साथ ही कुवैत सरकार इन क्षेत्रों में कुशल और अर्ध-कुशल कामगारों की नियुक्ति पर ज़ोर दे रही है। पाकिस्तान के लिए आर्थिक संकट के बीच राहत पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था इस समय गंभीर संकट से गुजर रही है। देश में डॉलर की भारी कमी, बेरोजगारी, और बढ़ती महंगाई ने आम नागरिकों की कमर तोड़ दी है। आईएमएफ के साथ कर्ज पैकेज की बातचीत अभी भी जारी है। ऐसे में कुवैत द्वारा वीजा बैन हटाना पाकिस्तान के लिए आर्थिक राहत की किरण के रूप में देखा जा रहा है। कुवैत में काम करने वाले पाकिस्तानी नागरिक अपने परिवारों को विदेशी मुद्रा (डॉलर) के रूप में रेमिटेंस भेजते हैं, जिससे देश के विदेशी मुद्रा भंडार को मजबूती मिलती है। इसलिए वीजा बहाली को पाकिस्तानी सरकार के लिए एक कूटनीतिक और आर्थिक सफलता माना जा रहा है। द्विपक्षीय संबंधों को नया आयाम वीजा बैन हटाने का फैसला सिर्फ एक प्रशासनिक कदम नहीं है, बल्कि इसे कुवैत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते द्विपक्षीय संबंधों के संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

बांग्लादेश के ढाका में प्रदर्शन पर रोक : यूनुस के सरकारी आवास-सचिवालय के आसपास का एरिया सील

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस के खिलाफ विरोध तेज हो गया है। विपक्षी दलों, सरकारी कर्मचारियों, शिक्षकों और सेना के बीच भी नाराजगी बढ़ती जा रही है। इस बीच ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस (डीएमपी) ने राजधानी के केंद्र में सभी रैलियों, विरोध प्रदर्शनों और जनसभाओं पर अनिश्चितकालीन प्रतिबंध लगा दिया है। वहीं, ढाका पुलिस ने मोहम्मद यूनुस के आधिकारिक निवास 'जमुना गेस्ट हाउस' और बांग्लादेश सचिवालय के आसपास के एरिया को पूरी तरह सील कर दिया है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है। जब सचिवालय में काम करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों ने सरकार के एक अध्यादेश के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। डीएमपी कमिश्नर एसएम सज्जात अली ने बताया कि यह प्रतिबंध, सार्वजनिक व्यवस्था और चीफ एडवाइजर मोहम्मद यूनुस की सुरक्षा के लिए लगाया गया है। इससे पहले 10 मई को भी सरकार ने सीमा सुरक्षा बल (बीजीबी) और पुलिस की एसडब्ल्यूएटी टीमों को सरकारी इमारतों की सुरक्षा में लगाया था। ईद के बाद फिर भड़क सकते हैं प्रदर्शन फिलहाल ईद की छुट्टियों के कारण विरोध थोड़े समय के लिए थम गया है, लेकिन सरकारी कर्मचारियों ने 15 जून तक मांगें पूरी नहीं होने पर देशभर के सरकारी दफ्तरों में बड़े आंदोलन की चेतावनी दी है। बांग्लादेश सचिवालय अधिकारी-कर्मचारी एकता मंच के सह-अध्यक्ष नुरुल इस्लाम ने कहा कि आंदोलन और उग्र होगा। सेना और बीएनपी भी नाराज, शिक्षकों हड़ताल पर अगस्त 2024 से सत्ता में आई मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार को पहले ही विपक्षी दल बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) चुनावी समयसीमा तय करने की मांग को लेकर घेर रही है। सेना प्रमुख वाकर-उज-जमान भी दिसंबर 2025 तक चुनाव करवाने की सलाह दे चुके हैं। वहीं यूनुस ने अप्रैल 2026 में चुनाव कराने का संकेत दिया है, जिससे उनकी सत्ता में बने रहने की मंशा पर संदेह गहराया है।

अमेरिकी एयरपोर्ट में भारतीय छात्र से बदसलूकी, सुरक्षाकर्मियों ने पेट के बल लिटा रखा है और उसके हाथ और पैर बांध दिए

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी एयरपोर्ट पर भारतीय मूल के एक छात्र से बदसलूकी के मामले में दूतावास का बयान आया है। एक वीडियो और तस्वीरों में दिखा था कि भारतीय छात्र को न्यू जर्सी के नेवार्क एयरपोर्ट पर सुरक्षाकर्मियों ने पेट के बल लिटा रखा है और उसके हाथ और पैर बांध दिए हैं। इस वीडियो के सामने आने के बाद से ही लोग भड़के हुए थे। भारतीय छात्र के साथ अपराधियों जैसे बर्ताव का यह वीडियो मौके पर मौजूद और भारतीय-अमेरिकी कारोबारी कुणाल जैन ने बनाया था। अब इस मामले में न्यूयॉर्क स्थित भारतीय दूतावास का बयान आया है। दूतावास ने ट्वीट किया, हमने सोशल मीडिया पर ऐसी कई पोस्ट देखी हैं। इनमें दावा किया गया है कि एक भारतीय को नेवार्क लिबर्टी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर परेशानी झेलनी पड़ी। हम स्थानीय प्रशासन के संपर्क में हैं। भारतीयों के हितों की सुरक्षा के लिए कौंसुलेट तत्पर है। छात्र के वायरल वीडियो में दिखता है कि उसे दो अधिकारियों ने पकड़ रखा है और पेट के बल लिटा रखा है। वहीं दो अन्य अधिकारी उसके हाथों और पैरों को बांध देते हैं। इस दौरान भारतीय छात्र मदद की अपील करता सुनाई देता है। छात्र को अमेरिकी प्रशासन ने अवैध रूप से देश में आने के आरोप में पकड़ा था और उसे भारत वापस भेज दिया गया। कुणाल जैन ने एक्स पर लिखा, 'मैंने देखा कि एक युवा भारतीय छात्र को नेवार्क एयरपोर्ट से डिपोर्ट किया जा रहा है। बीती रात ऐसा हुआ। उसके हाथ बंध थे। उसके साथ अपराधियों जैसा सलूक हुआ। वह सपने देख रहा था, उन्हें पूरा करने आया था। उसका इरादा किसी को नुकसान पहुंचाने का नहीं था। एक एनआरआई के तौर पर मैं असहाय था और उसकी कोई मदद नहीं कर सका। यह दिल तोड़ने वाला है और मानवीय आपदा जैसा है।' कुणाल जैन ने अमेरिका में भारतीय दूतावास से भी अपील की थी कि वह इस मामले की जांच करे और छात्र को जरूरी मदद की जाए। बता दें कि अमेरिका में बड़े पैमाने पर विदेशी छात्रों और कर्मचारियों के वीजा रद्द किए जा रहे हैं।

इस्राइल में सरकार पर संकट : क्या पीएम नेतन्याहू की सत्ता खतरे में? अति-रूढ़िवादी सैन्य कानून ने बढ़ाई परेशानी

येरूशलम, एजेंसी। हमास के साथ युद्ध के बीच इस्राइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू सरकार संकट में फंस गई है। अति-रूढ़िवादी सैन्य कानून लागू करने के चलते उनके गठबंधन के सहयोगियों ने सरकार का साथ छोड़ने का एलान किया है। इस्राइल में बुधवार को संसद भंग करने के लिए मतदान हुआ। विपक्ष का कहना है कि अगर गठबंधन के साझेदार सरकार से नाता तोड़ लेंगे तो संसद भंग हो जाएगी। अभी यह साफ नहीं है कि कौन-कौन सहयोगी सरकार का साथ देंगे।

क्या है कानून : इस्राइल में अब तक यहूदी पुरुषों को लगभग तीन साल की सैन्य सेवा करनी होती है। इसके बाद कई साल रिजर्व ड्यूटी करनी होती है। वहीं यहूदी महिलाओं को दो वर्ष अनिवार्य सेवा करनी होती है। जबकि इस्राइल में राजनीतिक रूप से सशक्त अति-रूढ़िवादी समुदाय को इससे छूट थी। यह समुदाय धार्मिक कार्य संभालता है और इसके युवाओं को 26 साल की उम्र तक सरकार वजीफा देती है। अब इस्राइल की सरकार ने अति-रूढ़िवादी सैन्य कानून के तहत इस समुदाय के लोगों को भी सेना में काम करना अनिवार्य कर दिया। इस्राइल की सुप्रीम कोर्ट ने भी 2017 में अति रूढ़िवादी को सैन्य सेवा से मिलने वाली छूट को अवैध करार दिया था।

इसलिए लागू किया जा रहा कानून : सैन्य सेवा में अति रूढ़िवादियों को शामिल करने का फैसला इसलिए लिया गया है क्योंकि हमास के हमले के बाद से सैनिकों की बड़ी जरूरत महसूस हुई है। इस्राइल ने 360,000 रिजर्व सैनिकों को सक्रिय किया है। हालात यह हैं कि कई रिजर्व सैनिकों ने

गाजा में सैकड़ों दिनों की कई बार ड्यूटी की है। कुछ रिजर्व सैनिक नए बुलावे को अस्वीकार कर रहे हैं। रिजर्व ड्यूटी के लिए रिपोर्ट करने वाले इस्राइलियों की संख्या इतनी कम हो गई है कि सेना ने सेवा जारी रखने के लिए लोगों को भर्ती करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया है।

अति-रूढ़िवादी पार्टियों का रुख क्या : नेतन्याहू सरकार के कानून लागू करने की तैयारी और सरकार गिराने के लिए विपक्ष ने आह्वान किया है कि अगर सरकार में शामिल अति-रूढ़िवादी साझेदार अपने समुदाय को सैन्य सेवा से छूट देने वाला कानून पारित करने में विफल रहते हैं तो उनके साथ नाता तोड़ लेंगे। नेतन्याहू के लिए हरेदीम या हिब्रू में दो पार्टियां बेहद जरूरी हैं। दोनों को सरकार को भंग करने के लिए मतदान करना होगा।

इसमें नेतन्याहू की सबसे बड़ी समर्थक पार्टी शास भी शामिल है। शास के प्रवक्ता ने कहा कि पार्टी वर्तमान में विघटन के पक्ष में मतदान करने की योजना बना रही है। जब तक कि वार्ता में कोई सफलता नहीं मिलती। दूसरी पार्टी डेगेल हाटोरा भी पिछले सप्ताह से सरकार छोड़ने की धमकी दे रही है। धर्म और राज्य मामलों के विशेषज्ञ शुकी फ्राइडमैन ने कहा कि हाटोरा युद्ध और राज्य की आर्थिक स्थिति और किसी भी अन्य चीज की परवाह नहीं करते हैं, लेकिन उनके सांप्रदायिक हित हैं। इस सांप्रदायिक हित का ध्यान सेना में सेवा करने से छूट प्राप्त करना है। हालांकि माना जा रहा है कि पीएम नेतन्याहू सरकार को बचाने के लिए कोई समझौता कर सकते हैं। अगर इस्राइल की संसद भंग हो जाती है तो सरकार को कई प्रक्रियाओं से गुजरना होगा। हिब्रू विश्वविद्यालय में राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर गायिल तलशीर ने कहा कि यदि संसद भंग हो जाती है तो भी सरकार को अतिरिक्त मतदान सहित नौकरशाही की कई प्रक्रियाओं का सामना करना पड़ेगा। यह एक बंदूक की तरह होगा जिसे स्थिति में रखा गया है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है।

सूटकेस में मिला लड़की का शव, गुस्साए लोग, इलाके में तनाव के चलते फोर्स तैनात

दिल्ली, 11 जून। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के दयालपुर इलाके में पड़ोसी के घर में नौ साल की बच्ची का शव सूटकेस में बंद मिला, जिसके बाद परिवार के सदस्यों और स्थानीय लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया और नाबालिग के साथ यौन उत्पीड़न और हत्या का आरोप लगाया। कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए क्षेत्र में पुलिस और अर्धसैनिक बल के जवानों को तैनात किया गया है। पुलिस ने चार संदिग्धों को हिरासत में लिया है। पुलिस यौन उत्पीड़न समेत सभी पहलुओं की जांच कर रही है। मामले की जानकारी के बाद प्रदर्शनकारियों ने पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। भीड़ ने लापरवाही का आरोप लगाया और दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की इलाके में तनाव के कारण कई दुकानदारों को अपनी दुकानें बंद करनी पड़ीं। उनमें से कई ने कहा कि वे हिंसा से डरते हैं और प्रदर्शनकारियों के बाजार की गलियों में मौजूदगी के चलते अपनी दुकानें बंद कर लीं। इस मामले में राजनीति भी तेज हो गई है। दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री और आप नेता आतिशी ने मामले को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा है कि दिल्ली की बिगड़ती हुई कानून व्यवस्था के लिए कौन जिम्मेदार है? आतिशी ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा है कि %दिल्ली में 9 साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म और मर्डर के लिए कौन जिम्मेदार है? बिगड़ती हुई कानून व्यवस्था के लिए कौन जिम्मेदार है? भाजपा की 4 इंजन की सरकार है, फिर भी हमारी बेटियां सुरक्षित नहीं हैं? कहां हैं मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता जी? कहां हैं देश के गृह मंत्री अमित शाह जी?% उत्तर-पूर्वी दिल्ली में एक नाबालिग लड़की का खून से लथपथ सूटकेस में शव मिला है। अधिकारियों ने बताया कि शनिवार को पूर्वोत्तर दिल्ली के नेहरू विहार में एक नाबालिग लड़की की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पुलिस को शुरुआती मेडिकल जांच के आधार पर यौन उत्पीड़न का संदेह है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि दयालपुर पुलिस स्टेशन में रात 8:41 बजे पीसीआर कॉल मिलने पर एक टीम को नेहरू विहार की गली नंबर 2 में भेजा गया, जिसमें पाया गया कि लड़की के पिता ने उसे पहले ही जग प्रवेश चंद्र अस्पताल में भर्ती करा दिया था। अस्पताल में उसे मृत घोषित कर दिया गया। डॉक्टरों ने उसके चेहरे पर चोट के निशान पाए और यौन उत्पीड़न की संभावना जताई है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं और यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (क्कह्रष्टस्ह्र) अधिनियम की धारा 6 के तहत मामला दर्ज किया है। झ्रसाक्ष्य

प्रदेश के 11 जिलों में 15 नए एमएसएमई औद्योगिक क्षेत्रों की स्थापना के कार्य में तेजी लाएगी योगी सरकार

कौमी पत्रिका

लखनऊ, 11 जून। उत्तर प्रदेश को उद्यम प्रदेश के रूप में परिवर्तित कर रही योगी सरकार प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी बनाने के लिए तेजी से कदम बढ़ा रही है। इस कड़ी में प्रदेश में डिफेंस इक्विप्मेंट्स, सेमीकंडक्टर डिजाइन व मैनुफैक्चरिंग जैसी हेवी इंडस्ट्रीज से जुड़ी मैनुफैक्चरिंग यूनिट्स व क्लस्टर्स की स्थापना की जा रही है। वहीं, प्रदेश की उद्यमिता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों को भी प्रश्रय देने के लिए एमएसएमई एस्टेट्स की स्थापना की जा रही है। सीएम योगी के विजन व निर्देश के अनुसार, प्रदेश के 11 जिलों में 15 नए औद्योगिक क्षेत्रों की स्थापना के कार्य को गति देने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इसके लिए सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग ने खाका किया तैयार किया है जिसके अनुसार प्रदेश के विभिन्न जिलों में फैले इन एस्टेट्स की कुल 764.31 एकड़ क्षेत्र में स्थापना की जाएगी। यहां 872 प्लॉट्स निवेशकों के लिए अपना उद्यम स्थापित करने के लिए उपलब्ध कराया जाएगा। इससे न केवल प्रदेश में एमएसएमई सेक्टर को और मजबूती मिलेगी बल्कि प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी बनाने में मदद मिलेगी।

नए लैंड बैंक के लिए अभियान के तौर पर हो रहा काम

सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग द्वारा तैयार किए गई कार्ययोजना में इस बात का उल्लेख है कि प्रदेश में बड़े स्तर पर लैंड बैंक उपलब्ध कराने के लिए बाकायदा विभागों में अभियान के अंतर्गत प्रक्रिया जारी है। इसी कड़ी में प्रदेश में 11 जिलों में 15 एमएसएमई एस्टेट्स की स्थापना के लिए भी लैंड बैंक उपलब्ध कराए जाने की प्रक्रिया पर कार्य हो रहा है। इनके अंतर्गत, अलीगढ़ के गभाना में 116 एकड़, एटा के जलेसर में 6.8 एकड़, फिरोजाबाद के टूंडला में 19 एकड़, सिरसागंज में 10 एकड़, कानपुर देहात के अकबरपुर (कुंभी) में 59 तथा दुवारी में 172 एकड़, ललितपुर के बीघाखेत में 9.8 एकड़, पुलवारा में 44 एकड़, झरर में 8.6 एकड़ तथा महोबा में 37 एकड़ क्षेत्र में एमएसएमई औद्योगिक क्षेत्रों की स्थापना होगी। इसी प्रकार, प्रयागराज के सदर में 8 एकड़, प्रगापगढ़ के रानीगंज में 39.7 एकड़, मीरजापुर के चुनार में 35 एकड़, मऊ के सदर में 84 एकड़ तथा रायबरेली सदर में 58 एकड़ क्षेत्र में एमएमएसई औद्योगिक क्षेत्रों की स्थापना की जाएगी। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) भी एमएसएमई सेक्टर्स को बढ़ावा देने के लिए बड़ी योजना पर कार्य कर रहा है। यीडा द्वारा विकसित किए जा रहे क्षेत्र में एमएसएमई इकाइयों की स्थापना के लिए 500 एकड़ क्षेत्र आरक्षित किया है। इतना ही नहीं, गीडा द्वारा जल्द ही गौतमबुद्धनगर के ग्रेटर नोएडा स्थित सेक्टर 28 में 125 करोड़ की लागत से बनने वाले फ्लैटेड फैक्टरी कॉम्पलेक्स के निर्माण भी किया जाएगा। यह आधुनिक फ्लैटेड फैक्टरी का निर्माण किया जाएगा। फ्लैटेड फैक्टरी परिसर के निर्माण से जुड़ी प्रक्रिया भी जल्द शुरू होने जा रही है और फिलहाल मास्टर प्लान और अन्य रिपोर्ट्स के निर्माण पर काम चल रहा है। इसे 24 महीनों में पूरा किया जाएगा। यह बहुमंजिला फ्लैटेड फैक्टरी लगभग 38,665 वर्गमीटर से अधिक क्षेत्र में फैली होगी और इसमें एमएसएमई उद्यमों के लिए अत्याधुनिक सुविधा युक्त इकाइयां होंगी।

हर साल करोड़ों की फसलों और वन संपदा को चट कर रही दीमक

रंगस (हमीरपुर), 8 जून। हमीरपुर और आसपास के अधिकतर क्षेत्रों में दीमक (सीणक) दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। फसलों और घरों में लगी लक ?ी के साथ-साथ अब पे ?-पौधों को भी दीमक नष्ट कर रही है। हर वर्ष भारत में दीमक की वजह से करोड़ों रुपये की फसलों, वन संपदा, इमारती लक ?ी एवं भंडारण को नुकसान होता है। नेरी महाविद्यालय में कीट विज्ञान विभाग के एचओडी डॉ. वीरेंद्र राणा ने नेरी महाविद्यालय में दीमक की बामी का निष्कासन किया, जो मृदा के करीब तीन फुट नीचे थी। इसकी चौ ?ाई 3.8 फुट एवं बामी की चिमनियों की लंबाई लगभग तीन फुट थी। कीट विज्ञान विभाग के वैज्ञानिकों ने शोध के दौरान बामी से टरमाइट क्वीन को निष्काषित किया। बामी से निष्काषित रानी दीमक 9.85 सेंटीमीटर लंबी थी। इसकी आयु लगभग तीन वर्ष की थी, जो कि बहुत ही युवा है। दीमक की विभिन्न प्रजातियों में से मुख्य रूप से माइक्रोटर्मिस ओवैसी हिमाचल प्रदेश में पाई जाती है। वर्षा ऋतु में दीमक प्रजनन करने वाली अवस्था में विद्युत बल्ब या फिर किसी भी रोशनी की तरफ आकर्षित होती है। इसी समय उनकी प्रजनन प्रक्रिया शुरू होती है। रानी दीमक केवल अंडे देने का काम करती है। दीमक रानी एक सेकेंड में एक अंडा देती है और 5 से 25 वर्ष तक अंड निक्षेपण का कार्य करती है। इसी दौरान प्रजनन कर सकती है। दीमक के लाइफ साइकिल पर भी अध्ययन शुरू किया गया है। डॉ. राणा ने बताया कि दीमक का प्रकोप ज्यादा हो, तो आसपास की बामी को सावधानीपूर्वक खोदें और रानी दीमक को नष्ट कर दें। इसके अतिरिक्त बुवाई से पहले या बाद में क्लोरपायरीफॉस 20-ईसी का दो से तीन लीटर प्रति हेक्टेयर या फिर दो-तीन मिलीलीटर प्रति एक लीटर पानी की मात्रा से मृदा में छि ?काव किया जा सकता है। हालांकि दीमक को पूर्णत: नष्ट नहीं किया जा सकता। वहीं, इसके नुकसान के अलावा प्रकृति में इसके फायदे भी हैं, इसलिए फसलों को नुकसान से बचाने एवं संरक्षण के लिए एकीकृत तकनीक का उपयोग करना चाहिए। जहां कहीं दीमक का प्रभाव ज्यादा हो तो वहां खेतों में क्लोरपायरीफॉस का छिड़काव किया जा सकता है। खेतों में पूर्णत: स ?ी हुई खाद एवं गोबर का उपयोग करें।

मुख्यमंत्री सुक्खू बोले-हक की लड़ाई जो औरों ने नहीं लड़ी, हम लड़ेंगे

शिमला, 11 जून। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने भाजपा की पिछली सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि अधिकारों की लड़ाई जो औरों ने नहीं लड़ी हम लड़ेंगे।

सीएम बोले यह लंबी लड़ाई है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट से लेकर बड़े से बड़े वकील खड़े कर रहा हूं। उन्होंने सवाल किया कि पिछली सरकार के समय किसी की हिम्मत थी कि हरियाणा को तब तक पानी नहीं देंगे, जब तक यह बीबीएमबी में हिमाचल प्रदेश की हिस्सेदारी का एफिडेविट नहीं देते। उन्होंने सवाल किया कि कोई सोच सकता था कि वाइल्ड फ्लॉवर हाल वापस आएगा और आज वाइल्ड फ्लॉवर हाल वापस आ गया है। यह नंबर वन प्रॉपर्टी है, जिस पर अब पौने दो करोड़ रुपये महीने के लिए जा रहे हैं। वाइल्ड फ्लॉवर हाल से 23 साल से हिमाचल प्रदेश को एक भी पैसा नहीं मिला। पिछली बार डबल इंजन की सरकार थी और जयराम का इंजन साइलेंस में था। वहां से हुकम आता था, तब हिम्मत होती थी। बुधवार को अपने फेसबुक पेज पर एक वीडियो को साझा कर सीएम ने भाजपा पर हमलावर बयान दिया। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार के समय यह बातें किसी ने नहीं सुनी थीं, जो इस सरकार के समय उठाई जा रही हैं। सीएम बोले मैं कुछ अपने लिए नहीं कर रहा हूं। मुख्यमंत्री होने के नाते प्रदेश की जनता के अधिकारों की लड़ाई लड़ रहा हूं। यह संपदा उस जनता की है, जिसका दोहन इन लोगों ने किया। पिछली सरकार तो राम-राम सरकार थी, जिसने कोई काम नहीं किया। प्रदेश की संपदा को लुटाया। पांच साल मजे में लुटाए। हम फैसले कर रहे हैं। यह भी फैसले ले रहे हैं कि कैसे प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाया जाए और उस दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने पूछा कि क्या पिछली सरकार के समय किसी की यह पूछने की हिम्मत होती थी कि धौलासिद्ध, लूहरी, सुन्नी परियोजनाएं मुफ्त में बांट लीं। हमने कहा कि हम ऐसे नहीं देंगे। सीएम ने कहा मेरी कोई संपदा नहीं है। प्रदेश के लोगों की संपदा है और इसे बचाना है। अगर मेरा व्यक्तिगत कोई भी हित होता तो मैं बोलता कि पांच साल का टेन्योर है। आज का सोचकर नीतिगत फैसला करता हूं, जिससे प्रदेश का हक न मरे। कोई सोच सकता था कि शराब के ठेकों से राजस्व में 500 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी होगी। मुझे पिछली सरकार के ठेके रिन्यू करने के लिए सभी ठेकेदार मिले। उन्होंने कहा कि रिन्यू कर दो। मैंने कहा कि नहीं यह प्रदेश की संपदा है, नहीं बिकने देंगे। यह पैसा हमारा नहीं है। यह जनता का पैसा है। किसान, युवा, महिला, अनाथ बच्चों और विधवाओं के बच्चों के जो अधिकार हैं, उन्हें हम दे रहे हैं।

बेटी का रिश्ता तुड़वाने की कोशिश की

रायबरेली, 11 जून। यूपी के रायबरेली में रविवार को पुलिस ने किसान की हत्या का खुलासा कर दिया। एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि मृतक ने उसकी बेटी का रिश्ता तुड़वाने की कोशिश थी। वह बदला लेना चाहता था। इसके लिए फावड़े से वार करके उसकी हत्या कर दी थी। घटना महराजगंज कोतवाली क्षेत्र के कपूरपुर गांव की है। यहां तीन जून को खेत पर लगे ट्यूबवेल पर हलोर गांव निवासी तेज बहादुर वर्मा की हत्या कर दी गई थी। पुलिस अधीक्षक डॉ यशवीर सिंह ने हत्या के खुलासे के लिए कई टीमों का गठन किया था।

NAME CHANGE
I hitherto known as RAJWATI alias KM RAJNI W/O JITENDRA KUMAR R/O HOUSE NO- 1045, SIHANI NOORNAGAR, PO: MEERUT ROAD DISTRICT GHAZIABAD UTTAR PRADESH-201003, have changed my name and shall hereafter known as KM RAJNI.

NAME CHANGE
I, MANISH KUMAR S/o DEVENDER KUMAR R/o J-12-13, Jahangir Puri, N.S. Mandi, North West Delhi, Delhi-110033, have changed the name of my minor son GEETANSH alias GEETANSH GUPTA aged 17 years and he shall hereafter be known as GEETANSH GUPTA.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Ram Lagan Pal S/O: Daya Ram Pal, R/O 102, GALI NO-3, NEAR GOVT DISPENSARY, KARKARDOOMA VILLAGE, Karkardooma, East Delhi, Delhi-110092, declare that name of mine,my wife and my minor son has been wrongly written as Ramlagan Pal,Ambika and Deepak in my minor son namely Deepak Pal aged 17 years in his 10th class educational document,The actual name of mine ,my wife and my minor son are Ram Lagan Pal,Ambika Pal and Deepak Pal,which may be amended accordingly.

सार्वजनिक सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्रीमती हरवती यादव पत्नी श्री उदल सिंह, निवासी पोकेट ए3, 76बी, बालक नाथ मंदिर, सेक्टर 71, जागृति अपार्टमेन्ट, नोएडा, गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश 201301, एक आवासीय प्लाट, क्षेत्रफल 174 वर्गगज, खसरा संख्या 81 × 82, स्थित ग्राम सरफाबाद, परगना व तहसील दादरी, जिला गौतमबुद्धनगर, उत्तर प्रदेश, के मालिक व काबिज बिक्री पत्र दिनांक 19.07.2008, क्रमांक 2361, बुक संख्या 1, जिल्द संख्या 1260, पृष्ठ 713-728, सब रजिस्ट्रार 1, नोएडा, द्वारा मालिक व काबिज है। कथित संपत्ति भार मुक्त है, न किसी प्राधिकरण द्वारा अधिगृहित है न ही कोई मामला किसी न्यायालय मे लंबित है। उपरोक्त कथित आरिजनल बिक्री पत्र दिनांक 19.07.2008, क्रमांक 2361 कही खो गया, जिसके बावत खोने की रपट थाना सेक्टर 113, नोएडा मे दिनांक 14.01.2025 को दर्ज है। कथित प्रोपर्टी पर फलेट बनाकर, मेरे मुव्विकल, योगेश गुप्ता पुत्र विष्णु गुप्ता को फलेट संख्या 302, बेच रहे है जो आधार हाउसिंग फाइनेन्स लि0, शाखा निठारी, सेक्टर 31, नोएडा, उत्तरप्रदेश, के द्वारा फाइनेन्स किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त कथित दस्तावेज मिले या सम्पत्ति के सबंध में कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षरी या आधार हाउसिंग फाइनेन्स लि0 के समक्ष इस प्रकाशन के 7 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति उचित कागजात के साथ रखे / संपर्क करे, अन्यथा कथित सम्पत्ति के संबंध में दावा अवैध व व्यर्थ माना जायेगा।

रूपेश कुमार रौशन अधिवक्ता
डी-803, नन्दग्राम,
गाजियाबाद, उ0 प्र0 201003
roushan.rupesh@gmail.com

NAME CHANGE
I PRIYAVANSH ANAND S/O VIRENDER KUMAR ANAND R/O 3905 FOURTH FLOOR, DLF PHASE-IV PARK, GURGAON-122002 HAVE CHANGE MY MINOR SON NAME RHYTHM TO RHYTHM ANAND FOR ALL PURPOSE

NAME CHANGE
I, BASEER AHMAD S/O RAHEEM BAKASH, residing at H NO-1057 STREET NO 35, JAFRABAD, Delhi, 110053. have changed my name to BASHIR AHMAD for all future purpose

NAME CHANGE
I, HAROON AHMAD W/O BASHIR AHMAD, residing at H NO-1057 STREET NO 35, JAFRABAD, Delhi, 110053. have changed my name to HOORAN BEGUM for all future purpose

NAME CHANGE
I Parvesh Kumar Mann S/o Raj Singh Mann R/o H.No-1984, Near Post Office, Ali Pur, Alipur, North West Delhi, Delhi-110036 have changed the name of my minor son Karan aged 14 years and he shall hereafter be known as Karan Mann.

NAME CHANGE
I Parvesh Kumar Mann S/o Raj Singh Mann R/o H.No-1984, Near Post Office, Ali Pur, Alipur, North West Delhi, Delhi-110036 have changed the name of my minor son Yuvraj aged 8 years and he shall hereafter be known as Yuvraj Mann.

PUBLIC NOTICE
BE IT KNOW TO ALL CONCERNED THAT MY CLIENT MRS. SURJA DEVI W/O LATE SH. DEVINDER KUMAR PERMANENT R/O GRAAM: JAKHAULIA, POST: BANKOTA, BUDAUN, U.P.-202526 PRESENTLY RESIDING AT B-26, THIRD FLOOR, TAGORE GARDEN EXTENSION, WEST DELHI, DELHI-110027 HEREBY DECLARE THAT SHE HAVE EXPELLED, DISOWNED AND DISINHERITED HER SON NAMELY MR. SOMENDRA SINGH DUE TO HIS MISBEHAVIOUR, FROM HER ALL MOVABLE, IMMOVABLE PROPERTIES WHATSOEVER / WHEREVER SITUATED & BANK DEPOSITS ETC. SHE HAVE ALSO RELEASED ALL HER RELATIONS WITH HER ABOVE MENTIONED SON, FOR ALL INTENTS AND PURPOSES. MY SAID CLIENT ALSO HEREBY DECLARE THAT SHE SHALL NOT BE RESPONSIBLE FOR ANY OF ACTS AND OMISSIONS OF HER ABOVE MENTIONED SON FROM HERETO. ANYBODY DEALING WITH HER ABOVE MENTIONED SON, SHALL DO SO AT HIS/HER/ THEIR OWN PERIL.

ADVOCATE GULSHAN CHANANA
Office: 11/80, Ground Floor, Subhash Nagar, New Delhi-110027

NAME CHANGE
I hitherto known as Nassar Hussain S/O Manzoor Ahmed, R/O 1307, Zeenat Mahal, Farash Kahna, Chandni Chowk, North Delhi, Delhi-110006, have changed my name and shall hereafter be known as NASSIR HUSSAIN.

NAME CHANGE
I, hitherto known as PARMOD KUMAR GUPTA alias PRAMOD KUMAR S/O CHHANGA MAL R/O 21/20, SHAKTI NAGAR, BLOCK-21, NEAR AGGARWAL DHARMSHALA, SHAKTI NAGAR, MALKA GANJ, NORTH DELHI, DELHI-110007 have changed my name and shall hereafter be known as PRAMOD KUMAR.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Kumari Meena W/o Om Prakash R/o House No-E-139/3, Rajinder Prasad T-huts, Dilshad Garden, Jhilmil, East Delhi, Delhi-110095 declare that name of mine has been wrongly written as Meena Devi in my minor daughter Tripti aged 13 years in her School Records and birth Certificate No-MCDOLIR-0111-004875180. The actual name of mine is Kumari Meena.

NAME CHANGE
I, MD Arif Hossain Father of No-4588334W Rank-L/NK Name-Azaharuddin residing at Vill. Bagpul, PO-Joypul, Tehsil-Barasat, Distt.North 24 P.G.S., West Bengal-743234 have changed my name from MD Arif Hossain to Arif Hossain Mondal vide affidavit dated 11.06.2025, executed before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, Asha Amrut Sansare Mother of No-4580889H, Rank-HAV Name-Sansare Ravindra Amrut residing at VPO-Deolali Pravara, Tehsil-Rahuri, District Ahilyanagar (Ahmednagar), Maharashtra-413716 have changed my name from Asha to Asha Amrut Sansare vide affidavit dated 11.06.2025, executed before Notary Public, Delhi.

सार्वजनिक सूचना
यह आम जनता को सूचित किया जाता है कि इंडियन फार्मर कॉन्वेंट स्कूल के प्रबंधक श्री मनोज कुमार मयंक पुत्र श्री राम नाथ तथा स्वयं श्री मनोज कुमार मयंक पुत्र श्री राम नाथ, खसरा संख्या 687, ग्राम-बड़ागांव, परगना एवं तहसील-फतेहपुर, जनपद-बाराबंकी, उत्तर प्रदेश स्थित कुल 0.180 हेक्टेयर (0.060 + 0.120 हेक्टेयर) गैर-कृषि भूमि के स्वामी हैं। उक्त संपत्ति का स्वामित्व निम्नलिखित दो विक्रय विलेखों के माध्यम से स्थापित है-
विक्रय विलेख दस्तावेज संख्या 2392, पुस्तक संख्या 01, खंड संख्या 249, पृष्ठ संख्या 103-118, दिनांक 23.10.2000, पंजीकृत उप-पंजीयक कार्यालय, फतेहपुर and विक्रय विलेख दस्तावेज संख्या 149, पुस्तक संख्या 01, खंड संख्या 1572, पृष्ठ संख्या 329-348, दिनांक 08.01.2008, पंजीकृत उप-पंजीयक कार्यालय, फतेहपुर, बाराबंकी। इंडियन फार्मर कॉन्वेंट स्कूल के प्रबंधक श्री मनोज कुमार मयंक पुत्र श्री राम नाथ तथा स्वयं श्री मनोज कुमार मयंक ने उक्त संपत्ति को यूनिटी स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड, पता- 102 स्काई हाई, पार्क रोड, हज़रतगंज, लखनऊ, उत्तर प्रदेश - 226001 के पक्ष में ऋण/क्रेडिट सुविधा के लिए गिरवी रखा है। उक्त संपत्ति पर यूनिटी स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड का ऋणभार वर्तमान में भी कायम है। यदि किसी व्यक्ति को संबंधित संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया नोटिस की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति को पंजीकृत डाक के माध्यम से निम्नलिखित पते पर और ई-मेल के माध्यम से भेजा जा सकता है। यदि ऐसा नहीं किया जाता है, तो उपर्युक्त के अनुसार दावा को संबंधित संपत्ति के संबंध में शून्य और अमान्य माना जाएगा।

[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

(BEDAKHAL)
I, SUBHASH son of SHYAM SINGH declare as under that I disowned my two Son`s PARVEEN CHAUDHARY his wife KAVITA and 2nd Son AMIT CHAUDHARY his wife KAJAL from my all movable/immovable/Patrick properties/assets for his wrong behaviour. I shall not be held responsible for any kind of acts done by both money or transactions and police cases and criminal activity illegal/legal and property purposes in the future. That both debarred from entering my premises situated at 108, RAGHUVEER GALI, MANDAWALI, FAZALPUR, DELHI-110092.

NAME CHANGE
It is for general information that I, MANISH S/o RUPESH R/o A - 409, Gauri Shankar Enclave, Prem Nagar-3, Kirari Suleman Nagar, North West Delhi, Delhi - 110086 declare that name of mine and my Father has been wrongly written as MANISH TIWARI and ROOPESH KUMAR in my 10th and 12th Class Educational Documents. The actual name of mine and my Father are MANISH and RUPESH which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
My client Ashok Kumar Shakya S/o. Lt. Sh. Darwari Lal Shakya R/o. 207B, Ambedkar Colony, Bijwasan, New Delhi 110061 has disown and disinherit his son Ratnankar Shakya @Ankur from all their movable and immovable properties because he is continuously indulging in irresponsible and unethical activities, including borrowing money and taking loans from various people without our knowledge. My client has severed all his relations with his son. From this date onwards, neither my client nor any member of family shall be responsible for his debts, liabilities, or actions.

Shilankar Shakya Advocate
CHAMBER NO. 558, LAWYERS BLOCK, SAKET COURT COMPLEX, NEW DELHI-110017

NAME CHANGE
I,YASMIN BEGAM W/o MOHD TAHIR KHAN R/o A-518 GALI NO-9 MOONGA NAGAR DELHI - 110094 have changed my name to YASMIN TAHIR KHAN for all future purpose.

NAME CHANGE
I,MEHMUDAN W/o RAIS AHMAD R/o A-518 GALI NO-9 KARAWAL NAGAR ROAD MOONGA NAGAR MUSTAFABAD DELHI -110094 have changed my name to MAHMUDAN for all future purpose.

NAME CHANGE
I hitherto known as DHRUV KUMAR S/O NIRANJAN SINGH R/O C-227, GALI NO 10, MUKUND VIHAR, KARAWAL NAGAR, NORTH EAST DELHI, DELHI-110094 have changed my name and shall hereafter be known as VISHAL.

NAME CHANGE
I, RAJU S/O TAJPAL SINGH SAINI R/O H.NO-80, GALI NO-12, DHIRPUR VILLAGE, NORTH WEST DELHI, DELHI-110009 have changed the name of my minor daughter PRIYANSHI aged 13 year and she shall hereafter be known as PRIYANSHI SAINI.

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mrs. Sushma Devi W/o Mr. Budhi Ram is the owner of Freehold Residential Entire Property No. C-138, Old Plot no. 78, area admeasuring 100 sq. yds., out of Khasra no. 592, Situated at Block-C, Gali no. 3 Colony- Janki Puri, Village-Bindapur, Uttam Nagar, New Delhi. by virtue of Mrs. Sushma Devi W/o Mr. Budhi Ram, now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and the Same property which is to be sold to Mrs. Mala Chaudhary and same has been financed by Piramal Capital & Housing Finance Ltd Branch: Dwarka, New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Nirmal Datta D/o Beli Ram Bali W/o Raj Kumar Datta R/o C-155, Pushpanjali Enclave, Pitam Pura, Delhi-110034 declare that name of mine and my husband has been wrongly written as Nirmala Dutta and Raj Kumar Dutta in my Aadhar Card No-2097 9304 2968. The actual name of mine and my husband are Nirmal Datta and Raj Kumar Datta respectively.

सार्वजनिक सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी मुवक्किला श्रीमती बर्फी देवी पत्नी श्री लक्ष्मी नारायण पता नीयर गली नम्बरदार रघुबीर, कांगनहेडी, नई दिल्ली-110071 ने अपने पुत्र ललित यादव व पुत्रवधु श्रीमती अंजली उर्फ अंजली यादव, को उनके दुर्व्यवहार, लडाई झगडा करने व नियन्त्रण से बाहर होने के कारण उनसे अपने सभी रिश्ते / सम्बन्ध समाप्त कर लिये है तथा अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिये है भविष्य में उपरोक्त पुत्र व पुत्रवधु के द्वारा किये गये किसी भी कृत्य, लेन-देन या मुकदमें बाजी के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होगा और जो उससे लेन-देन करेगा व वह भी स्वयं जिम्मेदार होगा, मेरे मुवक्किल व उसके परिवार के अन्य सदस्यों की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

जय प्रकाश सिंह अधिवक्ता
चैम्बर नं0 534, जिला न्यायालय, द्वारका कोर्ट, द्वारका, नई दिल्ली 110075

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Sachin Mushahary S/O Nirmal Kumar Mushahary , R/O Present Adress- Hno 209-C ,second floor, DDA LIG FLATS, Satyam Enclave, Jhilmil, Shahdara, delhi 110095, Permanent Address - No.2 Amguri, Po: Ranchaidham, DIST: Chirang, Assam-783372 , declare that name of mine and my minor daughter has been wrongly written as Sachin Muchahary and Holy Muchahary in my minor daughter namely Holy Mushahary aged 14 years in her school records .The actual name of mine and my minor daughter are Sachin Mushahary and Holy Mushahary , which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
It is for general information that I, VINAY KUMAR S/o CHANDRA PURSWANI R/o PT-62/9, 2nd Floor, Near Kalkaji Post Office, Kalkaji Extn. Kalkaji South Delhi, Delhi - 110019, declare that name of my wife has been wrongly written as HARSHA PURSWANI in my minor Daughter's Namely HEMANYA PURSWANI aged 16 Years in her 10th Class Educational Documents. The actual name of my wife is HARSHA VISHNANI, which may be amended accordingly.

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री सौरभ महाजन, संपत्ति संख्या 1/7458, क्षेत्रफल 77.5 वर्ग गज, खसरा संख्या 219 मिन में से, जो शिवाजी पार्क, इलाका शाहदरा, दिल्ली-110032 की आबादी में गांव बाबापुर में स्थित है के मालिक हैं। प्रारंभ में श्री देशबंधु शर्मा ने उक्त संपत्ति श्रीमती जग्गो देवी से बिक्री विलेख दिनांक 10.07.1970, (दस्तावेज संख्या 4880) के तहत खरीदी थी, जिन्होंने उक्त संपत्ति श्री टिकन लाल महाजन को बिक्री विलेख (उर्दू से हिंदी में अनुवाद) दिनांक 17.07.1971 (दस्तावेज संख्या 11359) के तहत बेच दी, जिनकी मृत्यु उनके कानूनी उत्तराधिकारी श्रीमती राज रानी महाजन, श्री रवि चंद महाजन, श्रीमती आशा महाजन, श्री शशि कांत महाजन और श्रीमती किरण महाजन को छोड़कर हुई। बाद में त्याग विलेख दिनांक 03.11.2001 को श्रीमती राज रानी महाजन, श्री रवि चंद महाजन, श्रीमती आशा महाजन, श्री शशि कांत महाजन और श्रीमती किरण महाजन द्वारा उक्त संपत्ति के संबंध में श्री विजय महाजन के पक्ष में निष्पादित किया गया (दस्तावेज संख्या 2363)। जिनकी मृत्यु कानूनी उत्तराधिकारी श्रीमती प्रीति नंदवानी, श्रीमती निधि महाजन, श्री सौरभ महाजन और श्रीमती ललिता को छोड़कर हुई। बाद में त्याग विलेख दिनांक 22.01.2016 को (1) श्रीमती प्रीति नंदवानी, (2) श्रीमती निधि महाजन और (3) श्री सौरभ महाजन द्वारा उक्त संपत्ति के संबंध में श्रीमती ललिता के पक्ष में निष्पादित किया गया। (दस्तावेज संख्या 327)। जिनकी मृत्यु उनके कानूनी उत्तराधिकारी श्रीमती प्रीति नंदवानी, श्रीमती निधि महाजन और श्री सौरभ महाजन को छोड़कर हुई, बाद में उक्त संपत्ति के संबंध में श्री सौरभ महाजन के पक्ष में श्रीमती प्रीति नंदवानी और श्रीमती निधि महाजन द्वारा दिनांक 06.02.2025 को त्याग विलेख निष्पादित किया गया, (दस्तावेज संख्या 2024/23/1/941) जिसे सुधार विलेख दिनांक 29.05.2025 के साथ पढ़ा जयेगा, दस्तावेज संख्या 2025/23/1/4209 और मूल बिक्री विलेख दिनांक 13.07.1970 को श्रीमती जग्गो देवी द्वारा उक्त संपत्ति के संबंध में श्री देशबंधु शर्मा के पक्ष में निष्पादित, दस्तावेज संख्या 2382 खो गया था, जिसकी विधिवत पुलिस स्टेशन पी.एस. अपराध शाखा, दिल्ली एलआर संख्या- 2906821/2025 पुलिस शिकायत के अनुसार दिनांक 10.06.2025 को रिपोर्ट की गई थी। यदि किसी को यह मिल जाए तो वह नीचे दिए गए हस्ताक्षरकर्ता को वापस कर सकता है और यदि इसका दुरुपयोग किया जाता है तो यह उसके अपने जोखिम पर होगा और एक उर्दू डीड दिनांक 17.07.1971, दस्तावेज़ संख्या 11359 लेमिनेटेड है कि मेरा ग्राहक आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड को अपनी वास्तविक आवश्यकताओं के लिए उक्त अचल संपत्ति को बंधक रखने का इरादा रखता है। जिस किसी को भी उक्त बंधक पर कोई आपत्ति है या किसी के पास संपत्ति में दावा, अधिकार या हित है, वह 07 दिनों के भीतर आपत्ति के साथ नीचे दिए गए हस्ताक्षरकर्ता से संपर्क करे, अन्यथा यह माना जाएगा कि कोई आपत्ति नहीं है।

नई दिल्ली
दिनांक: 10/6/2025

प्रज्ञा भूषण वकील
Enrl No. D/721/02
कार्यालय: L-27,GF, कैलाश कालोनी,
नई दिल्ली-48 Mob: 9968006418

NAME CHANGE
I, MOHAMMAD NASEEM AHMAD S/o AKHATAR HASAN R/o VILLAGE BAGOWALI, MUZAFFARNAGAR, UTTAR PRADESH-251001, have changed my minor son name from MOHAMMAD FAWAZ NASEEM, to MOHAMMAD FAWAZ for all future purpose.

NAME CHANGE
I, MOHAMMAD NASEEM AHMAD S/o AKHATAR HASAN R/o VILLAGE BAGOWALI, MUZAFFARNAGAR, UTTAR PRADESH-251001, have changed my minor daughter name from FATIMA MOHAMMAD NASEEM AHMAD to FATIMA NASEEM for all future purpose.

NAME CHANGE
I, MOHAMMAD NASEEM AHMAD S/o AKHATAR HASAN R/o VILLAGE BAGOWALI, MUZAFFARNAGAR, UTTAR PRADESH-251001, have changed my minor son name from MOHAMMAD FARAN NASEEM to MOHAMMAD FARHAN for all future purpose.

NAME CHANGE
I, MOHAMMAD NASEEM AHMAD S/o AKHATAR HASAN R/o VILLAGE BAGOWALI, MUZAFFARNAGAR, UTTAR PRADESH-251001, have changed my minor daughter name from NOZAT NASEEM to NUZHAT NASEEM for all future purpose.

NAME CHANGE
I, ANJUM PRAVEEN W/o MOHAMMAD NASEEM AHMAD R/o VILLAGE BAGOWALI, MUZAFFARNAGAR, UTTAR PRADESH-251001, have changed my name to ANJUM PRVEEN for all future purpose.

NAME CHANGE
I, YASH PAL SINGH YADAV S/O RAM CHANDER R/O F-91, PHASE-1, SECTOR-110, NEW PALAM VIHAR, NEAR BAJGHERA CHOWK, GURGAON, HARYANA-122017, HAVE CHANGED MY NAME TO YASHPAL YADAV FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE
I, DHANWATI W/o SHRI VEERPAL R/o H. No. – 164/A, GALI NO-15 PHASE – 06, SHIV VIHAR, KARAWAL NAGAR, NORTH EAST DELHI – 110094, have changed my name from Dhanwati Patawa to Dhanwati for all future purposes.

NAME CHANGE
I, MANISHA RANI PATRO wife of JC-386422L, Rank-SUB Name-LOKANATH PATRO residing at BRAHMA NAGAR, 3RD LANE, BERHAMPUR, DISTT-GANJAM, ODISHA-760001, have changed my name from MANISHA RANI PATRO to MANISHA RANI MAHAPATRA for all future purposes vide Affidavit dated 11/06/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, Rakhi kumari D/O Prabhunath Singh W/O Kishor Singh R/O Flat no 504 D-1 5th floor Express Park View 10-B Sec-CH-5 Greater Noida Gautam Budha Nagar Uttar Pradesh 201312 Have changed my name of my minor son Abhinav to Abhinav Singh for all the future purposes.

NAME CHANGE
I, Pooja D/O Ram Prakash Khosla W/O Soman Kuttu R/O M-32, 2ND Floor, South CITY-I, Sector-41 Gurgaon Haryana 122001 have changed my name to Pooja Kuttu for all the future purposes.

RAMGARHIA CO-OPERATIVE BANK LTD.,
¼ Desh Bandhu Gupta Road, Pahar Ganj, New Delhi – 110 055.

SYMBOLIC POSSESSION NOTICE [SECTION 13(4)
(For Immovable property)

Whereas :
The undersigned being the Authorised Officer of the **Ramgarhia Co-operative Bank Ltd.** under Securitization And Reconstruction of Financial Assets and Enforcement of Security Interest Act, 2002 (Act 54 of 2002 (hereinafter referred to as "the Act") and in exercise of powers conferred under Section 13(2) read with Rule 3 of the Security Interest (Enforcement) Rules 2002, issued a Demand Notice details given as below we had pasted the same notice on the property calling upon the Borrower/Guarantor Borrower/ Co Borrower to repay the amount mentioned in the notice, respectively within 60 days from the date of receipt of the said notice.

The borrower having failed to repay the amount, notice is hereby given to the borrower and the public in general that the undersigned has taken possession of the property described herein below in exercise of powers conferred on him / her under section 13(4) of the said Act, read with Rule 8 & 9 of the said Rule on this **11th day of June of the year 2025.**

S. No	Name of the Borrower/ Guarantor/ Borrower/Co-Borrower	Property Details	Date of issuing 13(2)	Date of issuing 13(4)	Amt as on 31/01/2025 + Intt. + Legal Charges
1.	**Sh. Raj Kumar** **Guarantor : 1. Mr. Sanjeev Bedi** **2. Mr. Rashpal Singh** **3. Mr. Raghbir Singh** **4. Ms. Inderpreet Kaur**	Flat No.24-F in Block No..Pocket J/C, Second Floor, G-8 Area, Rajouri Garden, New Delhi, duly registered vide Registration No.18525 in Book No.1, Vo. No.4200 on pages 1 to 3 on 31-10-2011 with Sub-Registrar VII, New Delhi/Delhi. (Measuring 25 Sq. Yards)	26/02/2025	22/05/2025	**Rs.4,52,660.82/- (Four Lakhs, Fifty Two Thousand Six Hundred Sixty Rupees Eighty Two Paisa Only)**

The borrower's attention is invited to the provisions of Section 13(8) of the Act, in respect of time available, to redeem the secured assets.

Authorised Representative
Phone : 011-40192447, 011-45595302

E-mail : rcbl_ho@ramgarhiabank.com

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

हरियाणा में ड्रग नेटवर्क पर शिकंजा, इस साल अब तक 1,800 से अधिक गिरफ्तार

चंडीगढ़। हरियाणा गृह विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने सभी नागरिकों से आग्रह किया है कि वे मानस हेल्पलाइन 1933 का सक्रिय रूप से उपयोग करें। यह एक चौबीस घंटे चलने वाली एक गोपनीय सेवा है, जिसे नशीले पदार्थों के खिलाफ लड़ाई में समुदाय को सशक्त बनाने के लिए डिजाइन की गई है। डॉ. मिश्रा ने बताया कि नागरिक मादक पदार्थों की तस्करी से संबंधित किसी भी जानकारी की रिपोर्ट कर सकते हैं, जिसमें नशीले पदार्थों की बिक्री, खरीद या अवैध खेती शामिल है। डॉ. मिश्रा ने इस बात पर जोर दिया कि समाज के पूर्ण सहयोग के बिना नशे के खिलाफ लड़ाई सफल नहीं हो सकती। हालांकि एनसीबी जैसी सरकारी संस्थाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, लेकिन अकेले उनके प्रयास पर्याप्त नहीं हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार हर कोण से नशे के पारिस्थितिकी तंत्र को खत्म करने के लिए संरचनात्मक, संस्थागत और डिजिटल सुधारों को मिलाकर एक समग्र सरकारी दृष्टिकोण अपना रही है। उन्होंने कहा कि आधुनिक निगरानी उपकरण जैसे कि जीआईएस-सक्षम मैपड्रग्स पोर्टल और मोबाइल ऐप का उपयोग अवैध नशीली दवाओं की खेती और तस्करी पर अधिक सटीकता से निगरानी रखने और उसके विरुद्ध कार्रवाई करने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार ने एन्फोर्समेंट फ्रंट पर कड़ी कार्रवाई की है।

अवैध गर्भपात के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश

चंडीगढ़। हरियाणा में लिंगानुपात सुधारने के लिए राज्य टास्क फोर्स (एसटीएफ) की साप्ताहिक बैठक में अवैध गर्भपात पर अंकुश लगाने और 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' अभियान के तहत राज्य के लिंगानुपात को और बेहतर बनाने के प्रयासों को तेज करने पर चर्चा हुई। यहां स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधीर राजपाल की अध्यक्षता में इस बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव राजपाल ने अवैध गर्भपात के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया। साथ ही अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि इसमें संलिप्त पाए जाने वाले डॉक्टरों के लाइसेंस रद्द करने सहित सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाए। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने अवैध गर्भपात में शामिल बीएएमएस डॉक्टरों और अयोग्य चिकित्सकों (झोलाछाप डॉक्टरों) को चिह्नित करने पर जोर दिया, खासकर करनाल, पलवल, गुरुग्राम और चरखी दादरी के 4 जिलों में। उन्होंने पलवल और करनाल के उपायुक्तों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए इस मुद्दे पर चर्चा की और उन्हें अवैध गर्भपात केंद्रों पर नकेल कसने और एमटीपी किट की अवैध बिक्री को रोकने के आदेश दिए।

अतिरिक्त निगमायुक्त से नगर पालिका कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों ने की मुलाकात

गुरुग्राम। नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के पदाधिकारियों ने अतिरिक्त निगमायुक्त यश जालुका व रविन्द्र यादव से मुलाकात की। इस दौरान संघ प्रतिनिधियों ने कर्मचारियों से संबंधित 21 सूत्रीय मांग पत्र भी सौंपा। संघ के पदाधिकारियों ने निगम कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं एवं आवश्यकताओं को विस्तार से प्रस्तुत करते हुए उनके शीघ्र समाधान की मांग की। अतिरिक्त निगमायुक्तों ने संघ पदाधिकारियों की बातों को गंभीरता से सुना और आश्वासन दिया कि कर्मचारियों की सभी मांगों पर विचार किया जाएगा तथा यथासंभव समाधान कराया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि कर्मचारियों की भलाई सरकार व नगर निगम की प्राथमिकता में है। संघ पदाधिकारियों ने दोनों अतिरिक्त निगमायुक्तों के रुख की सराहना करते हुए विश्वास जताया कि कर्मचारी हित से जुड़े मुद्दों का शीघ्र समाधान होगा। कर्मचारी संघ द्वारा सौंपे गए 21 सूत्रीय मांग पत्र में सफाई-सीवर कार्य में ठेका प्रथा समाप्त करके कर्मचारियों को रोल पर लेने, एसडब्ल्यूएम पोर्टल पर हाजरी लगाना बंद करने व नो वर्क-नो पे को वापिस लेने, दैनिक वेतन भोगी, ठेका प्रथा कार्यरत, एचकेआरएन व पार्ट-1 और पार्ट-2 के कर्मचारियों पॉलिसी बनाकर एक मुश्त पक्का करने, क्षेत्रफल व आबादी के हिसाब से कर्मचारियों के नए पद सृजित करके पक्की भर्ती करने, सफाई कर्मचारियों व सीवरमैनों की नियमित भर्ती करने, एक्सग्रेसिया पॉलिसी को सरल बनाने, मुख्यमंत्री की घोषणा अनुसार कच्चे कर्मचारियों का वेतन 27000 करने, बर्खास्त कर्मचारियों को वेतन सहित बहाल करने, छटनीग्रस्त कर्मचारियों को वापिस लेने, फायर विभाग को पुन: निकाय विभाग में शामिल करने की मांग रखी गई है।

पानीपत में किसान को जिंदा जलाने के विरोध में इनेलो ने किया प्रदर्शन

पानीपत। पानीपत के निजामपुर गांव में एक कंपनी के कर्मचारियों द्वारा जमीनी विवाद में किसान बिजेंद्र को जिंदा जलाकर मारने का मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। मृतक बिजेंद्र को न्याय दिलाने के लिए इनेलो पार्टी सड़क पर उतर आई और जोरदार प्रदर्शन किया। धरने को संबोधित करते हुए इनेलो महिला प्रदेश प्रभारी सुनैना चौटाला ने कहा कि हरियाणा में हाल ही के दिनों में कानून-व्यवस्था की स्थिति अत्यंत चिंताजनक एवं बेकाबू हो गई है। राज्य के विभिन्न जिलों में हुई हत्याएं एवं फिरोती की धमकियां एवं घटनाएं यह स्पष्ट करती हैं कि अपराधियों के जेहन में कानून का कोई भय नहीं रह गया है।

मुख्यमंत्री ने 15 विधायकों संग लिया योग का प्रशिक्षण

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा योग आयोग, हरियाणा विधानसभा एवं आयुष विभाग के संयुक्त तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस -2025 के आयोजन के निमित हरियाणा विधानसभा परिसर में योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें हरियाणा के 15 विधायकों एवं विधानसभा के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हरियाणा केमुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शिरकत की। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा और हरियाणा विधानसभा के उपाध्यक्ष कृष्ण लाल मिड्ढा उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने योग के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य योग युक्त, नशा-मुक्त और योगमय हरियाणा का निर्माण करना है। इस वर्ष देशभर में 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस एक उत्सव

की तरह मनाया जा रहा है, इसी कड़ी में हरियाणा प्रदेश में भी इसका आगाज 25 दिन पूर्व 27 मई को योग महोत्सव का आयोजन कर किया गया। उन्होंने कहा कि यह हमारे लिए सौभाग्य की बात है कि 21 जून को योग ऋषि स्वामी रामदेव के सानिध्य में गीता उपदेश स्थली ब्रह्मसरोवर, कुरुक्षेत्र पर 1 लाख से भी अधिक लोगों की भागीदारी के साथ योगाभ्यास किया जाएगा। विधानसभा के उपाध्यक्ष कृष्ण लाल मिड्ढा ने करें योग, रहें निरोग का संदेश देते हुए कहा कि हमें प्रतिदिन अपनी दिनचर्या में योग को अपनाना चाहिए। 21 जून को पूरे प्रदेशभर से लाखों नागरिक इस स्वास्थ्य अभियान का हिस्सा बनेंगे।

बेटी बचाओ सामाजिक बदलाव का अभियान है: अजय कुमार

एजेंसी

गुरुग्राम। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ सिर्फ एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि यह समाज में सकारात्मक सोच और व्यवहारिक बदलाव लाने का सशक्त माध्यम है। जब तक बेटियों को समान अधिकार, शिक्षा और सुरक्षित माहौल नहीं मिलेगा, तब तक सामाजिक विकास अधूरा रहेगा।

लिंगानुपात में सुधार तभी संभव है जब सभी विभाग मिलकर समन्वित रूप से कार्य करें और जागरूकता को जनआंदोलन में बदलें। यह बात स्वास्थ्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधीर राजपाल ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के उपायुक्तों के साथ बैठक के बाद स्थानीय अधिकारियों के साथ बैठक में जिला उपायुक्त अजय कुमार ने कही। स्वास्थ्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधीर राजपाल ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलों के उपायुक्तों के साथ अभियान की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने सभी डीसी को निर्देश दिए कि जिले में लिंगानुपात में सुधार हेतु योजनाओं

को गंभीरता से लागू किया जाए। आरसीएच पोर्टल पर पंजीकरण की निगरानी, जन-जागरूकता कार्यक्रमों की नियमितता और विभागीय तालमेल को मजबूत किया जाए ताकि हर स्तर पर अभियान के उद्देश्य पूरे हो सकें। बैठक में डीसी अजय कुमार ने स्पष्ट किया कि बिना आरसीएच आईडी के किसी भी अस्पताल या अल्ट्रासाउंड केंद्र द्वारा गर्भवती महिला का अल्ट्रासाउंड किया जाना नियमों का उल्लंघन है। ऐसे संस्थानों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। बैठक में विभिन्न विभागों और सामाजिक संगठनों द्वारा चलाए गए जागरूकता अभियानों, स्वास्थ्य शिविरों, प्रेरक कार्यक्रमों और खेल गतिविधियों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। डीसी अजय कुमार ने इन प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि सामूहिक प्रयासों से ही बेटियों का भविष्य उज्जवल और सशक्त बनाया जा सकता है।

विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी : विक्रम सिंह

एजेंसी

फरीदाबाद। जिला उपायुक्त विक्रम सिंह की अध्यक्षता में लघु सचिवालय के सभागार में मुख्यमंत्री घोषणाओं के अंतर्गत फरीदाबाद जिले में घोषित हुई तथा चल रही विकास परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा हेतु एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्वास्थ्य, शिक्षा, खेल, एफएमडीए, लोक निर्माण विभाग, नगर निगम सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान डीसी विक्रम सिंह ने सभी विभागों को निर्देश दिए कि वे अपनी-अपनी लंबित परियोजनाओं की अद्यतन रिपोर्ट शीघ्र प्रस्तुत करें। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि यदि किसी विभाग का कार्य बिना किसी वैध कारण के लंबित पाया गया, तो संबंधित अधिकारी के विरुद्ध मुख्यालय को कार्रवाई की संस्तुति भेजी जाएगी। उपायुक्त ने छांयसा स्थित अटल

बिहारी वाजपेयी मेडिकल कॉलेज में आईपीडी सेवाओं की प्रगति, प्रमुख सड़कों के चौड़ीकरण और मरम्मत कार्यों, तथा नाहर सिंह क्रिकेट स्टेडियम के नजदीक पैरा स्पोर्ट्स सेंटर की बनाने, जेसी बोस विवि परिसर के नए परिसर संबंधित अपडेट, सुरूरपूर लिंक रोड निर्माण, पल्ला सेहतपूर सड़क चौड़ीकरण जैसी महत्वपूर्ण घोषणाओं की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से कहा कि इन परियोजनाओं में किसी भी प्रकार की शिथिलता को गंभीरता से लिया जाएगा। डीसी ने यह भी स्पष्ट किया कि जिन परियोजनाओं के लिए उच्च स्तर से अनुमोदन या स्वीकृति आवश्यक है, वे मामले तुरंत जिला प्रशासन के संज्ञान में लाए जाएं, ताकि राज्य या केंद्र स्तर पर आवश्यक कार्रवाई समयबद्ध रूप से सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा कि जनता को मुख्यमंत्री घोषणाओं से सीधे लाभ दिलाना प्रशासन की शीर्ष प्राथमिकता है। डीसी विक्रम सिंह ने सभी विभागाध्यक्षों से कहा कि वे अपनी जिम्मेदारियों को गंभीरता से लें और आगामी समीक्षा बैठक से पूर्व सभी लंबित कार्यों की स्थिति रिपोर्ट प्रशासन को प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित करना प्रत्येक अधिकारी का कर्तव्य है। बैठक में सीटीएम अंकित कुमार, एसीपी राजीव कुमार सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

नारनौल में कर्मचारियों ने प्रदर्शन कर सौंपा मांग पत्र

एजेंसी

नारनौल। हरियाणा गवर्नमेंट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन ने नारनौल में प्रदर्शन कर नांगल चौधरी की विधायक मंजू चौधरी को मांग पत्र सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से कर्मचारियों ने उनकी मांगों को विधानसभा में सरकार के समक्ष उठाने की अपील की है। यूनियन के जिला प्रधान रमेश चन्द्र यादव की अध्यक्षता में दिए गए ज्ञापन में मुख्य मांगें हरियाणा कौशल रोजगार निगम, टर्म, आवंटी, दैनिक भोगी, पंचायत के अधीन, व अन्य सोर्स कर्मचारियों को 2024 अधिनियम के तहत नौकरी सुरक्षा देने की मांग की है। उन्होंनें कर्मचारियों को 2020, से 2023 तक कि एलटीसी दी जाए। हरियाणा कौशल रोजगार निगम पर 31 मार्च 2022 कि बजाय जुलाई 2022 से चढ़ाया जाए। केंद्र के समान सभी वेतन व भत्ते लागू किए जाएं। 2016 से बकाया एचआरए का भुगतान किया जाए। ड्यूटी के दौरान दुर्घटना होने पर 30 लाख रुपए मुआवजा दिया जाए व परिवार के सदस्य को नौकरी दी जाएं। मेडिकल कैशलेस कि सुविधा पूर्ण रूप से लागू की जाए। आश्रितों को जोड़ा जाएं, कैश लैस मैडिकल सुविधा उन हरियाणा कौशल रोजगार निगम कर्मचारियों पर भी लागू कि जाएं, जो की ईएसआई के दायरे से बाहर है। ज्ञापन देने वालों में पूर्व केंद्रीय संगठन सचिव राधेश्याम शर्मा, जिला उप प्रधान दिलिप कुमार, जिला प्रेस सचिव रामशरण यादव, उप प्रधान रामचंद्र शर्मा, कौशल के प्रधान शेर सिंह आदि शामिल रहे।

जिला में बेसहारा पशुओं की देखभाल हेतु डीसी की अध्यक्षता में समिति की बैठक हुई

एजेंसी

फरीदाबाद। जिला उपायुक्त विक्रम सिंह की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें बेसहारा पशुओं की देखभाल एवं उनके रख-रखाव को लेकर गहन चर्चा की गई। बैठक में डीसी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जिले में यदि कोई भी बेसहारा पशु सड़कों, मुख्य मार्गों या सार्वजनिक स्थानों पर घूमता पाया जाता है, तो उसे नियमानुसार चिन्हित स्थलों या गो-आश्रय स्थलों पर पहुँचाया जाए। उन्होंने कहा कि बेसहारा पशुओं की खुले में आवाजाही से सड़क दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है, जिससे पशुओं के साथ-साथ आम नागरिकों की सुरक्षा को भी खतरा उत्पन्न होता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि वे जिले की सभी ग्राम पंचायतों में ऐसे स्थलों की पहचान करें जहाँ स्थायी गोशालाओं का निर्माण किया जा सके। इस प्रक्रिया में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, पंचायती राज संस्थाओं एवं पशुपालन

विभाग का सहयोग सुनिश्चित किया जाए। उपायुक्त ने यह भी कहा कि प्रशासन की प्राथमिकता पशु कल्याण के साथ-साथ जन सुरक्षा सुनिश्चित करना है। उन्होंने संबंधित विभागों को सख्ती से दिशा-निर्देशों का पालन करने और निर्धारित समय-सीमा में आवश्यक कार्यवाही पूरी करने के निर्देश दिए। इस बैठक में एसडीएम फरीदाबाद अमित गुलिया, एसडीएम बल्लभगढ़ मयंक भरद्वाज, नगर निगम संयुक्त आयुक्त गजेंद्र सिंह, सीटीएम अंकित कुमार तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

पानीपत में चल रहे फर्जी अस्पतालों पर सीएम फ्लाइंग का छापा, सामान जब्त

एजेंसी

पानीपत। पानीपत में दो फर्जी अस्पतालों का भंडाफोड़ हुआ है। सीएम फ्लाइंग टीम और स्वास्थ्य विभाग की टीम ने इन पर रेड मारी। इस दौरान मौके से फर्जी डॉक्टरों और स्टाफ को पकड़ा गया है। जांच में पता चला है कि ये अस्पताल कई सालों से चल रहे थे। टीम को अस्पतालों में कई मरीज भी मिले, जिनका इलाज चल रहा था। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने इन मरीजों को निगरानी में ले लिया है।

मौके से बड़ी मात्रा में दवाइयां और अन्य चिकित्सा उपकरण भी बरामद किए गए हैं। फिलहाल, टीम की कार्रवाई जारी है।जानकारी के अनुसार, स्वास्थ्य विभाग और सीएम फ्लाइंग टीम की यह रेड शहर के बीचों-बीच मॉडल टाउन में चल रहे दो अस्पतालों पर हो रही है। इनमें एक अस्पताल तो बच्चों का स्पेशलिस्ट बना हुआ है। जाटल रोड

स्थित देव ईएच क्लिनिक नाम के इस फर्जी अस्पताल के बाहर एक बोर्ड लगा हुआ है, जिस पर लिखा है कि हमारे यहां बच्चों और बड़ों की हर प्रकार की बीमारियों का इलाज किया जाता है दूसरा अस्पताल 8 मरला स्थित एसके क्लीनिक है। इसमें भी फर्जी डिग्रियों के आधार पर मरीजों का इलाज किया जा रहा था। मरीजों को आकर्षित करने के लिए इन अस्पतालों ने हथकंडे अपनाए हुए थे। देव अस्पताल में एक बोर्ड लगाया हुआ था, जिस पर रोहतक क्लद्ध के पूर्व रजिस्ट्रार डॉ. अरूण महला का भी नाम लिखा हुआ है। बोर्ड पर दावा किया गया है कि डॉ. महला नवजात शिशुओं के स्पेशलिस्ट हैं और अस्पताल में इलाज भी करते हैं।इनके अलावा 4 और अन्य स्पेशलिस्ट डॉक्टरों के पैनल को अस्पताल से जुड़े होने का दावा किया गया है। टीम ने जब यहां रेड की तो यहां कोई भी कोई एमबीबीएस डॉक्टर नहीं मिला। इसके बाद अस्पताल से मिली हर तरह की दवाइयों, और उपकरणों को टीम ने जब्त कर लिया है ।और उन्हें लैब में चेक किया जाएगा।

एससी एवं एसटी एक्ट के तहत दर्ज केसों में पीड़ितों को दी गई आर्थिक सहायता की हुई समीक्षा

● डीसी ने पीड़ित परिवारों को आर्थिक सहायता जल्द से जल्द उपलब्ध करवाने के दिए निर्देश

एजेंसी

गुरुग्राम। लघु सचिवालय स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में जिला स्तरीय सतर्कता एवं निगरानी समिति की त्रैमासिक बैठक की हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए डीसी अजय कुमार ने एस.सी./एस.टी. एक्ट के तहत की जा रही कार्रवाई की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।डीसी अजय कुमार ने मार्च माह से जून माह के बीच दर्ज किए गए मामलों की समीक्षा करते हुए यह सुनिश्चित करने को कहा कि लाभार्थियों को समयबद्ध ढंग से आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाई जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि एफआईआर दर्ज होते ही पीड़ितों को मुआवजा राशि शीघ्र प्रदान की जाए, जिससे उन्हें न केवल आर्थिक सहायता मिले, बल्कि भावनात्मक रूप से भी संबल प्राप्त हो। डीसी अजय कुमार ने कहा कि समाज कल्याण विभाग संबंधित पीड़ितों से बैंक खाता संख्या व

आवश्यक दस्तावेज लेकर शीघ्रता से औपचारिकताएं पूरी करे। उन्होंने अधिकारियों को सख्त हिदायत दी कि इस प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।बैठक के दौरान जिला कल्याण अधिकारी लालचंद ने उपायुक्त को अवगत करवाया कि मार्च से जून तक की अवधि में एससी/एसटी एक्ट के तहत जिला स्तर पर कुल 6 शिकायतें प्राप्त हुई हैं। इन सभी मामलों में पीड़ितों को आर्थिक सहायता की पहली किश्त दी जा चुकी है, जबकि 4 मामलों में दूसरी किश्त भी प्रदान कर दी गई है। उपायुक्त अजय कुमार ने बैठक में मौजूद गैर सरकारी सदस्यों से भी इस विषय पर प्रतिक्रिया ली और सुझाव आमंत्रित किए, ताकि पीड़ितों को अधिक प्रभावी ढंग से राहत पहुंचाई जा सके। बैठक में बादशाहपुर के एसडीएम संजीव कुमार, सहायक जिला न्यायवादी रोहित देशवाल, जिला कल्याण अधिकारी गुरुग्राम लालचंद, एसीपी (एससी/एसटी) एवं नोडल अधिकारी जय सिंह सहित गैर-सरकारी सदस्य कमल सिंह, नीलम एवं जगदीश सिंह मौजूद रहे।

इसराना को जल्द ही एक मॉडल कस्बे के रूप में विकसित किया जाएगा :एसडीएम

एजेंसी

पानीपत। पानीपत के एसडीएम नवदीप नैन ने इसराना की विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए कड़े निर्देश जारी किए। इसराना समाज सेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने एसडीएम कार्यालय में पहुंचकर क्षेत्र की समस्याएं रखीं। एसडीएम ने एसडीओ पंचायती राज और एसएचओ इसराना को बरसात से पहले अतिक्रमण हटाने के आदेश दिए। बस अड्डे पर पहले से ही कार्रवाई जारी है।

मिनी सचिवालय के लिए पंचायत ने छह एकड़ भूमि उपलब्ध करा दी है। उन्होंने बताया कि तहसील कार्यालय की नई बिल्डिंग अगस्त तक तैयार होगी और नई अनाज मंडी के पास कट खुलवाने के लिए नेशनल हाईवे अथॉरिटी को पत्र भेजा गया है। इससे किसानों को राहत मिलेगी। गांवों में जल निकासी की समस्या के समाधान के लिए बीडीपीओ को निर्देश दिए गए हैं। प्रसिद्ध गुरुद्वारा इसराना साहिब के पास

नाले के पास हुए अतिक्रमण को हटाने और गंदे पानी की निकासी सुधारने के आदेश दिए गए हैं। एसडीएम ने आश्वासन दिया कि इसराना को जल्द ही एक मॉडल कस्बे के रूप में विकसित किया जाएगा।

जल जीवन मिशन के तहत जिला के प्रत्येक घर में उपलब्ध करवाया जाए पीने का पानी

एजेंसी

जींद। जल जीवन मिशन कार्यक्रम के तहत जिला के प्रत्येक घर में पर्याप्त मात्रा में पीने के पानी की उपलब्धता व भविष्य के 30 वर्षों के लिए पानी के सुरक्षित नए स्त्रोत तैयार करने को लेकर जल जीवन मिशन के निदेशक व अतिरिक्त सचिव कमल किशोर सोन की अध्यक्षता में वीडियो कांन्फ्रेंसिंग के जरिये समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। स्थानीय लघु सचिवालय के सभागार में हुई इस बैठक में जिला से उपायुक्त मोहम्मद इमरान रजा, जन स्वास्थ्य विभाग के जनस्वास्थ्य विभाग के एसई विक्रम मोर, कार्यकारी अभियंता गुरमीत सिंह, जिला सलाहकार रणधीर मताना व संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। वीडियो कान्फ्रेंस में उपायुक्त मोहम्मद इमरान रजा ने सचिव को आश्वस्त करते हुए बताया कि जिला के प्रत्येक घर में हर घर जल योजना के तहत जो लक्ष्य दिया गया है, उसे लगभग पूरा कर लिया गया है। उन्होंने विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि जन स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट के अनुसार जिला में एक लाख 90 हजार 363 रिहायशी

मकान हैं। विभाग द्वारा इन सभी घरों में पीने के पानी के कनेक्शन उपलब्ध करवा दिए गए है। इसके अलावा जिला के 726 राजकीय स्कूलों में भी पानी उपलब्ध करवाने का शतप्रतिशत लक्ष्य पूरा किया जा चुका है। जिला में 1236 आंगनवाडी केंद्रों में भी पीने का पानी की उपलब्धता को लेकर जो लक्ष्य दिया गया है, विभाग द्वारा उसे पूरा कर लिया गया है। जिला में दो वाटर क्वालिटी टेस्टिंग लैब संचालित हैं। समय-समय पर जरूरत अनुसार इन लैबों के माध्यम से पानी की गुणवत्ता की जांच की जा रही है। उपायुक्त मोहम्मद इमरान रजा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गर्मी के मौसम के मद्देनजर आमजन को पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी उपलब्ध करवाने में किसी भी प्रकार की कोताही न बरतें।

एक पेड मां के नाम 2.0 अभियान के तहत जिला में लगाए जाएंगे दो लाख पौधे - उपायुक्त

एजेंसी

तावडू। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि एक पेड़ मां के नाम 2.0 अभियान के तहत पर्यावरण संरक्षण हेतू जिला में करीब दो लाख पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। कुछ दिनों में स्थानों को चिन्हित कर इस अभियान को मिशन मोड में चलाया जाएगा। इस बार यह ध्यान रखा जाएगा कि जो भी पौधा रोपित किया जाए, उसकी देखभाल व रखरखाव भी उचित तरीके से हो, ताकि धरातल पर पेड़ों की संख्या में बढ़ोतरी हो। इसी प्रकार फिरोजपुर झिरका के गांव बसई मेव तथा आसपास के क्षेत्र में अरावली पर्वतमाला में भी अधिक से अधिक पेड़ लगाकर इस सघन जंगल में परिवर्तित किया जाएगा, ताकि अवैध खनन की संभावनाएं भी खत्म हो सकें।

Public notice

I, ILAYASH KHAN S/O SHIV KUMAR R/O 53, NEAR SHANI DEV MANDIR, FATEHPUR CHANDILA, FARIDABAD, PO: FARIDABAD NIT, DIST: FARIDABAD HARYANA-121001, have embraced HINDU Religion and renounced ISLAM Religion w.e.f. 12/12/2023.

NAME CHANGE

I, ILAYASH KHAN S/O SHIV KUMAR R/O 53, NEAR SHANI DEV MANDIR, FATEHPUR CHANDILA, FARIDABAD,PO: FARIDABAD NIT, DIST: FARIDABAD HARYANA-121001 HAVE CHANGED MY NAME AND SHALL HEREAFTER BE KNOWN AS ABHISHEK KUMAR.

NAME CHANGE

I, hitherto known as SUNITA D/o RAM SINGH W/o JAI BHAGWAN SHARMA residing at House No. 553, Upper Ground Floor, Sector 9A, Gurgaon, PO: Gurgaon, Dist: Gurgaon, Haryana - 122001 have changed my name and shall hereafter be known as SUNITA SHARMA.

NAME CHANGE

It is for general information that I, SATBIR S/o SUBH RAM R/o Bagthala(47), Bawal, Rewari, Haryana-123501, declare that name of my wife has been wrongly written as SAPNA in my minor son namely ANSH YADAV aged 13 years in his School Records. The actual name of my wife is SAPANA, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, ILAYASH KHAN S/O SHIV KUMAR R/O 53, NEAR SHANI DEV MANDIR, FATEHPUR CHANDILA, FARIDABAD,PO: FARIDABAD NIT, DIST: FARIDABAD HARYANA-121001 HAVE CHANGED MY NAME AND SHALL HEREAFTER BE KNOWN AS ABHISHEK KUMAR.

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 9 पैसे की बढ़त के साथ 85.50 रुपये पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस ये 85.59 पर बंद हुआ था। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि हालांकि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और विदेशी मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर के मजबूत होने से स्थानीय मुद्रा की बढ़त सीमित रही। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, डॉलर के मुकाबले 85.62 पर खुला और फिर 85.58 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले आठ पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.66 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.2 फीसदी बढ़ा।

यूरोपीय संघ एफटीए से ‘ऊर्जा और कच्चा माल’ अध्याय हटाने पर राजी

नई दिल्ली।

भारत ने यूरोपीय संघ (ईयू) को प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के तहत ‘ऊर्जा और कच्चा माल’ अध्याय को बातचीत से अलग रखने तैयार कर लिया है। यूरोपीय संघ ने एकतरफा तरीके से उस अध्याय को शामिल किया था। इसमें भारत से पेट्रोलियम उत्पादों, रसायनों, कपास, लौह और इस्पात, तांबा और अन्य महत्त्वपूर्ण धातुओं जैसे कच्चे माल की निर्बाध आपूर्ति की प्रतिबद्धता अनिवार्य करने का प्रावधान था। 12 से 16 मई को नई दिल्ली में मुक्त व्यापार समझौते के लिए 11वें दौर की बातचीत के बाद यूरोपीय आयोग ने कहा था कि इस पर बात करने से पहले सहमति बनी थी कि ऊर्जा और कच्चे माल के अध्याय पर चर्चा को फिलहाल अलग रखा जाएगा। कोविड-19 महामारी और रूस-यूक्रेन युद्ध जैसी भू-राजनीतिक घटनाओं के कारण कई देशों में ऊर्जा और कच्चे माल की आपूर्ति की सुरक्षा को लेकर जबरदस्त रुचि पैदा हुई है। चीन द्वारा हाल ही में दुर्लभ खनिज मैग्नेट के निर्यात पर प्रतिबंध ने भी विविध स्रोतों से विश्वसनीय आपूर्ति श्रृंखला सुनिश्चित करने की जरुरत बताई। यूरोपीय संघ अधिकांश कच्चे माल की आपूर्ति के लिए पूरी तरह तीसरे देशों पर निर्भर है। आपूर्ति जोखिम को कम करने के लिए यूरोपीय संघ ने तय किया है कि 2030 से किसी भी कच्चे माल की आपूर्ति का 65 फीसदी से ज्यादा हिस्सा किसी एक देश से आयात नहीं किया जाएगा। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव के संस्थापक ने कहा कि यूरोपीय संघ का व्यापार समझौते का रुख विरोधाभासों से भरा है क्योंकि वह विकासशील देशों से कोई प्रतिबंध नहीं चाहता है जबकि कार्बन-उत्सर्जन वाली वस्तुओं पर कर, सख्त प्रौद्योगिकी हस्तांतरण नियंत्रण जैसे प्रतिबंध को लागू करने का अधिकार अपने पास रखता है। उन्होंने कहा कि यह दोहरा मापदंड चुनिंदा दृष्टिकोण को उजागर करता है। एक जो दूसरों के संसाधनों तक खुली पहुंच चाहता है जबकि अपने दरवाजे मूल्य वर्धित निर्यात और औद्योगिक विकास के लिए बंद कर रहा है। भारत ऐसी विषमता को स्वीकार नहीं कर सकता है। एक निष्पक्ष मुक्त व्यापार करार पारस्परिक दायित्वों को प्रतिबिंबित करने वाला होना चाहिए न कि कच्चे माल के एकतरफा प्रवाह के हिसाब से। यूरोपीय संघ के अध्यक्ष वॉन डेर लेयेन और पीएम मोदी ने 28 फरवरी को संयुक्त रूप से घोषणा की थी कि दोनों पक्ष 2025 के आखिर तक मुक्त व्यापार करार को पूरा करना चाहते हैं। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने इस महीने की शुरुआत में कहा था कि बातचीत आगे बढ़ रही है और साल के आखिर की समयसीमा से पहले भी समझौता किया जा सकता है। यूरोपीय संघ ने कहा कि बातचीत के 11वें दौर के दौरान पारदर्शिता, बेहतर नियमन, सीमा शुल्क और व्यापार सुविधा तथा बौद्धिक संपदा अधिकार जैसे कई अध्याय पर सफल चर्चा पूरी हो गई है। आईपीआर अध्याय पर यूरोपीय संघ ने कहा कि वार्ताकारों ने कई पहलुओं पर समझौता प्रस्तावों का आदान-प्रदान किया और इस अध्याय की बातचीत समाप्त हो गई।

भारत में ‘रिनॉल्ट बोरेल’ के नाम से पेश की जाएगी बिगस्टेर

नई दिल्ली।

भारतीय बाजार में 7-सीटर एसयूवी की श्रेणी में रिनाल्ट कंपनी भी अपनी नई एसयूवी के साथ उतारने की तैयारी कर रही है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में बिगस्टेर नाम से जानी जाने वाली यह एसयूवी भारत में ‘रिनॉल्ट बोरेल’ के नाम से पेश की जाएगी। टेस्टिंग के दौरान इसकी स्पाई शॉट्स सामने आई हैं, जिसमें यह एक बड़ी और दमदार एसयूवी के रूप में नजर आई। भारत में इसे 7-सीटर लेआउट में लॉन्च किया जा सकता है, जिससे यह सीधे तौर पर लोकप्रिय एसयूवीको चुनौती देगी। रिनॉल्ट बोरेल को भारत में खास तौर पर डिजाइन और फीचर्स के लिहाज से प्रतिस्पर्धी बनाया जाएगा। इसमें रडार-बेस्ड अडास, 10.1-इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, वेंटिलेटेड सीट्स, वायरलेस चार्जिंग और ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल जैसे फीचर्स दिए जा सकते हैं। सुरक्षा के लिहाज से इसमें छह एयरबैग्स, एबीएस, ईबीडी, ईएससी और इसोफिक्स माउंट्स की संभावना है। इंजन विकल्पों की बात करें तो रिनॉल्ट बोरेल में पेट्रोल, माइल्ड-हाइब्रिड और स्ट्रॉन्ग-हाइब्रिड पावरट्रेन दिए जा सकते हैं। रिनॉल्ट इंडिया ने अभी तक बोरेल की लॉन्च तारीख का खुलासा नहीं किया है, लेकिन कयास लगाए जा रहे हैं कि इसे 2026 के अंत या 2027 की शुरुआत में भारतीय बाजार में उतारा जा सकता है। यह एसयूवी न केवल तकनीकी रूप से उन्नत होगी, बल्कि इसका डिजाइन और लेआउट भी भारतीय ग्राहकों की पसंद को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। रिनॉल्ट बोरेल के आने से मिड और प्रीमियम 7-सीटर एसयूवी सेगमेंट में प्रतिस्पर्धा और तेज होने की उम्मीद है।

जीवन बीमा कंपनियों का नए प्रीमियम संग्रह 11 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली।

चालू वित्त वर्ष के पहले दो महीनों में जीवन बीमा कंपनियों ने नए व्यवसाय से प्रीमियम संग्रह में 10.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। जीवन बीमा परिषद ने हाल ही में जारी आंकड़ों में बताया कि मई 2025 में नए व्यवसाय से प्रीमियम संग्रह में 12.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई। नए व्यवसाय से प्रीमियम आय मई 2025 में बढ़कर 30,463 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले इसी महीने में 27,034 करोड़ रुपये थी। आंकड़ों से पता चलता है कि वित्त वर्ष 2025-26 के पहले दो महीनों में संग्रह सालाना आधार पर 47,293 करोड़ रुपये से बढ़कर 52,427 करोड़ रुपये हो गया। मई 2025 में संयुक्त व्यक्तिगत प्रीमियम संग्रह में 3.35 प्रतिशत की वृद्धि हुई। बताया गया है कि जीवन बीमा उद्योग में व्यक्तिगत एकल प्रीमियम में सालाना आधार पर 5.21 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह मई 2025 में 3,525 करोड़ रुपये रहा। देश की प्रमुख जीवन बीमा कंपनी एलआईसी का नए व्यवसाय से प्रीमियम मई 2025 में 10.27 प्रतिशत बढ़कर 18,405.04 करोड़ रुपये हो गया, जो एक साल पहले इसी महीने में 16,690.39 करोड़ रुपये था।

ग्रैंड विटारा ने 3 लाख यूनिट्स की बिक्री का बनाया रिकॉर्ड

नई दिल्ली।

कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी की मिड-साइज एसयूवी ग्रैंड विटारा ने महज 32 महीनों में 3 लाख यूनिट्स की बिक्री का रिकॉर्ड बना लिया है। बिक्री के यह आंकडे ग्राहकों के बीच ग्रैंड विटारा की लोकप्रियता को दर्शाते है। इस सफलता में सबसे बड़ा योगदान इसके स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड वेरिएंट्स का रहा है, जिनमें वित्त वर्ष 2024-25 में 43 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई है। साथ ही, ऑलग्रिप सिलेक्ट 4म4 सिस्टम और 6-स्पीड ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन जैसे फीचर्स ने भी ग्राहकों को आकर्षित किया है। मारुति सुजुकी के मार्केटिंग और सेल्स प्रमुख पार्थो बनर्जी ने ग्राहकों का आभार जताते हुए कहा कि ग्रैंड विटारा ने कंपनी को मिड-एसयूवी सेगमेंट में मजबूत स्थिति दिलाई है। इस अवसर पर कंपनी ने ‘ड्रिवेन बाय टेक’ अभियान भी शुरू किया है, जिसमें एसयूवी को ग्राहकों की जीवनशैली से जोड़कर प्रस्तुत किया गया है। इस एसयूवी में 1.5-लीटर इंटेलिजेंट इलेक्ट्रिक हाइब्रिड और के-सीरीज डुअल-जेट इंजन विकल्प मौजूद हैं। सीएनजी वर्जन भी उपलब्ध है, जो शानदार माइलेज और परफॉर्मेंस का संतुलन पेश करता है।2025 ग्रैंड विटारा में ज़ेटा और अल्फा वेरिएंट्स में कई नए फीचर्स जोड़े गए हैं, जिनमें पैनोरमिक सनरूफ, आर17 अलॉय व्हील्स, 360-डिग्री कैमरा, वेंटिलेटेड सीट्स और क्लैरियन साउंड सिस्टम शामिल हैं। सभी ट्रिम्स में छह एयरबैग, हिल होल्ड असिस्ट के साथ ईएसपी और आईसोफिक्स चाइल्ड माउंट्स जैसी सुरक्षा सुविधाएं भी दी गई हैं।

शेयर बाजार हल्की बढ़त के साथ बंद

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को हल्की बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों और खरीददारी से बाजार ऊपर आया। आज सुबह बाजार की तेजी के साथ शुरुआत हुई। दिनभर के कारोबार के दौरान बाजार बढ़त पर रहा। अंत में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 123 अंक बढ़कर 82,515 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 37 अंक ऊपर आकर 25,141 पर बंद हुआ। आज ब्रॉडर मार्केट पर दबाव दिखा। मिडकैप और स्मॉलकैप में काफी मुनाफावसूली हुई। ये दोनों इंडेक्स करीब आधा फीसदी गिरकर बंद हुए। आज ऑयल एंड गैस और आईटी शेयरों में अच्छी तेजी रही। . दोनों इंडेक्स 1 फीसदी से ज्यादा चढ़े। आईटी शेयरों में टीसीएस इंफोसिस, एचसीएल टेक, विप्रो सभी में तेजी रही। रक्षा कंपनियों के शेयर 3 फीसदी से ज्यादा गिरे। आज का दिन कैपिटल मार्केट से जुड़े शेयरों जैसे केफिन और ब्रोकरेज के लिए भी अच्छा नहीं था। इससे जुड़े शेयर दो से 4 फीसदी नीचे आये।

आज कारोबार के दौरान एचसीएल टेक 3.19 फीसदी, इंफोसिस 2.01 फीसदी , टेक महिंद्रा 1.68 फीसदी, विप्रो 1.62 और ओएनजीसी के शेयरों में 1.23 फीसदी उछाल आया।

वहीं श्रीराम फाइनेंस 2.26 फीसदी, पावर ग्रिड में 1.98 फीसदी, बीईएल में 1.30 फीसदी , इंडसइंड बैंक में -1.07 फीसदी और टाटा टाटा कंज्यूमर में 1.04 फीसदी गिरावट रही।

इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुले, बाजार में ये तेजी एशियाई सहित अधिकतर विदेशी बाजारों से मिले अच्छे संकेतों से आई है। सुबह सेंसेक्स 80 से ज्यादा उछलकर 82,473 पर खुला। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 13 कंपनियों के शेयर लाभ के साथ ही हरे निशान जबकि 17 शेयर गिरावट के साथ ही लाल निशान पर कामकाज कर रहे थे।

इसी तरह का निफ्टी-50 भी हल्की तेजी बढ़त के साथ 25,134.15 अंक पर खुला। सुबह 9ः30 बजे यह 29.90 अंक करीब 0.12 फीसदी बढ़कर 25,125 अंक पर कामकाज कर रहा था।

वहीं गत दिवस वित्तीय बाजारों में मुनाफावसूली से बाजार सपाट बंद हुए थे। सेंसेक्स 53.49 अंक करीब 0.06 फीसदी की गिरावट के साथ ही 82,391.72 पर जबकि निफ्टी 1.05 अंक की हल्की बढ़त के साथ ही 25,104 पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में बुधवार को तेजी देखने को मिली। इस दौरान निवेशकों की नजरें अमेरिका और चीन के बीच चल रही व्यापार बातचीत पर टिकी हुई हैं। वहीं जापान के निक्केई इंडेक्स में 0.33 फीसदी की तेजी आई है जबकि ब्रोडर टॉपिक्स इंडेक्स में 0.014 फीसदी की बढ़त रही। कोस्पी में 0.56 फीसदी की वृद्धि हुई और एएक्स 200 में 0.36 फीसदी की बढ़त रही।

वहीं अमेरिकी बाजार में जारी व्यापार चर्चाओं के साथ सकारात्मक माहौल है। डॉव जोन्स में 0.25 फीसदी की बढ़त रही जबकि एसएंडपी 500 में 0.55 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई और नैस्डैक में 0.63 फीसदी की बढ़त रही।

सोने और चांदी में तेजी

नई दिल्ली।

घरेलू बाजार में बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों में तेजी रही। इन दोनो के ही वायदा भाव में खुलते ही बढ़त आने लगी। घरेलू बाजार में सोने की कीमतें 97,250 रुपये, जबकि चांदी की कीमतें 1,06,800 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थीं। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने और चांदी में तेजी के साथ कामकाज हुआ। सोने के वायदा भाव की शुरुआत आज उछाल के साथ रही। इसी कारण मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त अनुबंध आज 347 रुपये की तेजी के साथ 97,249 रुपये के भाव पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 96,902 रुपये था। वहीं एक समय यह अनुबंध 351 रुपये की बढ़त के साथ ही 97,253 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 97,276 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 97,210 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर हासिल किया था। सोने के वायदा भाव इस साल 99,358 रुपये के भाव पर सबसे उच्च स्तर पर पहुंचे। वहीं चांदी के वायदा भाव की शुरुआत भी तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई अनुबंध आज 151 रुपये बढ़कर 1,06,900 रुपये पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 1,06,749 रुपये था। एक समय यह अनुबंध 36 रुपये उछलकर 1,06,785 रुपये के भाव पर कामकाज कर रहा था। इसने 1,0,6,900 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 1,06,744 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर हासिल किया। वहीं चांदी के वायदा भाव इस साल 1,07,171 रुपये किलो के भाव के साथ ही शीर्ष स्तर पर पहुंचे। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज सोने चांदी के वायदा में तेजी रही है। कामेक्स सोना 3,344.30 डॉलर प्रति औंस पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 3,343.40 डॉलर प्रति औंस था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 36.67 डॉलर के भाव पर खुले। इसका पिछला बंद भाव 36.64 डॉलर था।

जीवन बीमा कंपनियों का नए प्रीमियम संग्रह 11 प्रतिशत बढ़ा

चालू वित्त वर्ष के पहले दो महीनों में जीवन बीमा कंपनियों ने नए व्यवसाय से प्रीमियम संग्रह में 10.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। जीवन बीमा परिषद ने हाल ही में जारी आंकड़ों में बताया कि मई 2025 में नए व्यवसाय से प्रीमियम संग्रह में 12.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई। नए व्यवसाय से प्रीमियम आय मई 2025 में बढ़कर 30,463 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले इसी महीने में 27,034 करोड़ रुपये थी। आंकड़ों से पता चलता है कि वित्त वर्ष 2025-26 के पहले दो महीनों में संग्रह सालाना आधार पर 47,293 करोड़ रुपये से बढ़कर 52,427 करोड़ रुपये हो गया। मई 2025 में संयुक्त व्यक्तिगत प्रीमियम संग्रह में 3.35 प्रतिशत की वृद्धि हुई। बताया गया है कि जीवन बीमा उद्योग में व्यक्तिगत एकल प्रीमियम में सालाना आधार पर 5.21 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह मई 2025 में 3,525 करोड़ रुपये रहा। देश की प्रमुख जीवन बीमा कंपनी एलआईसी का नए व्यवसाय से प्रीमियम मई 2025 में 10.27 प्रतिशत बढ़कर 18,405.04 करोड़ रुपये हो गया, जो एक साल पहले इसी महीने में 16,690.39 करोड़ रुपये था।

यूरोपीय संघ एफटीए से ‘ऊर्जा और कच्चा माल’ अध्याय हटाने पर राजी

नई दिल्ली।

भारत ने यूरोपीय संघ (ईयू) को प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के तहत ‘ऊर्जा और कच्चा माल’ अध्याय को बातचीत से अलग रखने तैयार कर लिया है। यूरोपीय संघ ने एकतरफा तरीके से उस अध्याय को शामिल किया था।इसमें भारत से पेट्रोलियम उत्पादों, रसायनों, कपास, लौह और इस्पात, तांबा और अन्य महत्त्वपूर्ण धातुओं जैसे कच्चे माल की निर्बाध आपूर्ति की प्रतिबद्धता अनिवार्य करने का प्रावधान था। 12 से 16 मई को नई दिल्ली में मुक्त व्यापार समझौते के लिए 11वें दौर की बातचीत के बाद यूरोपीय आयोग ने कहा था कि इस पर बात करने से पहले सहमति बनी थी कि ऊर्जा और कच्चे माल के अध्याय पर चर्चा को फिलहाल अलग रखा जाएगा। कोविड-19 महामारी और रूस-यूक्रेन युद्ध जैसी भू-राजनीतिक घटनाओं के कारण कई देशों में ऊर्जा और कच्चे माल की आपूर्ति की सुरक्षा को लेकर जबरदस्त रुचि पैदा हुई है। चीन द्वारा हाल ही में दुर्लभ खनिज मैग्नेट के निर्यात पर प्रतिबंध ने भी विविध स्रोतों से विश्वसनीय आपूर्ति श्रृंखला सुनिश्चित करने की जरुरत बताई। यूरोपीय संघ अधिकांश कच्चे माल की आपूर्ति के लिए पूरी तरह तीसरे देशों पर निर्भर है। आपूर्ति जोखिम को कम करने के लिए यूरोपीय संघ ने तय किया है कि 2030 से किसी भी कच्चे माल की आपूर्ति का 65 फीसदी से ज्यादा हिस्सा किसी एक देश से आयात नहीं किया जाएगा।

ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव के संस्थापक ने कहा कि यूरोपीय संघ का व्यापार समझौते का रुख विरोधाभासों से भरा है क्योंकि वह विकासशील देशों से कोई प्रतिबंध नहीं चाहता है जबकि कार्बन-उत्सर्जन वाली वस्तुओं पर कर, सख्त प्रौद्योगिकी हस्तांतरण नियंत्रण जैसे प्रतिबंध को लागू करने का अधिकार अपने पास रखता है।

उन्होंने कहा कि यह दोहरा मापदंड चुनिंदा दृष्टिकोण को उजागर करता है। एक जो दूसरों के संसाधनों तक खुली पहुंच चाहता है जबकि अपने दरवाजे मूल्य वर्धित निर्यात और औद्योगिक विकास के लिए बंद कर रहा है।

हुंडई ने लॉन्च की वर्ना एसएक्स प्लस, कीमत और फीचर्स ने ग्राहकों किया आकर्षित

नई दिल्ली।

दक्षिण कोरियाई कार निर्माता हुंडई ने भारत में अपनी मशहूर सेडान वर्ना का नया एसएक्स प्लस वेरिएंट पेश किया है, जो कीमत और फीचर्स के लिहाज़ से ग्राहकों के लिए एक आकर्षक विकल्प बन गया। यह वेरिएंट मैनुअल और ऑटोमैटिक दोनों ट्रांसमिशन में उपलब्ध है, जिनकी एक्स-शोरूम कीमतें 13.79 लाख और 15.04 लाख रुपए रखी गई हैं। इस नए वेरिएंट में पहले टॉप एसएक्स (ओ) मॉडल में मिलने वाले कई प्रीमियम फीचर्स शामिल किए गए हैं, जिनमें एलईडी हेडलाइट्स, 16-इंच एलॉय व्हील्स, रियर स्पॉइलर, फ्रंट पार्किंग सेंसर्स, 8-स्पीकर बोस साउंड सिस्टम, हीटेड और वेंटिलेटेड फ्रंट सीट्स तथा लेदरेट अपहोल्स्ट्री जैसी सुविधाएं प्रमुख हैं। वर्ना एसएक्स प्लस में 1.5 लीटर का 4-सिलिंडर नेचुरल एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन दिया गया है, जो 115एचपी की पावर और 143.8एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। यह इंजन 6-स्पीड मैनुअल या सीवीटी ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन के साथ उपलब्ध है और दावा किया गया है कि यह कार 18 से 19 किमी प्रति लीटर का माइलेज देती है। सुरक्षा के लिहाज़ से भी यह वेरिएंट काफी दमदार है, जिसमें छह एयरबैग्स, एबीएस के साथ ईबीडी, इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल (ईएससी), टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम (टीपीएमएस) और रियर पार्किंग कैमरा जैसे फीचर्स स्टैंडर्ड दिए गए हैं। इसके साथ ही कंपनी ने अपने चुनिंदा मॉडल्स के लिए नया वायर्ड-टू-वायरलेस एडॉप्टर भी पेश किया है जिसकी कीमत 4,500 रखी गई है। यह एडॉप्टर वायरलेस एप्पल कारप्ले और एन्डार्ड ऑटो को सपोर्ट करता है और वेरना एसएक्स(ओ), एसएक्स टूबो और एसएक्स(ओ) टूबो वेरिएंट्स के लिए उपयुक्त है।

स्मार्टफोन मैन्युफैक्चरिंग आउटपुट में भारत के दोहरे अंक में बढ़ने की उम्मीद

मुंबई।

वैश्विक स्तर पर स्मार्टफोन मैन्युफैक्चरिंग आउटपुट में गिरावट हुई है और 2025 में भारत का उत्पादन दोहरे अंक में बढ़ने की उम्मीद है, इससे वर्ल्ड आउटपुट में देश का शेयर करीब 20 प्रतिशत पहुंच जाएगा। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई। रिपोर्ट के मुताबिक, वैश्विक स्तर पर स्मार्टफोन मैन्युफैक्चरिंग आउटपुट 2025 में सालाना आधार पर एक प्रतिशत गिरने का अनुमान है। इसका कारण टैरिफ का प्रभाव और इंडस्ट्री में धीमापन आना है। इससे पहले 2024 में इंडस्ट्री आउटपुट में 4 प्रतिशत की तेजी देखी गई है। चीन, भारत और वियतनाम 2024 में ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग आउटपुट के 90 प्रतिशत से अधिक के लिए जिम्मेदार हैं, जिसमें भारत आउटपुट वृद्धि में सबसे शीर्ष पर था। चीन का उत्पादन टैरिफ के कारण प्रभावित रहेगा, जिसके परिणामस्वरूप उत्पादन में गिरावट आएगी और साथ ही घरेलू प्रदर्शन में भी गिरावट का अनुमान है। मामले से जुड़े जानकार ने कहा, ब्रांड्स के पास चीन से बाहर जाने और अन्य देशों में अधिक उत्पादन क्षमता और आउटपुट आवंटित करने के अलावा कोई विकल्प नहीं रह गया है। चीन से बाहर जाने वाली क्षमता में मुख्य विजेता भारत और वियतनाम दो ही देश हैं। भारत में उत्पादन बढ़ाने की काफी क्षमता है और वियतनाम, जो चीन के अपेक्षाकृत करीब है और उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए एक परिपक्व कॉन्ट्रैक्ट मैन्युफैक्चरर और एक्सपोर्टर है। भारत का पूरा मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम लगातार बढ़ रहा है और स्थानीय मैन्युफैक्चरिंग में उत्पादकता और जटिलता दोनों के संदर्भ में लगातार सुधार हो रहा है।

चैटजीपीटी डाउन, सवाल पूछने पर नेटवर्क में आ रहा एरर मैसेज

यूजर्स हुए परेशान, कंपनी ने माना एआई टूल सोरा पर पड़ा असर

नई दिल्ली।

ओपनएआई का एआई चैटबॉट चैटजीपीटी डाउन हो गया, जिससे कई देशों के लाखों यूजर्स इसका इस्तेमाल नहीं कर पा रहे हैं। भारत और अमेरिका में सबसे ज्यादा यूजर्स परेशान हैं। कंपनी ने चैटजीपीटी की सर्विस प्रभावित होने को स्वीकार किया है और बताया है कि चैटजीपीटी और इमेज जेनरेशन एआई टूल सोरा पर इसका असर पड़ा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चैटजीपीटी के डाउन होने की खबरें यूजर्स द्वारा दोपहर 3 बजे के आसपास आना शुरू हुईं। प्लेटफॉर्म पर करीब 800 शिकायतें दर्ज की गईं। करीब 88 फीसदी शिकायतों में लोगों ने कहा कि चैटबॉट उनके द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब नहीं दे रहा है। वहीं, 8 फीसदी लोगों ने मोबाइल एप के साथ समस्याओं की सूचना दी, जबकि 3 फीसदी लोगों ने कहा कि उन्हें एपीआई से संबंधित दिक्कतें आ रही हैं। चैटजीपीटी से सवाल पूछे जाने पर यूजर्स को बार-बार ÷कुछ गड़बड़ हो गई है÷ का मैसेज दिखा रहा है। कई लोगों ने बताया कि चैटजीपीटी से सवाल पूछने पर नेटवर्क में एरर का मैसेज आ रहा है। कुछ लोगों को दोबारा ट्राई करने का निर्देश दिया है। वहीं, ओपनएआई ने अपने सिस्टम स्टेटस पेज पर आउटेज की बात मानी है, जिसमें पुष्टि की गई कि चैटजीपीटी और उसका टेक्स्ट-टू-वीडियो प्लेटफॉर्म सोरा दोनों प्रभावित हुए हैं। ओपनएआई ने कहा कि चैटजीपीटी कुछ यूजर्स एरर दिखा रहा है, जबकि कुछ यूजर्स को देर से जवाब मिल रहे हैं। हम इस मुद्दे की जांच जारी कर रहे हैं। कंपनी ने आउटेज को ठीक कर लेने का समय नहीं बताया है।

भारत में लगातार घटती गरीबी एवं बढ़ती धनाढ्यों की संख्या

प्रहलाद सबनानी

क्या भारत में उच्च नेटवर्थ व्यक्तियों की बढ़ती संख्या एवं इनकी बढ़ती सम्पत्ति से भारत में कहीं आर्थिक असमानता के गहराने का संकट तो खड़ा नहीं हो रहा है। हालांकि भारत में उच्च नेटवर्थ व्यक्तियों की बढ़ती सम्पत्ति, भारत की बढ़ती आर्थिक ताकत का प्रतीक भी है। परंतु, यदि इस बढ़ी हुई सम्पत्ति का लाभ समाज के समस्त नागरिकों को नहीं मिल पा रहा है तो यह सोचनीय प्रशन्न अवश्य है।

वैश्विक स्तर पर वित्तीय संस्थान अब यह स्पष्ट रूप से मानने लगे हैं कि विश्व में भारत की आर्थिक ताकत बहुत तेजी से बढ़ रही है। हाल ही में जारी किए गए एक सर्वे रिपोर्ट में यह बताया गया है कि भारत में पिछले बीते वर्ष में उच्च नेटवर्थ व्यक्तियों की संख्या एवं उनकी संपतियों में अतुलनीय वृद्धि दर्ज हुई है। जबकि विश्व के कई देशों विशेष रूप से विकसित देशों में उच्च नेटवर्थ व्यक्तियों की संख्या एवं इनकी सम्पत्ति में वृद्धि दर लगातार नीचे गिर रही है। इसका आश्य तो अब यही लगाया जा सकता है विश्व में आर्थिक शक्ति अब पश्चिम से पूर्व की ओर स्थानांतरित हो रही है।

भारत में जिस व्यक्ति की शुद्ध सम्पत्ति 5 करोड़ रुपए या उससे अधिक होती है उसे उच्च नेटवर्थ व्यक्ति (HNWI) कहा जाता है। पिछले वर्ष भारत में उच्च नेटवर्थ व्यक्तियों की औसत सम्पत्ति 8.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी है, जबकि विश्व में यह औसतन 2.6 प्रतिशत की दर से बढ़ी है। इसका परिणाम यह हुआ है कि भारत में मिलिनेयर्स की संख्या बढ़कर 378,810 हो गई है और इनकी कुल सम्पत्ति 1.5 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर अर्थात 129 लाख करोड़ रुपए के आंकड़े को पार कर गई है। वर्ष 2024 में भारत में 4,290 अल्ट्रा उच्च नेटवर्थ व्यक्ति निवास कर रहे थे, जिनकी कुल सम्पत्ति 53,477 करोड़ अमेरिकी डॉलर थी। अल्ट्रा उच्च नेटवर्थ व्यक्ति उस नागरिक को कहते हैं जिसकी शुद्ध सम्पत्ति 3 करोड़ अमेरिकी डॉलर अथवा उससे अधिक होती है।

भारत में तो उच्च नेटवर्थ व्यक्तियों की संख्या बढ़ी है परंतु यूरोप में इनकी संख्या 2.1 प्रतिशत घटी है। ब्रिटेन में 14,000, फ्रान्स में 21,000, जर्मनी में 41,000 उच्च नेटवर्थ व्यक्तियों की संख्या घटी है। एशिया प्रशांत क्षेत्र में उच्च नेटवर्थ व्यक्तियों की संख्या 1.7 प्रतिशत बढ़ी है तो लेटिन अमेरिका में उच्च नेटवर्थ व्यक्तियों की संख्या 8.5 प्रतिशत घटी है। साथ ही, मध्य पूर्व में भी उच्च नेटवर्थ व्यक्तियों की संख्या में 2.1 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है।

क्या भारत में उच्च नेटवर्थ व्यक्तियों की बढ़ती संख्या एवं इनकी बढ़ती सम्पत्ति से भारत में कहीं आर्थिक असमानता के गहराने का संकट तो खड़ा नहीं हो रहा है। हालांकि भारत में उच्च नेटवर्थ व्यक्तियों की बढ़ती सम्पत्ति, भारत की बढ़ती आर्थिक ताकत का प्रतीक भी है। परंतु, यदि इस बढ़ी हुई सम्पत्ति का लाभ समाज के समस्त नागरिकों को नहीं मिल पा रहा है तो यह सोचनीय प्रशन्न अवश्य है।

इसी संदर्भ में हाल ही में विश्व बैंक द्वारा जारी की गई एक

रिपोर्ट के अनुसार भारत में अत्यधिक गरीबी में जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या में अतुलनीय रूप से कमी दर्ज की गई है। यह भारत के लिए निश्चित ही बहुत अच्छी खबर हो सकती है। इस रिपोर्ट के अनुसार, भारत में अत्यधिक गरीबी में जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या 34.44 करोड़ नागरिकों से घटकर 7.52 करोड़ नागरिक रह गई है। भारत में लगभग 27 करोड़ नागरिकों को अत्यधिक गरीबी से ऊपर ले आया जा सका है। विश्व बैंक की उक्त रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2011-12 में भारत की कुल जनसंख्या का 27.1 प्रतिशत नागरिक अत्यधिक गरीबी में जीवन यापन करने को मजबूर था परंतु वर्ष 2022-23 आते आते यह संख्या घटकर मात्र 5.3 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गई है, जबकि, इस बीच भारत की जनसंख्या में भी वृद्धि हुई है। यह भारत में तेज गति से विकसित किए गए रोजगार के अवसरों के चलते सम्भव हो सका है। इस संदर्भ में विशेष रूप से केंद्र सरकार द्वारा लागू की गई विभिन्न योजनाओं के लाभ को देश की अधिकतम जनसंख्या तक पहुंचाने के कारण भारत में बहुआयामी गरीबी को कम करने में अपार सफलता हासिल की जा सकी है। बहुआयामी गरीबी सूचकांक (टढक) वर्ष 2005-06 में 53.8 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2022-23 में 15.5 प्रतिशत तक नीचे आ गया है। आगे आने वर्षों में भी यदि इसी प्रकार के आर्थिक विकास दर भारत में लागू रहती है तो बहुत सम्भव है कि कुछ ही वर्षों के उपरांत संभवतः भारत में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाला एक भी नागरिक शेष नहीं रहेगा।

विश्व बैंक की उक्त रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि भारत में शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी को कम करने में लगभग एक जैसी सफलता मिली है। इसी का परिणाम है कि भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में अत्यधिक गरीबी दर आज 18.4 फीसदी से घटकर 2.8 प्रतिशत रह गई है। इसी तरह से शहरी क्षेत्रों में भी अत्यधिक गरीबी दर जो 10.7 फीसदी के करीब थी, वह घटकर सिर्फ 1.1 पर आ गई है। इसी तरह का एक व्या पक अंतर ग्रामीण-शहरी जीवन के आर्थिरक व्यवहार में भी दूर हुआ है, यह अंतर 7.7 फीसदी से घटकर सिर्फ 1.7 प्रतिशत पर आ पहुंचा है। विशेष रूप से महिलाओं के बीच रोजगार के अवसरों में अतुलनीय वृद्धि दर हासिल की जा सकी है। ग्रामीण इलाकों में कृषि के क्षेत्र में महिलाओं को रोजगार के अवसरों में वृद्धि दर्ज की गई है। वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में शहरी क्षेत्रों के बेरोजगारी की दर 6.6 प्रतिशत तक नीचे आ गई है, जो वर्ष 2017-18 के बाद से सबसे कम है।

भारत में गरीबी दूर करने के लिए केंद्र एवं राज्य सरकारों ने मिलकर काम किया है। इस सम्बंध में विशेष रूप से केंद्र सरकार द्वारा कई योजनाएं लागू की गईं हैं। इन महत्वपूर्ण एवं विशेष योजनाओं में शामिल हैं - प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जन धन योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, प्रधानमंत्री आयुषमान भारत योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, प्रधानमंत्री गरीब अन्न कल्याण योजना, जैसी अनेक योजनाओं ने देश में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे नागरिकों को बहुत अधिक लाभ पहुंचाया है, जिससे इन्हें गरीबी रेखा के ऊपर लाया जा सका है। इसी प्रकार, स्वच्छ भारत मिशन, जल जीवन मिशन, डिजिटल क्रांति, मेक इन इंडिया, जन औषद्धि केंद्र, विभिन्न फसल की एमएसपी पर खरीदी एवं इसके माध्यम से किसानों को आय की गारंटी देना, मखाना बोर्ड का गठन, जनजातियों का सशक्तिकरण - ग्राम समृद्धि, दालों में आत्मनिर्भरता के लिए मिशन चलाना, प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना, ग्रामीण विद्युत आपूर्ति, किसानों को किफायती दरों पर यूरिया उपलब्ध कराना, भारत को पंख (उड़ान 2 की उड़ान और तेज हुई), विमानन के क्षेत्र में नए युग का प्रारम्भ, आदि क्षेत्रों में लागू की गई उक्त वर्णित विभिन्न योजनाओं के माध्यम से जो अतुलनीय कार्य किए गए हैं, उससे देश में रोजगार के करोड़ों नए अवसर निर्मित करने में सफलता हासिल की जा सकी है।

उक्त वर्णित विभिन्न योजनाओं को लागू करने में केंद्र सरकार ने कभी भी वित्त की कमी नहीं आने दी क्योंकि करों की वसूली में ईमानदारी एवं वित्तीय अनुशासन के चलते जीएसटी, आय कर एवं कारपोरेट करों में उच्च स्तरीय वृद्धि दर्ज हुई है। न केवल उक्त वर्णित विभिन्न योजनाओं को लागू करने के लिए पर्याप्त वित्त की उपलब्धता बनी रही है बल्कि पूंजीगत खर्चों में भी अतुलनीय वृद्धि दर्ज की जा सकी है। साथ ही, बजट में वित्तीय घाटे को भी लगातार कम करने में सफलता हासिल हुई है। और तो और, केंद्र सरकार के विभिन्न उपक्रमों की कार्यप्रणाली में इस प्रकार से सुधार किया गया है कि जो उपक्रम पिछले कुछ वर्षों पूर्व तक घाटे में चल रहे थे एवं केंद्र सरकार को इन उपक्रमों को चलायमान बनाए रखने के लिए प्रतिवर्ष वित्तीय सहायता उपलब्ध करानी होती थी, आज ये उपक्रम केंद्र सरकार के लिए कमाऊ पूत साबित हो रहे हैं। वित्तीय वर्ष 2024-25 में तो केंद्र सरकार के विभिन्न उपक्रमों ने 5 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि का लाभ अर्जित किया है। इन सभी कारणों से केंद्र सरकार एवं विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा आम नागरिकों के भले के लिए लागू की गई विभिन्न योजनाओं को चालू रखने में किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना करना नहीं पड़ा है एवं जिसके चलते गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे करोड़ों नागरिकों के जीवन स्तर में सुधार करने में अपार सफलता मिली है।

संपादकीय

असल दोषी कौन

हनीमून के लिए मेघालय गई सोनम को पति राजा रघुवंशी की हत्या के मामले में गिरफ्तार कर लिया। राजा व सोनम 23 मई से लापता थे। दो जून को राजा का शव खाई में मिला था, जबकि सोनम का लापता थी। पुलिस के अनुसार उसने भाड़े के हत्यारों के साथ मिलकर साजिश रची थी। 11 मई को दोनों की परिवार की मर्जी से शादी की हुई थी। 21 मई को दंपति शिलांग पहुंचा। राज कुशवाहा सोनम के पिता की दुकान में काम करता था। जिसके साथ सोनम के रिश्ते थे। इन दोनों ने दो अन्य साथियों के साथ मिलकर बीस लाख रुपये में राजा को रास्ते से हटाने की साजिश रची और पेड़ काटने वाली छोटी कुल्हाड़ी दाव ऑनलाइन मंगाई। राजा की मां का कहना है, सोनम के विवाह में रुचि न लेने व फोन न सुनने से राजा उखड़ा-उखड़ा रहता था। मगर सोनम की मां का इस पर कहना था, उनका परिवार काफी सख्त है इसलिए उनकी बेटी अपने होने वाले पति के साथ मुलाकातें नहीं कर सकती। हनीमून की बुकिंग भी सोनम ने ही करवाई थी। शादी के बाद उसका बर्ताव ससुरालियों से अच्छा ही था, वह सबसे मिल-जुल कर रही और हनीमून के दरम्यान सबसे फोन पर बातें भी करती रही। सोनम के परिजन उसे बेगुनाह बता रहे हैं और सीबीआई जांच की मांग कर रहे हैं। परिवारों की मर्जी से शादी करने वाली नवविवाहिताओं में इस तरह का आवेश देखकर कहा जा सकता है कि परिजनों को अरेंज मैरिज को लेकर अपने विचार बदलने होंगे। जात-बिरादरी के बंधनों व आर्थिक स्तर को लेकर वैवाहिक संबंधों को बनाने की रवायतों में ढील लानी होगी। परिपक्व उम्र की लड़कियां घर के बड़ों के समक्ष जो आक्रोश व्यक्त नहीं कर पातीं, वह विवाह के उपरांत जानलेवा साबित होता नजर आ रहा है। समाज के बदलते परिवेश में बंदिशों की जगह नहीं रही है। यह गंभीर सामाजिक व पारिवारिक मसला बनता जा रहा है। इस पर गहन चिंतन की जरूरत है। विवाह पूर्व मैरिज काउंसलर व परिवार विशेषज्ञों की राय भी जरूरी है। अभी समाज दहेज हत्याओं से उबर नहीं पाया है कि यह नये तरह का संक्रमण दंपतियों को चपेट में ले रहा है। इस तरह की हत्या सोची-समझी साजिश का परिणाम होता है। मर्जी के बगैर विवाह या विवाह विच्छेदन को लेकर दायरे बदलने होंगे। सुपारी देकर मौत के घाट उतारने वाली स्त्री को माफ नहीं किया जाना चाहिए। हत्या सिर्फ हत्या है। उसमें लैंगिक पक्षपात की कोई जगह नहीं है।

चिंतन-मनन

प्रजा का खजाना

फारस के शासक साइरस अपनी प्रजा की भलाई में जुटे रहते थे। लेकिन खुद उनका जीवन सादगी से भरा था। वह रियासत की सारी आमदनी व्यापार, उद्योग और खेतीबाड़ी में लगा देते थे। इस कारण शाही खजाना हल्का रहता था। लेकिन प्रजा खुशहाल थी। एक दिन साइरस के दोस्त और पड़ोसी शासक प्रोशियस उनके यहां आए। उनका मिजाज साइरस से बिल्कुल अलग था। उन्हें प्रजा से ज्यादा अपनी खुशहाली की चिंता रहती थी। उनका खजाना हमेशा भरा रहता था। बातों-बातों में जब प्रोशियस को साइरस के खजाने का हाल मालूम हुआ तो उन्होंने साइरस से कहा, अगर आप इसी तरह प्रजा के लिए खजाना लुटाते रहोगे तो एक दिन वह एकदम खाली हो जाएगा। आप कंगाल हो जाओगे। अगर आप भी मेरी तरह खजाना भरने लगें तो आपकी गिनती मेरी तरह सबसे धनी शासकों में होने लगेगी। साइरस मुस्कराए फिर बोले आप दो दिन ठहरिए मैं इस मामले में लोगों का इम्तिहान लेना चाहता हूं। उन्होंने घोषणा करवा दी कि एक बहुत बड़े काम के लिए साइरस को दौलत की निहायत जरूरत है। उन्हें पूरी उम्मीद है कि प्रजा मदद करेगी। दो दिन पूरा होने से पहले ही शाही महल के बाहर मोहरों, सिक्कों व जेवरों का बड़ा ढेर लग गया। यह देख प्रोशियस हैरत में पड़ गए। साइरस ने कहा, मैंने रियासत का खजाना लोगों की खुशहाली पर खर्च करके एक तरह से उन्हीं को सौंप दिया है। लोग उसमें इजाफा करते रहते हैं। मुझे जब जरूरत होगी वे मुझे लौटा देंगे जबकि तुम्हारा खजाना बांझ है, वह कोई बढ़ोतरी नहीं कर रहा है।

विश्व में 16 करोड़ बाल श्रमिक, प्रत्येक दस बच्चों में से एक बाल मजदूर

-विनोद कुमार विक्की

प्रगति स्पष्ट है, लेकिन अभी और काम करना बाकी है,आइए प्रयासों में तेजी लाएँ! 12 जून 2025 (विश्व बाल श्रम निषेध दिवस) का उपरोक्त थीम इस बात का साफ संकेत दे रहा है, कि वैश्विक स्तर पर बाल श्रम उन्मूलन की चुनौती के लिए अभी हमें लंबी लड़ाई लड़नी है। हालांकि सतत विकास लक्ष्य 8.7 को अपनाने के साथ पूर्व में संयुक्त राष्ट्र ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर 2025 तक बाल मजदूरी के सभी रूपों को समाप्त करने की प्रतिबद्धता जताई है, किंतु यह संघर्ष जारी है। यदि आँकड़ो पर गौर करें, तो दुनिया भर में दस में से लगभग एक बच्चा बाल मजदूरी में संलिप्त है। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक, वर्तमान में 16 करोड़ बच्चे बाल मजदूरी में लगे हुए हैं। इस में 7.2 करोड़ की संख्या सिर्फ अफ्रीका की है, जो वैश्विक बाल श्रम में सर्वोच्च है। वहीं, एशिया और प्रशांत क्षेत्र में 6.2 करोड़ बच्चे बाल श्रम में संलिप्त हैं।

बाल श्रम, एक ऐसा अभिशाप है, जो बच्चों का ना केवल बचपन, मौलिक अधिकार और आत्म सम्मान का हनन करता है, बल्कि उनकी पहचान भी छीन लेता है। कार्यस्थल पर बाल श्रमिकों को उनके वास्तविक नाम की बजाय छोटू संबोधन से ही बुलाया और जाना जाता है। जिन हाथों में कलम कॉपी होनी चाहिए उन हाथों में चाय की ग्लास, जूठे टेबल को साफ करने वाले कपड़े, खुले आसमान के नीचे जिस सिर पर बंधन रहित बचपन होना चाहिए उस सिर पर ईंट अथवा सामान का बोझ उठाने वाला दृश्य, सभ्य समाज के लिए बदनुमा दाग सा है। शारीरिक एवं मानसिक रूप से ऐसा कोई भी कार्य जो बालकों से उनका बचपन, उनकी क्षमता और आत्म-सम्मान का हनन करते हुए उन्हें स्कूली शिक्षा से वंचित करता है, बाल श्रम के अंतर्गत आता है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन के अनुसार, बाल श्रम 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों द्वारा किया जाने वाला वह काम है जो किसी भी तरह से उनका शोषण करता है, उन्हें मानसिक, शारीरिक या सामाजिक नुकसान पहुँचाता है, या उन्हें जानलेवा खतरे में डालता है। बाल मजदूरी (निषेध एवं नियमन) अधिनियम, 1986 के अनुसार, 14 वर्ष से कम आयु के किसी बच्चे को किसी कारखाने या खनन कार्य में लगाया जाना अथवा अन्य किसी जोखिम पूर्ण रोजगार में नियुक्त किया जाना, बाल श्रम के अंतर्गत आता है। भारतीय संविधान के भाग तीन अनुच्छेद 24 में 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों को खतरनाक एवं खादानों में कार्यों में संलिप्त करना प्रतिबंधित किया गया है।अनुच्छेद 32 में भी बाल श्रम का प्रतिषेध और कार्यस्थल पर युवाओं का संरक्षण की चर्चा की गई है। बावजूद इसके कृषि, उद्योग और सेवा क्षेत्रों जैसे कालीन बुनाई, परिधान निर्माण, घरेलू सेवा, गन्ना खेतों, मत्स्य पालन, खनन, होटल,ढ़ाबा,ईंट भट्ठों, भवन निर्माण स्थलों पर बाल श्रमिकों की उपलब्धता सहर्ष ही देखी जा सकती है। गरीबी, अशिक्षा, जागरूकता का अभाव,पारिवारिक परिस्थिति जन्य परिवेश, अपर्याप्त सामाजिक सुरक्षा, सस्ते श्रम की माँग आदि स्थितियां बाल श्रमिक की संख्या में वृद्धि के प्रमुख कारक हैं। भारतीय जनगणना 2011 के अनुसार 1.01 करोड़ बाल श्रमिक का आकलन किया गया था, जबकि वर्तमान में यह संख्या दो करोड़ के लगभग मानी जा रही है, वैसे सरकारी अनुमान के अनुसार लगभग 1 करोड़ 70 लाख भारतीय बच्चे बाल श्रमिक हैं, जो बेहद चिंताजनक है। यूपी, एमपी बिहार, राजस्थान महाराष्ट्र आदि राज्यों में बाल श्रम के मामले ज्यादा देखने को मिलते हैं। वैश्विक स्तर पर समय के साथ बाल श्रम में गिरावट देखने को मिली है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में कोविड-19 महामारी, युद्धों और संकटों के कारण उत्पन्न परिस्थितियों ने परिवारों को गरीबी की ओर तथा बचपन को बाल श्रम की ओर धकेलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

यद्यपि भारत में अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन और यूनिसेफ के अलावा बाल श्रम उन्मूलन के लिए बाल श्रम (निषेध और विनियमन) अधिनियम (1986), राष्ट्रीय बाल श्रम परियोजना (एनसीएलपी), राष्ट्रीय बाल श्रम उन्मूलन प्राधिकरण (1994),शिक्षा अधिकार अधिनियम(2009), भारत सरकार बाल श्रम (निषेध और विनियमन) संशोधन अधिनियम(2016), कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रेन्स फाउंडेशन, बाल रक्षा भारत, चाइल्डलाइन इंडिया फाउंडेशन आदि अधिनियम तथा सरकारी एवं गैर-सरकारी संगठन वर्षों से संघर्षरत हैं, तथापि बाल श्रम (निषेध और विनियमन) अधिनियम का सख्ती से अनुपालन, शिक्षा का प्रचार-प्रसार, गरीब परिवारों को आर्थिक सहायता, बाल श्रम से पीड़ित बच्चों को पुनर्वास कार्यक्रमों के साथ ही मानवाधिकार संरक्षण एवं जन जागरूकता से बाल श्रम जैसी चुनौतियों से समय रहते निपटा जा सकता है।

जाति जनगणना : जरूरत स्वीकारने की समझ

प्रो. नवल किशोर

पहलगाम आतंकी हमले के पश्चात देश में भारत-पाक युद्ध की आशंका बन रही थी। इस तनावपूर्ण अंतरराष्ट्रीय संकट के समय में राजनीतिक मामलों पर कैबिनेट कमिटी की बैठक से जातिगत जनगणना कराने की खबर ने देशवासियों को चौंका दिया था।

आश्चर्यचकित होने का पहला कारण था फैसले का समय और दूसरा इस मुद्दे पर भाजपा का यू-टर्न। गौरतलब है कि इस सवाल पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विकसित भारत संकल्प-यात्रा के एक कार्यक्रम में कहा था कि उनके लिए देश में सिर्फ चार जातिया हैं- मजदूर, युवा, महिला और किसान।

इस आलोक में यह भी बताना जरूरी है कि उपरोक्त टिप्पणी का उद्देश्य बिहार में तत्कालीन महागठबंधन सरकार द्वारा कराई जा रही जाति सर्वे को सार्वजनिक तौर पर खारिज करना था। अब जबकि इस वर्ष बिहार विधानसभा चुनाव आसन्न है, भाजपा के इस निर्णय को यू-टर्न कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा। जातिवार जनगणना के पक्षकारों ने सरकार के इस निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि देर आए, दुरु स्त आए, लेकिन निर्णय के टाइमलाइन पर संशय व्यक्त किया गया था जिसके प्रति-उत्तर में अब एनडीए सरकार ने अगामी प्रक्रिया के समय सारणी की भी घोषणा कर दिया। आखिर क्यों? बीते वर्षो में भाजपा ने सदन से सड़क तक इसका जमकर विरोध किया था। कहा जा सकता है कि क्या यह निर्णय मजबूरी में लिया गया या इसके जरूरत को स्वीकारा गया है। यह जानना बेहद दिलचस्प है।

उत्तर-मंडल काल में जातिगत जनगणना की मांग निस्संदेह ओबीसी राजनीति के केंद्र में निरंतर रही है। तत्कालीन प्रधानमंत्री एच. डी. देवगौड़ा के नेतृत्व में संयुक्त मोर्चा सरकार ने पहली दफा फैसला लिया था कि 2001 में जातिगत जनगणना होगी, परंतु वर्ष 1999 में सरकार बदली और फैसला भी बदल गया। एनडीए सरकार में तत्कालीन गृहमंत्री लालकृष्ण आडवाणी ने सदन को सूचित किया था कि सरकार जातीय जनगणना नहीं कराएगी। सर्वविदित है कि भारतीय समाज का सबसे बड़ा हिस्सा सामाजिक-शैक्षणिक रूप से पिछड़ा वर्ग था जिसमे लगभग तीन हजार जातियां शामिल थी। इन्हें मुख्यधारा से जोड़ना और विकसित करना किसी भी सरकार के लिए संवैधानिक प्रतिबद्धता मानी गई है। इस उद्देश्य से संविधान का एक पूरा का पूरा भाग -16 (अनुच्छेद 330-342) राष्ट्र को समर्पित है। इसी उद्देश्य को पूरा करने के लिए काका कालेलकर आयोग (प्रथम पिछड़ा वर्ग आयोग) एवं मंडल आयोग (दूसरा पिछड़ा वर्ग आयोग) का गठन हुआ किया गया था। इन रिपोर्ट में जाति जनगणना की जरूरत अंकित होने के बावजूद दशकों से यह मांग लंबित पड़ी थी। इसके पक्ष में सर्वसम्मति से पारित संसदीय प्रस्ताव के बाद यूपीए-ने सामाजिक-आर्थिक जातीय सर्वेक्षण 2011 कराई, लेकिन उसकी रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं कर पाई थी। भाजपा ने तो उक्त रिपोर्ट को सदा के लिए ठंडे बस्ते डाल दिया और राष्ट्रीय स्तर पर जातीय जनगणना की मांग को भी संसदीय सवाल-जवाब में साफ मना कर दिया। भाजपा को बिहार में चुनावी जीत तो मिली है लेकिन लगभग तीन दशक बाद भी वह एक राजनीतिक शक्ति नहीं बन पाई है। विदित हो देश-स्तर पर भाजपा को आम चुनाव 2014 में बहुत बड़ा जनादेश मिलने के अगले ही साल बिहार विधानसभा चुनाव में उतनी ही बड़ी शिकस्त भी मिली थी। आगामी विधानसभा चुनाव में भी भाजपा को शासन-विरोधी लहर झेलना पड़ेगा। अकस्मात जाति जनगणना कराए जाने का यह संभावित कारण हो सकता है। बिहार में राजद ने जातीय जनगणना और आबादी के हिसाब से हिस्सेदारी को पुरजोर तरीके से मुद्दा बना रखा है। भाजपा लंबे समय से ह्यसवर्ण पार्टीह्ल की छवि से उबरने का प्रयास कर रही है। जाति जनगणना से वह ओबीसी और अन्य वंचित वगरे को यह संदेश देना चाहती है कि वह उनकी समस्याओं के प्रति गंभीर है। इस एक निर्णय से विपक्ष की मांग का जवाब भी दिया जा रहा है। इसे स्वीकार करके भाजपा विपक्ष की राजनीतिक बढ़त को संतुलित करना चाहती है। साथ ही 2024 और आगे के चुनाव की रणनीति सुनिश्चित करना भी भाजपा नीत सरकार की मंशा है। इसके माध्यम से जातिगत आंकड़ों के आधार पर चुनावी रणनीति तैयार करना अधिक संभव होगा, जिससे मतदान पैटर्न को बेहतर समझा जा सकेगा। बहरहाल यह एक बहुस्तरीय रणनीतिक कदम है, जिसमें राजनीतिक लाभ, सामाजिक संतुलन, नीतिगत दक्षता, प्रगतिशील विचार और लोकप्रिय समर्थन की संभावनाएं निहित हैं। बावजूद इसके कि जाति जनगणना का निर्णय विपक्षी राजनीतिक पार्टियों के दवाब में लिया गया है, अगर इसका अनुपालन सही, सम्यक एवं समदर्शी ढंग से किया जाए, तो यह भारतीय लोकतंत्र को अधिक प्रतिनिधित्वशील, लोक कल्याणकारी एवं समावेशी बना सकता है। दूसरे शब्दों में यह जाति जनगणना सामाजिक न्याय के अनुपालन की दिशा में मंडल पार्ट-2 की भूमिका का सम्यक निर्वहन कर सकता है। समय की मांग है कि जाति जनगणना के माध्यम से सामाजिक न्याय को न सिर्फ जीवन-पद्धति का हिस्सा बनाया जाए अपितु मानवीयता एवं मानव अधिकार को भी उद्दात रूप प्रदान किया जाए।

नाश्ता हो पौष्टिक

अक्सर बच्चों, दफ्तर जाने वाले या कहीं और काम पर निकलने वाले पति तथा खुद महिला के लिए नाश्ता और वो भी सेहत के लिए मुफीद नाश्ता तैयार करने का टेंशन होता है। ऐसा नाश्ता जो बच्चों के लिए पौष्टिक हो, पतिदेव के लिए शक्तिवर्धक हो और दिनभर घर पर गृहस्थी के काम करने के लिए उसे भीतर से ऊर्जा देता रहे।

महंगाई के इस दौर में हर एक के लिए सूखे मेवे, अंडे या मक्खन डबल रोटी खाना थोड़ा कठिन है। पैसे का भी शायद इतना सवाल न हो, जितना यह कि हर कोई यह नाश्ता नहीं खा सकता। वैसे भी जब शाकाहारी और सस्ते नाश्ता का विकल्प मौजूद हो तो उसे अपनाने में क्या हर्ज है।

दलिया- गेहूं के दलिए का नाश्ता काफी दिनों से प्रचलित है। गेहूं को ऐसा पिसवा लें कि उसके दो या तीन टुकडे से ज्यादा न हों। उन्हें रात में भिगो दीजिए। सुबह उसे उबालकर एक कप दूध के साथ यूं ही सादा खाइए। इससे जितनी शक्ति मिलेगी, वह अभूतपूर्व होती है।

मूंग- शाकाहारी लोगों को भिगोकर चना खाने की तो बहुत आदत होती है। अब आप मूंग पर इसका प्रयोग करें। साबूत मूंग भिगो दीजिए। सुबह उसे निकालकर एक कपड़े में लपेट दीजिए। पानी के छींटे मारती रहिए तो बड़ी जल्दी उसमें अंकुर निकल आते हैं। जब भी ये अंकुर आ जाएं इन्हें निकालकर इसे धो लीजिए फिर उसमें इच्छानुसार नमक, काली मिर्च, हरीमिर्च और नीबू डालकर खाइए, खिलाइए! इसमें यदि प्याज के कुछ टुकड़े भी डाल दें तो अधिक फायदेमंद होगा।

वैसे तो अंकुरित मूंग को कच्चा खाना ही बहुत लाभदायक है, लेकिन चाहे तो इसे बहुत हल्की-सी छौंक या बघार देकर भी खा सकते हैं। इसके बाद एक गिलास दूध पीना बहुत लाभदायक माना जाता है।

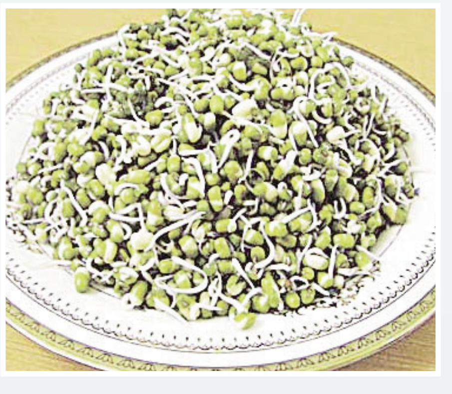

इस तरह के नाश्ते के निरंतर प्रयोग से हमारे शरीर की तमाम जरूरतें पूरी होती हैं। इस नाश्ते से खनिज तत्व, प्रचुर मात्रा में विटामिन और देह की पूरी आवश्यकता के लिए प्रोटीन प्राप्त होता है।

चने या दालें या किसी भी प्रकार के अनाज के दाने हमारा रोजाना का आहार है, इन अनाज के दानों में प्रोटीन्स, कार्बोहाइड्रेट विटेमिन्स ए और बी पाया जाता है, लेकिन अंकुरित होने के बाद इनकी पोषक वैल्यू कई गुनी बढ़ जाती है। इन दानों में विटामिन सी भी उत्पन्न हो जाता है। विटामिन सी हमारे शरीर की एक बहुत बड़ी आवश्यकता है। अंकुरित होकर ये दाने फाइबर से भरपूर पाचक और पोषक हो जाते है।

चना- अंकुरित मूंग के साथ यदि आप अंकुरित चने का भी उपयोग करें तो दोनों की मिली-जुली शक्ति से शरीर को काफी ऊर्जा मिलेगी। उसमें आप अक्सर गृहिणियां इस अंकुरित मूंग और चने में कच्ची मूंगफली भी भिगोकर देती हैं। इससे नाश्ते में चिकनाई भी भरपूर मात्रा में मिल जाती है। याद रखिए, इस तरह के प्रयोग कभी एक दिन करने से अपना असर नहीं दिखाते, इनका सेवन निरंतर करते रहे।

कहने का तात्पर्य इतना सा है जो अन्न हम भून कर या अन्य विधियों से संस्कारित कर खाते हैं यदि उसे प्राकृत अवस्था में या थोड़ा अंकुरित करके ग्रहण करें तो शरीर के पोषण के लिये चौगुना फायदेमंद होता है। भुने हुये बीजों को खेत में डाल कर देखिये, ना तो वे उगेंगे और न ही पोधे बनेंगे वरन जमीन में पड़े-पड़े सड़ जायेंगे। लगभग यही स्थिति आग पर पकाये जाने वाले खाद्यान्न की होती है।

आहार वैज्ञानिक मानते हैं कि सूखे अन्नए दलहनों तथा तिलहनों में केवल पृथ्वी तत्व विशेष रूप से पाया जाता है। जब कि अंकुरित हो जाने पर प्रकृति उन पर विशेष कृपा कर जल, वायु तथा सूर्य तत्व का उपहार अतिरिक्त दे देती है। इसके अलावा प्रकृति इनमें प्रोटीन, विटामिन, वसा एवं खनिज लवण जैसे जीवनीय तत्व भी इनमें लबालब भर देती है। अंकुरित अन्न मात्र अनाज नहीं होता अपितु अन्न फल तथा शाक सब्जी तीनों की भूमिका एक साथ निभाता है। आरोग्य के दृष्टि से अंकुरित आहार उत्तम होने के साथ ही समय, मेहनत, ईंधन और धन की बचत भी करता है। जहाँ तक हो सके खाद्यान्नों उनके प्राकृतिक रूप मे ही गृहण करना चाहिये। इसके लिये उन्हें पानी में भिगोने मात्र से ही नरम बना कर काम चल सकता है।

कैसे करें अंकुरित

आहार विशेषज्ञों ने दस व्यक्तियों के लिये संतुलित अंकुरित अन्नों की एक आहार तालिका।

गैहूँ-	200 ग्राम
चना-	100 ग्राम
मूँग-	100 ग्राम
ज्वार या बाजरा-	100 ग्राम

ये सब साफ करके साफपानी में 12 घंटे तक भिगो कर रखने के बाद 12 घंटे तक किसी मोटे कपडे में लपेट कर किसी खिडकी के पास लटका देना चाहिये जहाँ हल्का हल्का सूर्य का प्रकाश और हवा भी मिलती रहे। ये बात हर समय ध्यान रखनी चाहिये कि जिस कपडे में ये अन्न बंधा हो वो सूखने न पाये। इसलिये बाहर से पानी से तर करते रहना चाहिये। ऐसा करने से 36 घंटे मे बढिया अंकुर निकल आते हैं। ऋतु प्रभाव के अनुसार अंकुरण होने में कम या अधिक समय लग सकता है।

सोयाबीन के दाने बहुत समय मे अंकुरित होते हैं इसलिये उन्हे अलग से अंकुरित कराना चाहिये। आमतौर पर इसे मूंगफली के विकल्प के रूप में लिया जाता है।

कैसे खायें-

अंकुरित अन्न यूँ ही खाने से रूखा-रूखा अरुचिकर सा लग सकता है। उन्हे रुचिकर या स्वादिष्ट बनाने के लिये टमाटर, अदरक, खीरा, मूली, गाजर, हरा धनियाँ तथा हरा या सूखा पोदीना बारीक या रुचि के अनुसार काट लें फिर अंकुरित अन्न को प्लेट में डाल कर इनको अच्छी तरह मिला कर ऊपर से काला नमक, भुना जीरा बुरक लें। अधिक स्वादिष्ट बनाने के लिये ऊपर से नीबू निचोड़ लें फिर खायें। इनमें सोंठ, पिंडखजूर, नारियल, नीबू, अंगूर, इलायची, इत्यादि डालने पर एक पुष्टिकारक व्यंजन तैयार हो जाता है। यह बहुत किफायती है। साधारण रूप से 5 रुपये में एक व्यक्ति का पूरे दिन का आहार जुट जाता है।

पोषणविदों के अनुसार इस तरह के खाद्यान्न मनुष्य के लिये सम्पूर्ण आहार है। इनमें विटामिन सी 10 गुनी, तथा थायमिन राइबोफ्लोबिन और निकोटिनिक एसिड दूनी मात्रा में हो जाती है। अंकुरित दालों मे कुछ हानि करक तत्व स्वतः ही विघटित हो जाते हैं। सेम तथा ब्रूसेल जैसी सब्जियों के अंकुरित दानों में केल्शियम, फास्फोरस आइरन, विटामिन ए प्रचुर मात्रा में मिलने से ये बहुत उपयोगी हो जाते हैं। इन बीजों के अंकुरों में इंसुलिन जैसा रसायन अपनी प्राकृतिक अवस्था में मिलने के कारण मधुमेह के रोगियों के उपचार में बड़ा सहायक सिद्ध हुआ है। इन सबके अतिरिक्त अंकुरित आहार की थोड़ी सी मात्रा से पेट भर जाता है। जिससे बार बार खाने की आदत से बचाव रहता है। इस प्रकार ऐसा आहार स्वास्थ्य और शारीरिक अभिवर्द्धन के साथ साथ शरीर को हल्का, फुर्तीला तथा ओज से परिपूर्ण बनाता है।

अंकुरित चना सलाद

सामग्री-2 कप अंकुरित चना, 2 टमाटर, 1 प्याज, 1 हरी मिर्च, चुटकीभर हींग, 1 छोटा चम्मच चाट मसाला, स्वादानुसार नमक।

विधि-हींग, नमक और थोड़ा सा पानी डालकर 10 मिनट के लिए चने को पका कर किसी बर्तन में निकालें। बारीक कटे हुए टमाटर, हरी मिर्च व प्याज डालें। अब इसमें चाट मसाला मिलाएं और अच्छे से हिलाकर सर्व करें। चाहें तो ऑरेंज की स्लाइसेज भी सर्व करते समय काम में ले सकते हैं।

अगर लकवा हो जाए तो क्या करें

कई बार क्या होता है की हमारी कोई एक जगह सुन्न हो जाती है, इसे हम हलके में लेते है और बाद में पता चलता है की इसे लकवा मार गया है पहले यह सिर्फ 50 या 60 साल की उमर के बाद होता था लेकिन अब ये आम हो गया है,

लकवा कैसे होता है,

यह अधिक रक्तचाप, खून में थक्के जमने के कारण एनिमोनिया वार्यल बुखार और मोटापे के कारण होता है।

क्या करें

अगर किसी को लकवा हो गया है तो उसे गर्म-गर्म तेल से हलकी हलकी मालिश करे जिस जगह में प्रभाव हुआ है, उसे ठंडा न होने दे। अगर घर में निरोबियन की गोली हो तो उसे एक दम दे दे क्यों की लकवा हमारे मस्तिस्क में खून अवरोध के कारण होत्ता है जिससे मस्तिस्क के किसी भाग में खून नहीं पहुँचता ण् उसके बाद उसे रक्तचाप हल्का करने की गोली दे, अगर मुहँ टेढ़ा हो गया है तो एकदम उसे हाथ से सीधा करने की कोशिश करें या आंख बंद हो गयी हो तो आंख को खोल दें या खोलने की कोशिश करें, अगर जीभ अंदर चली गयी हो तो चिमटे से पकड़कर बाहर खींचे, क्यों की कोई भी शारीर का भाग जिस तरफ होगा वह वैसा ही रहेगा बाद में वह ठीक नहीं होगा।

क्या न करें-

कभी भी ऐसे रोगी को ग्लोकोज की ड्रिप न लगाये न लगाने दे क्यों की आजकल नर्सें सबसे पहले सीधा ड्रिप लगा देती हैं ण् ग्लूकोज से क्या होता है की सारा का सारा जिस्म अंदर से ठंडा हो जाता है। अगर कोई इंजेक्सन हो तो उसे लगाने दें, कभी भी अपने दरवाजे की चिटकनी न लगायें

क्या खाएं-

हल्का खाना ज्यादा से जादा सूप पियें, जूस, हरी सब्जियां, थोड़ा थोड़ा करके खाएं, बना नमक वाली और बिना वसा वाली गर्म चीजे चीजे खाएं।

कैसा हो लकवे के मरीज का कमरा-

जिसमें साफ हवा आती हो, बालों को कंघी कमरे से बाहर करें, रात को सोते समय खिड़की खुली रखें जिससे सांस लेने में कोई दिक्कत न हो।

क्या न खाएं-

फैट वाला खाना एक दम बंद रखें। ज्यादा मांस नहीं खाएं, दूध पीना हो तो तीन बार फैट छान कर पियें।

यह टोटके करके देखें

लकवा ऐसी ही एक बीमारी है जो अचानक ही किसी हंसते-खेलते व्यक्ति को अपनी चपेट में ले लेती है। मेडिकल साइंस के इस दौर में लकवा का ईलाज भी संभव है। लेकिन शत प्रतिशत रिकवरी नहीं हो पाती और मरीज को काफी दिनों तक ईलाज कराना पड़ता है। यदि ईलाज करवाने के साथ-साथ कुछ टोटके भी करें तो संभव है लकवा से पीड़ित व्यक्ति और भी जल्दी ठीक हो जाए।

ये करें-

- एक काले कपड़े में पीपल की सूखी जड़ को बांधकर लकवा से पीड़ित व्यक्ति के सिर के नीचे रखें तो कुछ ही दिनों में इसका असर दिखने लगेगा।
- प्रत्येक शनिवार के दिन एक नुकीली कील द्वारा लकवा पीड़ित अंग को आठ बार उसारकर शनिदेव का स्मरण करते हुए पीपल के वृक्ष की मिट्टी में गाड़ दें। साथ ही यह प्रार्थना करें कि जिस दिन अमुक रोग दूर हो जाएगा, उस दिन कील निकाल लेंगे। जब लकवा ठीक हो जाए तब शनिदेव व पीपल को धन्यवाद देते हुए वह कील निकालकर नदी में प्रवाहित कर दें।
- लकवे से पीड़ित व्यक्ति को लोहे की अंगूठी में नीलम एवं तांबे की अंगूठी में लहसुनिया जड़वाकर क्रमश मध्यमा और कनिष्ठा अंगुली में पहना दें। इससे भी लकवा रोगी को काफी राहत मिलसकती है।

तो कभी नहीं होगी गैस और एसीडिटी

समय-बेसमय भोजन करना, नींद पूरी न होना, अपच, ज्यादा तेल-मसाले का भोजन, जरूरत से ज्यादा भोजन आदि के कारण कब्ज और एसिडीटी की समस्या अब आम हो गई है। कब्ज और एसिडीटी के अलावा वायु विकार, मुंह में छाले, मुंहासे आदि भी कहीं न कहीं पेट से ही जुड़े हुए हैं। लंबे समय तक कब्ज, एसिडीटी आदि की समस्या कई बार घातक हो जाती है। यदि कुछ बातों का ध्यान रखा जाए तो पेट संबंधी समस्याओं को काफी हद तक दूर रखा जा सकता है।

- भोजन जब करें जब जमकर भूख लगी हो।
- कांसे की थाली में भोजन करें।
- खाने के तुरंत बाद कभी भी चाय-काफी आदि न पिएं।
- पके हुए बेल फल का शरबत पिएं लेकिन संतुलित मात्रा में।
- भोजन के बाद हिंगास्टक चूर्ण का संतुलित मात्रा में सेवन करें।
- भोजन में हरी सब्जियों और सलाद का सेवन अवश्य करें।
- भोजन में ज्यादा तेल-मसालों के उपयोग से बचें।
- भोजन करने के बाद वज्रासन में बैठें। रात्रि में बाईं करवट से ही सोएं।
- प्रतिदिन सुबह मार्निंग वॉक करें।
- सुबह उठकर 1-2 गिलास पानी पिएं, तांबे के लोटे में पानी भरकर उसे रात भर रखे और सुबह उसे पिएं ये बहुत फायदेमंद होता है।

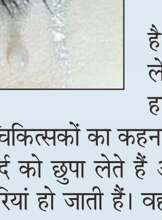

'आंसू' अच्छे भी होते हैं

कुछ लोग इतने संवेदनशील होते हैं कि बात-बात पर उन्हें रोना आ जाता है। आंसू तब निकलते हैं जब गम होता है और तब भी ज्यादा खुशी होती है। लेकिन यदि आपको बात बात पर रोना आता है तो सावधान हो जाइए क्योंकि हाल में शोधकर्ताओं ने पाया है कि रोने से उम्र में भी इजाफा होता है। मनोचिकित्सकों का कहना है कि पुरूषों के मुकाबले स्त्रियां अपनी उम्र को बढा लेती हैं। पुरूष अपने गम या दर्द को छुपा लेते हैं और उनके आंसू भी बहुत कम आते हैं, जिसके कारण उनको हृदय संबंधी बीमारियां हो जाती हैं। वहीं महिलाएं दुख हो या खुशी रोकर अपने मन को हल्का कर लेती हैं। इससे

स्वमूत्र : डेंड्रफ और मुहांसे दोनों से छुटकारा

बढ़ते प्रदूषण या खाने-पीने की अनियमितता के कारण मुहांसे व डेंड्रफ से होने वाली परेशानी आजकल युवाओं में एक आम समस्या है। मुंहासों के कारण चेहरे पर दाग धब्बे हो जाते हैं वहीं डेंड्रफ के कारण बाल बहुत अधिक झडने लगते हैं।साथ ही रूखे और बेजान दिखने लगते हैं। दोनों ही समस्याओं से छुटकारे के लोग तरह-तरह के शैम्पू लगाते हैं, तेल लगाते हैं और फिर भी ये समस्या बनी रहती है। हम जो आपको नुस्खा बता रहे हैं उसमें आपको पैसे खर्च करने की जरूरत ही नहीं है। मुफ्त में आप डेंड्रफ और मुंहासों का ईलाज कर सकते हैं। त्र+षि-मुनियों ने स्वमूत्र से उपचार की कई विधियां बताई हैं। आयुर्वेद की कई किताबों में स्वमूत्र के नुस्खे हैं जिसे अपनाकर पेट, केश, त्वचा सहित अन्य कई बीमारियों का ईलाज किया जा सकता है।

- स्वमूत्र को सिर के बालों की जड़ों में लगाकर पांच मिनट तक मालिश करके स्नान करें रूसी समाप्त हो जाएगी।
- स्वमूत्र के प्रयोग से मुंहासे भी ठीक हो जाते हैं। चेहरे पर स्वमूत्र लगाकर पांच-दस मिनट तक मसलें। आधे घंटे बाद धो लें।
- शेव करने के बाद स्वमूत्र लगाकर 15-20 मिनट मसाज करें। फिर आधे घंटे बाद धो लें। इससे चेहरे का रंग साफ होता है त्वचा चमकदार होती है।
- स्वमूत्र का प्रयोग करते समय साबुन का प्रयोग न करें।

कमर दर्द से पाइए मुक्ति

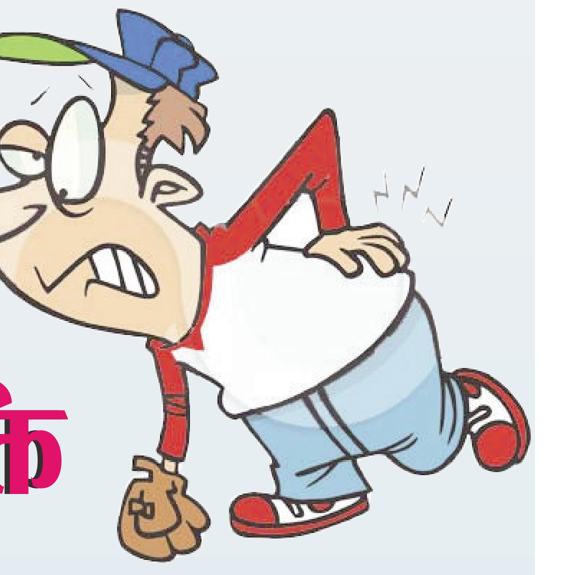

आजकल प्राय: यह देखने में आ रहा है कि 30 से 35 वर्ष की उम्र में आते ही लोग कमर दर्द की शिकायत करने लगते हैं। हमारे शरीर में कमर का ढांचा कुछ अलग है। कमर में 24 हड्डियां हैं जो एक–दूसरे के ऊपर दीवार बनाते समय रखी गई ईंटों के समान ही हैं। इन हड्डियों के बीच में कार्टिलेज व इलास्टिक तंतू की डिस्क रहती है जो कि हमें झटके के समय चोट से बचाती है। डिस्क हड्डियों के बीच में नहीं रहती है या घिस जाती है तो कमर का लचीलापन समाप्त हो जाता है और दर्द शुरू हो जाता है। इसका समय पर डॉक्टर और योग विशेषज्ञ की सलाह से इलाज शुरू कर लेना चाहिए।

कमर में दर्द होने का कारण

- कमर दर्द का मुख्य कारण मांसपेशियों पर अत्यधिक तनाव होता है।
- जोड़ों में खिंचाव से भी यह होता है।
- कैल्शियम की कमी से हड्डियां कमजोर हो जाती हैं।
- अधिक वजन होने से भी कमर दर्द होता है। प्रसव के बाद स्त्रियों को योगाभ्यास शुरू कर देना चाहिए।
- गलत तरीके से बैठने से कमर दर्द होता है। हमें सीधा बैठना व सीधा चलना चाहिए।
- लेटकर टी.वी. देखना, लेटकर पढ़ना भी दर्द का मुख्य कारण है।
- ऊंची हील के जूते पहनने से कमर दर्द हो सकता है।
- तनाव के कारण भी दर्द होता है।
- व्यायाम या योगाभ्यास नहीं करने वालों को भी कमर दर्द होता है।
- रसोईघर का प्लेटफार्म उपयुक्त ऊंचाई पर होना चाहिए अन्यथा दर्द हो सकता है।
- गलत तरीके से खड़ा रहना, कार चलाना, काम करना, व्यायाम करना, योगाभ्यास करना, सोना, भारी सामान उठाना आदि भी दर्द का कारण हो सकता है।
- कमर दर्द को रोकने के लिए निम्नलिखित क्रियाएं लाभदायक हैं।
- सीधा चलना, सीधा बैठना, लेटकर नहीं पढ़ना, टी.वी. आदि लेट कर नहीं देखना।
- भारी चीजों को या किसी सामान को नीचे से उठाते समय अपनी उम्र के अनुसार पहले घुटने को झुकाकर फिर उठाना चाहिए।
- कार चलाते वक्त सीट सख्त होना चाहिए व स्टेयरिंग के पास बैठना चाहिए।
- खड़े रहते समय पैरों के आगे के भाग पर वजन रखकर खड़े होना चाहिए।
- पेट के बल नहीं सोना चाहिए। करवट से सोते वक्त घुटने को थोड़ा मोड़कर सोना चाहिए।
- अधिक काम करने के बाद थोड़ा आराम करना चाहिए।

पीठ दर्द से छुटकारा पाने के लिए यह व्यायाम रोज करें

परफेक्ट बनने के चक्कर में औरतें हो रही हैं सुपरवुमन सिंड्रोम का शिकार

औरतें अपनी इमेज को लेकर काफी कॉन्शियस होती हैं। घर हो या दफ्तर हर जगह महिलाएं अपनी परफेक्ट इमेज बनाना चाहती हैं, लेकिन इसके कारण वो सुपरवुमन सिंड्रोम की गिरफ्त में आती जा रही हैं। यह एक तरह का मानसिक अवसाद है, जो परफेक्ट दिखने की होड़ में लगी महिलाओं में देखने को मिल रहा है। परफेक्ट दिखने का जुनून महिलाओं को धीरे-धीरे इस अवसाद की ओर धकेल रहा है। चलिए आपको बताते हैं कि क्या है यह सिंड्रोम और कैसे करें इससे बचाव।

क्या है सुपरवुमन सिंड्रोम?

एक्सपर्ट के मुताबिक, घर-परिवार की जिम्मेदारी हो या फिर करियर में कोई ऊंचा मुकाम पाना हो, आजकल की महिलाएं हर काम में एकदम फिट बैठना चाहती हैं। जिंदगी में हर भूमिका को अच्छे से निभाने की लत की वजह से ही महिलाएं सुपरवुमन सिंड्रोम का शिकार होती जा रही हैं। अगर वो किसी काम में चूक जाएं तो खुद को दोष देने लगती हैं। इतना ही नहीं, इसके चलते तो कभी-कभी महिलाएं डिप्रेशन का शिकार भी हो जाती हैं।

इन महिलाओं को अधिक खतरा

हाउसवाइफ, नई माताओं, कामकाजी महिला हो या सोशल एक्टिविस्ट, यह सिंड्रोम किसी भी महिला को हो सकता है। शोध के अनुसार, पढ़ाई में परफेक्ट बनने के चक्कर में 13 से 18 साल की लड़कियां भी इस सिंड्रोम से गुजर रही हैं।

सेरोटोनिन हो सकता है कारण

एक्सपर्ट की मानें तो महिलाओं में इस सिंड्रोम की एक वजह सेरोटोनिन नामक तत्व भी है। यह एक ब्रेन केमिकल है, जो उदासी को दूर करके एवं मूड को अच्छा बनाकर उसे तनावग्रस्त होने से बचाता है। मस्तिष्क में सेरोटोनिन की कमी पूरी करने के लिए आप दवाइयों और एस्ट्रोजन बढ़ाने वाले फूड का सेवन कर सकते हैं।

सुपरवुमैन सिंड्रोम के लक्षण

- एक परफेक्ट महिला की इमेज बनाकर रखना।
- तारीफ सुनने के लिए लोगों को खुश रखना।
- सर्वगुण सपन्न होने की भावना।
- किसी से ज्यादा बात न करना।
- दूसरों का ध्यान अपनी तरफ खींचना।
- कम आत्मसम्मान होना।
- परफेक्ट बनने की ज्यादा कोशिश करना।

ऐसे करें बचाव

आत्म-अनुशासन है जरूरी

इस सिंड्रोम से बचने के लिए आत्म-अनुशासन कारगार साबित हो सकता है। घर और ऑफिस के लिए समय निकालने के साथ खुद को भी टाइम दें। इस दौरान आप वो सब काम करें, जिससे आपको खुशी मिले।

प्राथमिकताओं को करें सुनिश्चित

एक वक्त में हर काम कर पाना या हर फील्ड में परफेक्ट हो पाना किसी के लिए भी संभव नहीं है। ऐसे में अपनी प्राथमिकताओं को कम करें और जरूरी चीजों पर ध्यान दें। जैसे कि अगर आप अभी-अभी मां बनी हैं तो यह समय पूरी तरह अपने बच्चे एवं मातृत्व को दें और ऑफिस वर्क को अवॉइड करें।

उम्मीदों को करें सीमित

भारतीय समाज में सिर्फ आसपास के लोग ही नहीं बल्कि खुद महिलाओं को भी स्वयं से कुछ ज्यादा ही उम्मीदें होती हैं। जो पूरी न होने पर सुपर वुमन सिंड्रोम जैसी मानसिक बीमारी को जन्म देती है। ऐसे में ये समझना बहुत जरूरी है कि आपकी अपनी भी कुछ सीमाएं हैं और आप हर काम नहीं कर सकती। अपने हिस्से उतना ही काम लें, जितना आपके लिए संभव हो।

दूसरों की मदद लेना

परफेक्ट दिखने के लिए अक्सर महिलाएं दूसरों की मदद लेने से हिचकिचाती है, लेकिन ऐसा करना बिल्कुल गलत है। अगर आपका वर्कलोड अधिक हो तो मदद मांगने से बिल्कुल न हिचकिचाएं, फिर चाहे बात ऑफिस की हो या घर की। साथ ही न कहना भी सीखें। अगर आपने यह गुण सीख लिया तो बहुत सी समस्याओं एवं बीमारियों से बची रहेंगी।

दिनचर्या में बदलाव

घर और ऑफिस के काम के चक्कर में महिलाएं न सही आहार लेती हैं और न ही व्यायाम करती है, जो कि इस सिंड्रोम का सबसे बड़ा कारण है। ऐसे में अपनी डेली लाइफ में व्यायाम, खासकर योगा को जगह दें। इससे दिमाग में हैप्पी हार्मोन रिलीज होते हैं, जिससे आप खुद को अधिक उर्जावान एवं खुश महसूस करती है।

स्वास्थ्य के लिए स्वस्थ डाइट भी है जरूरी

महिलाओं को अपने डाइट चार्ट में जरूरी पोषक तत्व जैसे ओमेगा-3, विटामिन्स, जिंक, प्रोटीन, कैल्शियम आदि शामिल करना चाहिए, ताकि वह स्वस्थ रहें। इसके लिए अपनी डाइट में हरी सब्जियां, फल, ओट्स, बीन्स, अंडा, दूध, नट्स, ब्रोकली, पालक, चिकन या मछली और गाजर जैसी चीजों का सेवन करें। इसके साथ ही शराब, जंक और प्रोसेस्ड फूड्स से परहेज करें।

अच्छी नींद भी है जरूरी

पूरा दिन काम करने के बाद आप देर रात तक काम या मोबाइल में ही उलझी रहती है। मगर शरीर एवं दिमाग को आराम देने के लिए जरूरी है कि आप 7-8 घंटे की नींद लें। ऐसे में रात को ज्यादा देर तक मोबाइल का यूज करने की बजाए सो जाएं।

रेसिपी

कोकोनट पुडिंग

सामग्री

- कच्चा नारियल : 3/4
- कच्चे नारियल का पानी: 1 कप
- दूध:1 कप
- कंडेंस्ड मिल्क:1/2 कप
- चीनी : 2 चम्मच
- खसखस (चाइना ग्रास पाउडर): 1/2 चम्मच
- पुडिंग बनाने के लिए सांचा

विधि

सबसे पहले ताजे नारियल से पानी निकालें। अब नारियल के भूरे हिस्से को हटाएं और सफेद हिस्से को मिक्सर में डालकर पीस लें। एक भारी तले वाले बर्तन में नारियल पानी लेकर खसखस पाउडर को घोल लें। इसे तब तक गर्म करें, जब तक कि खसखस पूरी तरह घुल न जाए। एक दूसरे बर्तन में कंडेंस्ड मिल्क और सामान्य दूध गर्म करें। साथ में चीनी भी मिलाएं। अब इसमें खसखस का मिश्रण एवं पिसा हुआ नारियल मिलाएं। इस मिश्रण को सांचे में डालें, फिर इसे रूम टेम्परेचर पर आने दें। इसके बाद 30 मिनट के लिए फ्रिज में रखें। अगर पुडिंग के सांचे से निकालने में दिक्कत हो रही है, तो चाकू से धीरे-धीरे निकालें और अपने मेहमानों में सर्व करें।

आलू का शीरा

सामग्री

- उबले आलू: 250 ग्राम
- चीनी: 100 ग्राम
- घी: 2 चम्मच
- इलायची पाउडर: 1/2 चम्मच
- कटे हुए सूखे मेवे: 3 चम्मच

विधि

उबले आलू का छिलका छीलकर उसे अच्छी तरह से मैश कर लें। कढ़ाही में घी गर्म करें और मैश किए हुए आलू को अच्छी तरह से भून लें। चीनी डालें और मिलाते हुए पकाएं। जब मिश्रण एक-सा हो जाए और चीनी घुल जाए तब उसमें इलायची पाउडर डाल दें। अब उसमें कटे हुए मेवे मिला दें। सर्विंग बाउल में निकालें। मेवों से सजा कर सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। यात्रा आवश्यक होगी। शुभांक-5-7-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-6-8-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-7-8-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): विवाद समाप्त होंगे। शुभ संदेशों से मन खिला-खिला रहेगा। परेशानीयां स्वत: ही दूर होती प्रतीत होगी। अध्ययन में रुचि पैदा होगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। स्त्री, संतान, मित्र के साथ मनोविनोद बढ़ेगे। शुभांक-4-6-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-4-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। विपरीत परिस्थितियों में भी हानि नहीं होगी। शुभांक-3-6-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-3-6-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): जीवनसाथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंग। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। इच्छित कार्य पूर्ण होंग। शुभांक-3-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। कुछ भ्रामक धारणाओं का खंडन होगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-2-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान रहेगा। शुभांक-3-5-7

लॉफिंग ज़ौन

जज- तुम्होर विरूद्ध तीन बार जाली नोट छापने का आरोप है।
मुल्जिम- मुझसे घोखा हुआ है।
जज- क्या मतलब ?
मुल्जिम- मुझे पैसे केवल दो बार के दिए गए है।

□ □ □

एक चर्च का निर्माण हो रहा था कि एक मजदूर काफी ऊंचाई से गिर गया, उसकी जान तो बच गई लेकिन चोटें बहुत आई।
एक फादर जो दूर खडे हुए उसे गिरता देख रहे थे, दौडकर उसके पास आये और उसे जिंदा पाकर बोले- खुदा तुम्हारे साथ था बेटे।
मजदूर कराहते हुए बोला- हां कोई न कोई जरूर मेरे पास था वरना मुझे धक्का कौन देता।

□ □ □

पत्नी ने अपने सैल्समैन पति से कहा- जब तुम काम के सिलसिले में बाहर चले जाते हो तो मुझे हमेशा घबराहट होती रहती है।
पति- घबराओं नही मैं इतनी जल्दी वापस आंऊगा कि तुमको पता ही नही चलेगा।
पत्नी- तुम्हारी यही हरकत तो मेरी

काकुरो पहेली - 4082

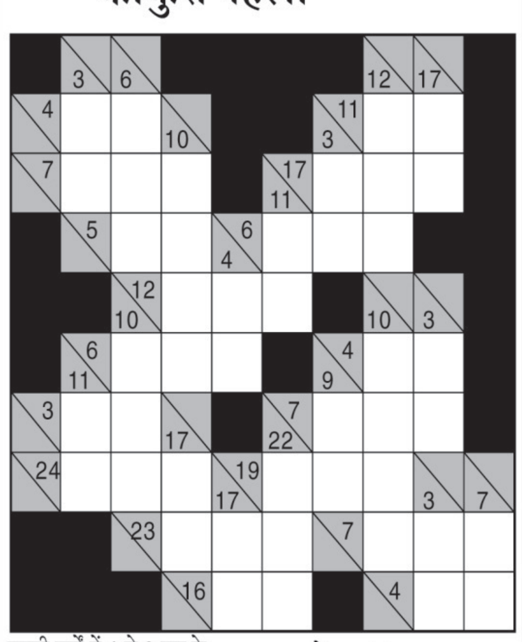

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

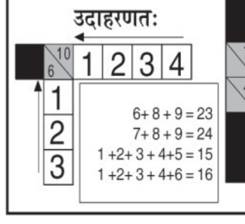

काकुरो - 4081 का हल

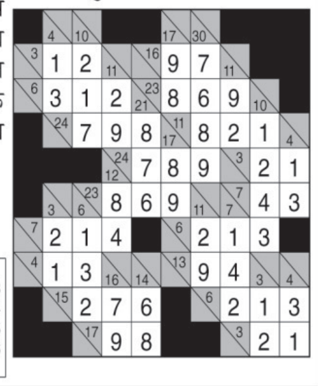

फिल्म वर्ग पहेली- 4082

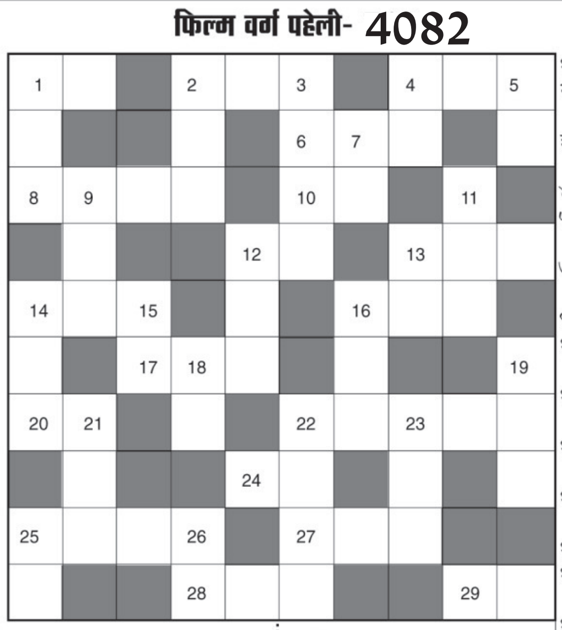

ऊपर से नीचे:-

१. सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
२. संजयदत्त, जूही चावला की 'आलारे पाउस अला' गीत वाली फिल्म-३
३. आशुतोष गोवारीकर की बहुचर्चित फिल्म 'लगान' के संगीतकार कौन है-४
४. जीतेंद्र, रीना रामेश्वरी की फिल्म-२
५. संजय खान, मुमताज की 'ऐ हसीनों नाजनीनों' गीत वाली फिल्म-२
७. 'दिल मेरा अकेला' गीत वाली आमिर, फैजल, ट्विंकल की फिल्म-२
९. फिल्म 'मन की आँखें' की नायिका थी-३
११. शाहरूख, माधुरी की 'बड़ी मुश्किल है' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'गोरिया रे गोरिया रे' गीत वाली जैकी, जूही, अमृता की फिल्म-३
१३. राजकपूर, नर्गिस की 'काहे कोयल शोर मचाये' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'तन्हा तन्हा दिल धड़के' गीत वाली अक्षय कुमार, सोनाली की फिल्म-३
१५. 'अभिमान' में अमिताभ की नायिका-२
१६. राज बब्बर, रेखा की 'राधारानी ना जइयो' गीत वाली फिल्म-३
१८. राजेश खन्ना, बबीता की फिल्म-२
१९. 'बेचारा दिल क्या करे' गीतवाली फिल्म-३
२१. धर्मेन्द्र, राजेश खन्ना, वहीदा की फिल्म-३
२२. 'कोयल बोली दुनिया डोली' गीत वाली फिल्म-४
२३. अमिताभ, संजीव, शर्मिला की फिल्म-३
२५. 'मैं तो हुँ पागल मुंडा' गीत वाली फिल्म-२
२६. संजयदत्त, सलमान, रवीना की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. मनोज वाजपेयी, अरशद, तब्बू, की 'बाब मेरी ये' गीत वाली फिल्म-२
२. 'जीवन से भरी' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
४. सुनील शेट्टी, शिल्पा शेट्टी की 'हैलो हैलो बोलके' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ऐसा मिलन कल हो ना' गीत वाली सैफअली, काजोल की फिल्म-३
८. कुमार गौरव, विजयेता की 'याद आ रही है' गीत वाली फिल्म-२,२
१०. 'आँखें' ती नायिका कौन थी-२
१२. 'दिल में छुपाके प्यार' गीत वाली दिलीपकुमार, निम्मी की फिल्म-२
१३. दिलीपकुमार, मीना की 'राधा ना बोले ना' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'किसी से तुम' गीत वाली लारा दत्ता, प्रियंका, अक्षय की फिल्म-३
१६. राजकपूर, राजेंद्र, वैजयंती की 'मैं क्या करूंराम' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'छूकर मेरे मन को' गीत वाली अमिताभ, अमजद, नीतू की फिल्म-३
२०. फिल्म 'कहानी किस्मत की' में धर्मेंद्र के साथ नायिका कौन थी-२
२२. नसीर, आमिर, सौनाली, उपासना की 'जो हाल दिल' गीत वाली फिल्म-५
२४. 'दिल में जागी धड़कन' गीत वाली लक्की अली, गौरी की फिल्म-२
२५. अशोककुमार के गाये बालगीत 'रेलगाड़ी रेलगाड़ी' वाली फिल्म-४
२७. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी देओल, अमीषा की फिल्म-३
२८. संजयदत्त, मनीषा की 'कसम से कसम से' गीत वाली फिल्म-३
२९. अजय, अभिषेक, रानी, एशा की 'कभी नीम नीम' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4081

ध	ड़	क	न		को		सें	स	र
र्मा		र्ज		मो	ह	ब		द	
	कं		आ		ब	ज	कु	मा	र
अ	प	ना	प	न			ली		न
	नी		की		ओ	म		हि	
चे		ता	क	त		म	हा	ब	जा
त	ब्बू		स		दा	ता		स	
ना		प्रे	म	रो	ग		सौ	त	न
	द	म		श		स	दा		ग
म	र्द		जा	न	व	र		हे	मा

सूडोकु 4082

2		8	5	1	9	6		7
					8			1
		7	4	6		8		9
3	2				7			8
1		9		4		7		5
4			2				9	3
6		3		5	1	9		
8			3					
7		1	9	2	6	3		4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4081 हल

7	1	9	8	5	3	2	6	4
4	5	3	6	2	9	7	1	8
6	2	8	4	7	1	9	5	3
9	8	2	7	3	5	1	4	6
1	3	6	9	4	8	5	7	2
5	7	4	1	6	2	8	3	9
8	4	7	5	9	6	3	2	1
3	6	1	2	8	7	4	9	5
2	9	5	3	1	4	6	8	7

शब्द पहेली -4082

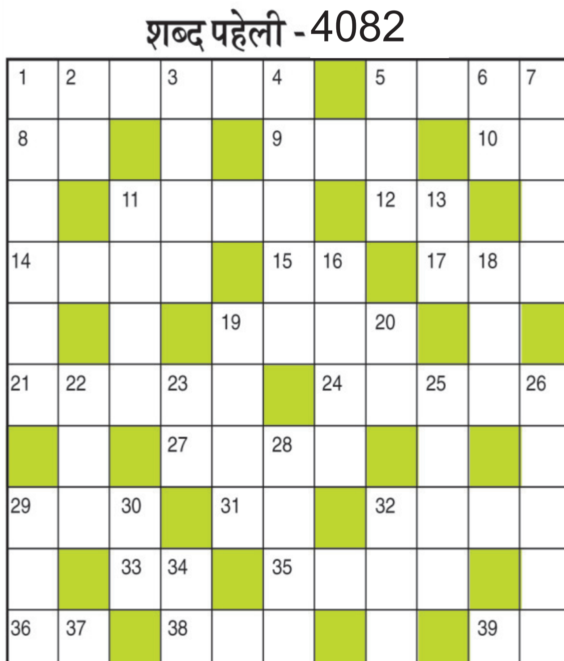

बाएँ से दाएँ

1.अत्यावश्यक-6
5.कारागार,जेल-4
8.पानी,नीर-2
9.मीन,मत्स्य-3
10.लक्ष्मी,कमला-2
11.कलाकार,फनकार-4
12.मर्द,मादा का विलोम-2
14.हसरत,मुराद-4
15.कैद में,अवरुद्ध,रुका-2
17.भूमि,धरती-3
19.मतवासा,मदहोश-4
21.फिल्मी दुनिया-3,3
24.दुर्भाग्यशाली-5
27.ठोकर लगना,भिड़ना-4
29.दौंडी पीटना-3
31.सांप,सर्प-2
32.दाल-4
33.हूर,अप्सरा-2
35.गाड़ी चलाने वाला-4
36.पिता का छोटा भाई-2
38.पुत्र,बेटा-3
39.टौंटी,नलका-2
40.ललचाना,तड़फाना-4
41.टाऊन हाल, नागरिक भवन-2,4

ऊपर से नीचे

1.ईश्वर,अनश्वर-3,3
2.तेलहन-2
3.सुखद वस्तु, वर देना-4
4.करधनी,कमर पेटी-5
5.गलीचा-3
6.दिन-2
7.समस्या का हल-4
11.धरोहर,थाती-4
13.मिट्टी,धूल-2
16.चमकना-4
18.वायुसेना का एक विमान-3
19.इतराना-4
20.परत-2
22.जाप करना-3
23.किवाड़,द्वार-2
25.उदाहरणतः-4
26.परवरिश-3,3
28.राग छेड़ना-5
29.भेंट,मेल-मिलाप-4
30.दिया,दीपक-2
32.औषधालय, दवाखाना-4
34.खाली होना-3
37.छोटी सवारी गाड़ी-2
39.नया,नवीन-2

शब्द पहेली -4081 हल

	बि	रा	द	री		ज	य	मा	ला	
बि	ल		श		का	य	म		श	व
रा		म	ह	क	ना		ज	रा		र्त
द	र	द	रा			सा		ग	रि	मा
र		हो		व	सु	ध	र		या	न
	कु	श	ल		दा		जा	य	ज	
मि	ली		क	रा	मा	त		म		अ
ला	न	त		त			प	रा	धी	न
व		ल	ता		अ	च	र	ज		ब
ट	ब		ली	न	ता		तं		मी	न
	स	ला	म	त		मि	त्र	व	त	

देश को बदलते हुए 140 करोड़ लोगों ने देखा : कैलाश विजयवर्गीय

एजेंसी

भोपाल । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के शासनकाल के 11 साल पूरे होने पर मध्य प्रदेश के नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा है कि देश की 140 करोड़ जनता ने देश को बदलते हुए देखा है। मोहन यादव सरकार के मंत्री विजयवर्गीय ने कहा है कि यह स्वर्णिम 11 साल है, देश को बदलते हुए 140 करोड़ लोगों ने देखा है। देश की सेना को ताकतवर होते हुए देखा है, देश को आर्थिक रूप से मजबूत होते हुए देखा है, प्रति व्यक्ति आय बढ़ी है, गरीबों की संख्या कम हुई है। दरअसल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2014 में भाजपा केंद्र की सत्ता में आई थी और लगातार तीन बार भाजपा के नेतृत्व में एनडीए ने जीत हासिल की है। इसके साथ ही पीएम मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय शासनकाल के 11 साल पूरे हो गए हैं। भाजपा इन 11 साल को 11 साल सेवा के तौर पर मान रही है। इसके लिए विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं और सरकार व संगठन विविध कार्यक्रमों का आयोजन कर रहे हैं। राज्य के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मोदी सरकार के 11 साल के शासनकाल को लेकर कहा था, सेवा, सुशासन एवं गरीब-कल्याण के सफलतम 11 साल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 11 वर्षों का सेवाकाल विकसित भारत के संकल्प-सिद्धि की मजबूत आधारशिला है। इन वर्षों में गरीब, किसान, महिला, युवा सहित हर वंचित वर्ग के जीवन में आए सकारात्मक बदलाव को हम सभी महसूस कर रहे हैं।

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ के नेतृत्व में झोटवाड़ा में 'वंदे गंगा' जल संरक्षण - जन अभियान की शुरुआत

जयपुर। कैबिनेट मंत्री, राजस्थान सरकार और झोटवाड़ा के लोकप्रिय विधायक कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ के यशस्वी नेतृत्व में जल संरक्षण, स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण को जन-आंदोलन का स्वरूप देने हेतु झोटवाड़ा में 'वंदे गंगा - जल संरक्षण जन अभियान' की शुरुआत की गई है। यह अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जी के प्रेरणादायी मार्गदर्शन में आयोजित इस अभियान का उद्देश्य न केवल जल स्रोतों की रक्षा करना है, बल्कि आमजन को इस पुनीत कार्य में सहभागी बनाकर स्थायी जल प्रबंधन, वृक्षारोपण, और स्वच्छता अभियान को गति देना है। इस अभियान के अंतर्गत बायोडाइवर्सिटी पार्क, गोविन्दपुरा, झोटवाड़ा में वृक्षारोपण हेतु श्रमदान एवं तुलसी पौधारोपण किया गया। प्रकृति के संरक्षण व संवर्धन के इस पुनीत प्रयास में क्षेत्रवासियों, छात्रों, और जनप्रतिनिधियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने इस अवसर पर कहा कि जल ही जीवन है और प्रकृति हमारी धरोहर। इस अभियान के माध्यम से हम आने वाली पीढ़ियों के लिए एक समृद्ध, स्वच्छ और जलसंपन्न भारत का निर्माण करेंगे। यह केवल सरकार का नहीं, हम सभी का साझा संकल्प है।

बिहार मंत्रिमंडल की बैठक में 22 प्रस्तावों की मंजूरी, पंचायतों में 8,093 लिपिकों की होगी बहाली

पटना । बिहार में पंचायती राज व्यवस्था को दुरुस्त करने, पंचायत स्तरीय योजनाओं के सफल क्रियान्वयन तथा समुचित अभिलेखन के लिए ग्राम पंचायत कार्यालय और पंचायत राज अभियंत्रण संगठन कार्यालय के लिए जल्द ही 8,093 लिपिकों की बहाली की जाएगी। बिहार मंत्रिमंडल की सोमवार को हुई बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई बैठक में विभिन्न विभागों से जुड़े कुल 22 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है। मंत्रिमंडल की बैठक के बाद मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग के अपर मुख्य सचिव एस सिद्धार्थ ने पत्रकारों को बैठक की जानकारी देते हुए बताया कि मंत्रिमंडल की बैठक में कई बड़े फैसले लिए गए हैं। बिहार सरकार की महिला सरकारी सेवकों को उनके पदस्थापना स्थल के निकट अवसान सुविधा उपलब्ध कराने की नीति के निर्धारण प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है। मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग के अंतर्गत वायुयान संगठन निदेशालय में विभिन्न श्रेणी के चार नियोजन आधारित पदों को सृजित किया गया है। वहीं पटना के जयप्रकाश नारायण अस्पताल में स्पोर्ट्स इंजरी इकाई की स्थापना एवं संचालन के लिए 36 नए पदों को सृजित किया गया है।

सरकार विकास के लिए कृतसंकल्पित : मंजू शर्मा

जयपुर। केन्द्र व राज्य की भारतीय जनता पार्टी सरकार जनहित और क्षेत्रीय विकास के लिए प्रतिबद्ध है। इसी भावना के तहत गंगवाल पार्क में टी-प्वाइंट से जेएलएन मार्ग तक बीटी व इंटरलॉकिंग टाइल्स कार्य का शिलान्यास किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जयपुर सांसद मंजू शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मानना है कि मोहल्लों के सशक्तिकरण और आधारभूत सुविधाओं के विकास से ही समग्र राष्ट्र निर्माण संभव है। इस दिशा में केंद्र और राज्य सरकार मिलकर काम कर रही हैं। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि स्थानीय विधायक कालीचरण सर्राफ ने कहा कि इस क्षेत्र में ग्रेटर नगर निगम जयपुर के साथ 'ट्रिपल इंजन' की सरकार सक्रिय है, जिससे विकास की गति और तेज होगी। उन्होंने गंगवाल पार्क कॉलोनी में ष्टष्टञ्जङ्क कैमरे लगाने की घोषणा भी की। साथ ही आश्वासन दिया कि शीघ्र ही यहां की विद्युत लाइनों को अंडरग्राउंड किया जाएगा, जिससे कॉलोनीवासियों को अतिरिक्त सुविधा मिलेगी।

तुष्टिकरण नहीं, संतोष के लिए भारत सरकार काम कर रही है : सीएम योगी

जेंसी

लखनऊ । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के 11 साल पूरे होने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भाजपा मुख्यालय में उपलब्धियों का ब्यौरा दिया। उन्होंने कहा कि तुष्टिकरण नहीं, संतोष के लिए भारत सरकार काम कर रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले 11 सालों में विकास केवल नारे नहीं हैं, बल्कि विरासत और विकास का समन्वय करते हुए आम जनता को साथ लेकर चलते हुए दुनिया में नई पहचान दिलाई गई है। अब सरकारी योजनाओं का लाभ चेहरा देखकर नहीं, बल्कि जरूरत देखकर मिलता है। अब तुष्टिकरण के आधार पर नहीं, बल्कि संतोष के आधार पर कार्य योजना बनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार, तुष्टिकरण और

परिवारवाद से मुक्त होकर, पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत ने विकास और आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। अगले 25 सालों के लिए कार्ययोजना बनाकर, इन 11 सालों में भारत ने न केवल सामाजिक और सांस्कृतिक पक्ष में, बल्कि सेवा, सुशासन और आर्थिक मोर्चे पर भी नई पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने हर वर्ग के लिए काम किया है। वंशवाद की राजनीति समाप्त हुई, नारी शक्ति वंदन अधिनियम से लेकर एनडीए में भर्ती तक महिलाओं को अधिकार मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबासाहेब अंबेडकर के बनाए संविधान का सम्मान हो रहा है, पहली बार संविधान दिवस मनाया जा रहा है। 2014 के पहले अविश्वास का भारत था, पिछले 11 वर्ष में भारत चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बन गया है। आज जब 11 वर्ष केंद्र सरकार के हो रहे हैं तो जापान को पछाड़कर चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बना है, भारत ने अपनी प्रति व्यक्ति आय बढ़ाई है, आज प्रति व्यक्ति आय लगभग ढाई लाख हुई है।

बंगाल में महालया के दिन होगा संघ शताब्दी समारोह का प्रमुख आयोजन

एजेंसी

कोलकाता। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने अपनी स्थापना के सौ वर्ष पूरे होने पर आयोजित होने जा रहे सबसे बड़े आयोजन में बंगाल के लिए विशेष व्यवस्था बनाई गई है। विजयादशमी पर होने वाला यह महत्त्वपूर्ण कार्यक्रम बंगाल में महालया (नवरात्र की पूर्व संध्या) के दिन होगा। इसे बंगाली भावनाओं को सम्मान देने की एक रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है। आरएसएस सूत्रों के अनुसार, विजयादशमी पर संघ प्रमुख का उद्बोधन देशभर में स्वयंसेवकों के लिए सबसे महत्त्वपूर्ण वार्षिक कार्यक्रम होता है। इसमें संगठन की वर्षभर की गतिविधियों की समीक्षा और आगे की नीतियों की दिशा तय होती है। इस वर्ष यह आयोजन और अहम है क्योंकि आरएसएस इस साल अपनी स्थापना के सौ वर्ष पूरे कर रहा है। हालांकि बंगाल में हर साल विजयादशमी पर यह आयोजन करना संभव नहीं होता क्योंकि स्वयंसेवक दुर्गापूजा और विजयदशमी में स्थानीय रूप से व्यस्त रहते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए इस बार बंगाल के लिए एक वैकल्पिक दिन चुना गया है- महालया। संघ ने स्पष्ट किया है कि बंगाल के स्वयंसेवकों को केवल भागवत का भाषण सुनना अनिवार्य होगा लेकिन उस दिन बड़े स्तर की रैली या अन्य आयोजन की आवश्यकता नहीं है। दक्षिण बंगाल प्रांत के प्रचार उप प्रमुख बिप्लव राय ने बताया कि संघ हमेशा से बंगाल के प्रति विशेष श्रद्धा भाव रखता है। संघ के संस्थापक डॉक्टर हेडगेवार जब कोलकाता मेडिकल कॉलेज में पढ़ाई कर रहे थे, तभी उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लेना शुरू किया था। वह अनुशीलन समिति से जुड़े और पुलिन बिहारी दास के अखाड़े में लाठी चलाना सीखा।

बनास नदी में पसरा मातम, 8 युवकों की डूबने से मौत, 3 सुरक्षित

एजेंसी

जयपुर। जयपुर घाट गेट से बनास नदी में नहाने गए 11 युवकों में से 8 की दुखद रूप से डूबने से मौत हो गई है। यह हृदय विदारक घटना टोंक जिले में बनास नदी के किनारे हुई, जहाँ खुशियों की तलाश में आए इन युवाओं को काल ने अपनी आगोश में ले लिया। हादसे में 3 युवक सुरक्षित बाहर निकाल लिए गए हैं। दर्दनाक मंजर और कोहराम

यह खबर सुनते ही टोंक से लेकर जयपुर तक शोक की लहर दौड़ गई। जिन घरों से हँसते-खेलते युवा निकले थे, वहाँ अब चीख-पुकार और मातम का माहौल है। स्थानीय लोगों की मदद से सभी शवों को बनास नदी से बाहर निकाला गया। यह मंजर इतना दर्दनाक था कि देखने वालों की रूह काँप उठी।

अस्पताल में भारी भीड़

सभी 8 शवों को सआदत अस्पताल लाया गया है, जहाँ उन्हें मोर्चरी में रखवाया गया है। अस्पताल परिसर में भारी भीड़ जमा है, जिनमें मृतकों के परिजन और परिचित शामिल हैं। हर आँख नम है और हर चेहरा इस असहनीय पीड़ा में डूबा है। टोंक के पुलिस अधीक्षक विकास

सागवान और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बृजेंद्र भाटी सहित अन्य अधिकारी अस्पताल में मौजूद हैं, जो स्थिति का जायजा ले रहे हैं और परिजनों को ढाँढस बँधा रहे हैं।

एक और हादसा, गहरा ज़ख्म

बनास नदी में यह कोई पहला हादसा नहीं है। यह घटना एक बार फिर नदी किनारे सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है। इन 8 जिंदगियों का असमय चले जाना सिर्फ उनके परिवारों के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे समुदाय के लिए एक गहरा और कभी न भरने वाला ज़ख्म छोड़ गया है। यह हादसा कई परिवारों के सपनों को चूर-चूर कर गया है।

विकसित भारत का अमृत काल, सेवा सुशासन व गरीब कल्याण के 11 साल: अनुराग सिंह ठाकुर

एजेंसी

चंडीगढ़। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा नीत एनडीए की केंद्र सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा देश भर में विकसित भारत का अमृतकाल-- सेवा सुशासन व गरीब कल्याण के 11 साल के रूप में मनाया जा रहा है। इसी संबंध में हमीरपुर के सांसद एवम पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने आज भारतीय जनता पार्टी चंडीगढ़ के प्रदेश कार्यालय कमलम में एक प्रेस वार्ता को संबोधित किया। इस वार्ता में उनके साथ प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र पाल मल्होत्रा, मेयर हरप्रीत कौर बबला, प्रदेश उपाध्यक्ष एवं कार्यक्रम के संयोजक कैलाश चन्द जैन, सह संयोजक मनीष शर्मा , नरेश अरोड़ा, इंदिरा सिंह,तथा अभय झा सहित अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।इस अवसर पर अनुराग ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में बीते 11 वर्षों में सेवा सुशासन और गरीब कल्याण के मार्ग पर ऐतिहासिक प्रगति की है उनके मजबूत और निर्णायक नेतृत्व में भारत हर चुनौती का सामना करते हुए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का साहस दिखा रहा है। हमारी सीमाएं सुरक्षित है। भारत एक उभरती हुई वैश्विक शक्ति

बन चुका है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सब का साथ ,सबका विकास, सबका प्रयास ,सबका विश्वास मंत्र ने देश को विकास की मुख्य धारा से जोड़ा है । आज देश का हर वर्ग और हर क्षेत्र एक सांझा संकल्प के साथ विकसित भारत के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है ।भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तानी धरती पर 9 आतंकवादी कैंप और 11 एयरबेस तबाह कर दुनिया में भारत की ताकत का डंका बजाया और दुनिया को भारत की ताकत से अवगत करवाया है। इसके विपरीत कांग्रेस के शासनकाल में आतंकवादियों का सम्मान तक किया जाता रहा था सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में पिछले 11 वर्षों में सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के साथ केंद्र की एनडीए सरकार ने भारत के आम जनमानस के हित व ग़रीब कल्याण के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य किए हैं। केंद्र सरकार पिछले 11 वर्षों से गरीबों और वंचितों के जीवनस्तर को बेहतर बनाने, उन्हें उचित अधिकार व सुनहरे अवसर प्रदान करने की दिशा में सराहनीय प्रयास कर रही है।

स्मृति ईरानी ने गिनाईं मोदी सरकार की उपलब्धियां, भाजपा के संकल्प को सराहा

एजेंसी

रांची । भाजपा नेता स्मृति ईरानी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 11 सालों की उपलब्धियों को गिनाया। उन्होंने दावा कि पीएम मोदी की अगुवाई में सरकार ने हर वर्ग के लिए कार्य किया। किसानों के लिए सॉइल हेल्थ कार्ड, महिलाओं को सेना में स्थायी कमीशन से लेकर जन धन योजना तक का जिक्र किया। स्मृति ने कहा, ÷भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पांच मूल निष्ठाओं–राष्ट्रीयता, लोकतंत्र में विश्वास, गरीब-वंचितों के प्रति गांधीवादी सोच, सर्व धर्म समभाव और मूल्य आधारित राजनीति पर चलती है। पीएम मोदी की सरकार में ये निष्ठाएं दिखाई देती हैं, जिससे भाजपा कार्यकर्ता और समर्थक अभिभूत हैं। स्मृति ने बताया कि पिछले 11 सालों में 50 करोड़

लोगों के जन-धन खाते खोले गए। यह पीएम मोदी का अनोखा प्रयास है, जिसने गरीबों को देश की तिजोरी से जोड़ा। इसके जरिए 45 लाख करोड़ रुपये डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से गरीबों के खातों में पहुंचे। पीएम मोदी का संकल्प बहुआयामी गरीबी को खत्म करना है। नतीजतन, 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकलकर तेजी से प्रगति के रास्ते पर हैं। कोविड-19 के दौरान भारत की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए स्मृति ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में न सिर्फ भारत में वैक्सीन बनाई गई, बल्कि हर नागरिक तक इसे पहुंचाया गया। वसुधैव कुटुंबकम की भावना के तहत 160 देशों को भारत ने वैक्सीन मैत्री के जरिए मदद दी। उन्होंने कहा कि 81 करोड़ भारतीयों को मुफ्त अनाज देना एक ऐसी उपलब्धि है, जो दुनिया में कहीं और संभव नहीं हुई।स्मृति ने गरीबों के कल्याण पर जोर देते हुए कहा कि हर गरीब का सपना होता है कि उसके पास छत हो। पीएम मोदी ने 15 करोड़ घरों में स्वच्छ पानी पहुंचाया और 4 करोड़ गरीब परिवारों को पक्का घर दिया। खास बात यह है कि 73 प्रतिशत घरों की चाबी महिलाओं के हाथ में सौंपी गई। उन्होंने उज्ज्वला योजना का जिक्र किया, जिसके तहत 12 करोड़ गरीब महिलाओं को गैस कनेक्शन मिला। स्वच्छ भारत अभियान के तहत 12 करोड़ शौचालय बनाए गए, जिससे महिलाओं और परिवारों का सम्मान बढ़ा। स्मृति ने झारखंड की भाजपा इकाई की ओर से पीएम का आभार जताया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार में 60 प्रतिशत से ज्यादा मंत्री एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग से हैं, जो समाज के हर वर्ग का प्रतिनिधित्व दर्शाता है। धारा 370 हटाने को राष्ट्रीयता के संकल्प की जीत बताया।

शहीद एएसपी आकाश गिरपुंजे को दिया गया गार्ड ऑफ ऑनर, पत्नी ने रोते हुए सैल्यूट किया

एजेंसी

रायपुर। सुकमा नक्सली आईईडी ब्लास्ट में बलिदान हुए हुए एएसपी आकाश राव गिरपुंजे को रायपुर के माना पुलिस बटालियन में सुबह गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। माहौल उस समय बेहद गमगीन हो गया जब उनकी पत्नी, पुत्र और मां ने उन्हें रोते हुए सैल्यूट कर अंतिम विदाई दी, वहीं उनके पिता बिलखते रहे। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह, उप मुख्यमंत्री अरुण साव और विजय शर्मा सहित छत्तीसगढ़ शासन के अधिकारियों एवं पुलिस अधिकारियों ने भी उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इससे पहले उनकी अंतिम यात्रा आज सुबह कुशालपुर स्थित निवास से निकली। लोगों ने जब तक सूरज चांद रहेगा आकाश तेरा नाम रहेगा के नारों के साथ उन्हें विदाई दी। अंतिम यात्रा में रायपुर कलेक्टर के साथ छत्तीसगढ़ शासन के वरिष्ठ अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुए। माना पुलिस बटालियन से शहीद आकाश गिरपुंजे के पार्थिव शरीर को गार्ड आफ ऑनर देने के बाद महादेव मुक्तिधाम ले जाया गया। उनकी अंतिम यात्रा में मुख्यमंत्री, विधानसभा अध्यक्ष तथा दोनों उप मुख्यमंत्रियों ने पार्थिव देह को कंधा दिया। उल्लेखनीय है कि सुकमा में नक्सली आईईडी विस्फोट में सोमवार को रायपुर के रहने वाले अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) आकाश गिरपुंजे बलिदान हो गए। उनके परिवार में उनकी पत्नी, माता-पिता और और दो छोटे बच्चे हैं।

राजा रघुवंशी की हत्या में शामिल आरोपियों को पकड़ने के लिए पुलिस ने शुरू किया था 'ऑपरेशन हनीमून'

एजेंसी

शिलॉन्ग । राजा रघुवंशी हत्याकांड में संलिप्त आरोपियों को पकड़ने के लिए मेघालय पुलिस ने जिस ऑपरेशन की शुरुआत की थी, उसका नाम 'ऑपरेशन हनीमून' दिया गया था। इस बात की जानकारी खुद पुलिस ने दी है।

मेघालय पुलिस ने बताया कि मामला काफी पेचीदा था इसलिए हमने इसे एक ऑपरेशन की तरह ट्रीट किया, जिसका नाम 'ऑपरेशन हनीमून' दिया गया। इस मामले में संलिप्त कई आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जिनसे पूछताछ जारी है। पुलिस के मुताबिक, राजा रघुवंशी की शादी के तुरंत बाद ही उसे मौत के घाट उतारने का प्लान तैयार हो चुका था और यह प्लान किसी और ने नहीं, बल्कि उसकी नई नवेली पत्नी सोनम ने ही राज कुशवाहा के साथ मिलकर रची थी। साजिश के तहत यह कपल

शिलॉन्ग पहुंचा था। 21 मई को शिलॉन्ग पहुंचने के बाद इस कपल ने 22 मई को चेरापूंजी में जाकर एक होमस्टे लिया। कपल के साथ ही हत्याकांड में संलिप्त अन्य आरोपियों ने भी वहां पर होमस्टे लिया। लेकिन, इस बात की बिल्कुल भी भनक राजा रघुवंशी को नहीं थी।

मेघालय पुलिस की मानें तो, प्लान के तहत तीन आरोपियों ने राजा को पकड़ा और विक्की नाम के एक आरोपी ने इसके बाद उस पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। राजा को मौत के घाट उतारने के बाद सभी आरोपी वहां से फरार हो गए। लेकिन, सीसीटीवी कैमरे में यह सबकुछ कैद हो गया। इसके बाद सोनम इंदौर पहुंची, जहां उसने राज कुशवाहा से संपर्क किया। इसके बाद सोनम उत्तर प्रदेश पहुंची। सोनम ने हनीमून के दौरान की कोई भी तस्वीर सोशल मीडिया पर पोस्ट नहीं की थी, जिससे किसी पर कोई शक हो। लेकिन, मौका-ए-वारदात से मिली हत्यारे आकाश की जैकेट ने जांच की राह आसान बना दी। दरअसल, यह जैकेट सोनम ने ही आकाश को दी थी, जिस पर खून के धब्बे के निशान भी मिले। राजा पर आरोपी विशाल ने पहला वार किया था। इसके बाद अन्य आरोपियों ने हमले किए थे। पुलिस का कहना है कि गुवाहाटी पुलिस स्टेशन के पास से इस हत्याकांड में शामिल हथियार भी बरामद हुआ है।

संजय राउत का मोदी सरकार पर हमला, कहा- 'विदेश नीति बर्बाद, देश कमजोर हुआ'

एजेंसी

मुंबई । शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के पहले साल को नाकाम बताया और विदेश नीति, सुरक्षा, और बुनियादी सुविधाओं को लेकर गंभीर सवाल उठाए। राउत ने कहा कि मोदी का तीसरा कार्यकाल शुरू हो चुका है। लेकिन, पहले साल में कुछ खास नहीं हुआ। उन्होंने दावा किया कि मोदी की 'नंबर्स की राजनीति' 240 सीटों पर अटक गई और उनकी दूसरी योजनाएं भी अधूरी रह गईं। राउत ने पूछा, यह साल बेमिसाल नहीं है, आखिर क्या हुआ? उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले 10 साल में देश की दिशा और दशा खराब हो गई। इस साल 26 महिलाओं का सिंदूर

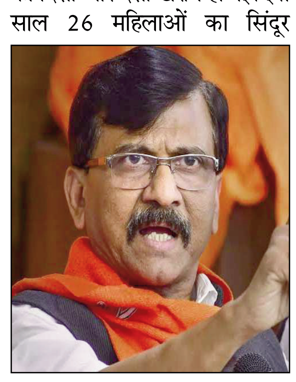

उजड़ा, लेकिन मोदी चुप हैं। राउत ने कहा कि पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध की घोषणाएं की गईं, मगर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।उन्होंने मोदी सरकार पर देश को कमजोर करने का आरोप लगाया। राउत ने कहा, 70 साल में देश ने ऐसी लाचारी नहीं देखी, जो मोदी के कार्यकाल में देखने को मिली। देश छोटे-छोटे देशों और कनाडा के सामने घुटने टेक रहा है। उन्होंने विदेश नीति को पूरी तरह बर्बाद बताया और दावा किया कि पाकिस्तान को चीन, रूस, तुर्की, अजरबैजान, अमेरिका, आईएमएफ, और एशियाई विकास बैंक ने समर्थन दिया, जबकि भारत जवाब देने में नाकाम रहा। राउत ने संसद के विशेष सत्र की मांग का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि शिवसेना (यूबीटी) ने पाकिस्तान को चार टुकड़ों में बांटने और उसकी हरकतों का जवाब देने की मांग की थी। लेकिन, सरकार ने कुछ नहीं किया। उन्होंने विदेश भेजे गए प्रतिनिधिमंडलों को राजनीतिक आयोजन करार दिया और कहा कि वह जल्द ही केंद्रीय मंत्रियों और प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों से मुलाकात कर उनका फीडबैक लेंगे। संजय राउत ने बुलेट ट्रेन परियोजना पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि मुंबई से अहमदाबाद तक बुलेट ट्रेन पर पूरा ध्यान और बजट दिया जा रहा है। लेकिन, लोकल ट्रेनों की हालत पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा। गरीब लोग लोकल ट्रेनों से सफर करते हैं। लेकिन, सरकार की प्राथमिकता बुलेट ट्रेन है। यह सुरक्षा और जरूरतों की हत्या जैसा है।उन्होंने मोदी सरकार पर देश को कमजोर और लाचार बनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि विदेश नीति से लेकर बुनियादी सुविधाओं तक, हर मोर्चे पर सरकार नाकाम रही है।

कश्मीर के लिए शुरू की गई ट्रेन सेवा से स्थानीय लोगों के साथ-साथ पर्यटकों को भी होगा फायदा : फारूक अब्दुल्ला

एजेंसी

श्रीनगर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हाल ही में माता वैष्णो देवी कटरा और श्रीनगर के बीच वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाई थी। ट्रेन के शुरू होने के बाद यहां लोगों ने खुशी जताई। इस बीच जम्मू और कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने भी ट्रेन के शुरू होने पर खुशी जताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा कश्मीर के लिए शुरू की गई नई ट्रेन सेवा से स्थानीय लोगों के साथ-साथ पर्यटकों को भी फायदा होगा। पार्टी सहयोगियों के साथ मंगलवार को ट्रेन में सवार होने से पहले फारूक अब्दुल्ला ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि मुझे बहुत खुशी है कि मैं आज कटरा के लिए इस ट्रेन से यात्रा कर रहा हूं। यह हमारे लिए सबसे बड़ा लाभ है। उन्होंने कहा कि कश्मीर को शेष भारत से जोड़ने वाली यह ट्रेन घाटी के लोगों के लिए एक विश्वसनीय परिवहन लिंक होगी। उन्होंने कहा कि श्रीनगर और जम्मू के बीच सड़क कभी-कभी बंद हो जाती है और एयरलाइंस कीमतें बढ़ाकर लोगों को लूटना शुरू कर देती हैं। इस ट्रेन से लोग इससे बच जाएंगे। फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि रेलवे लिंक कश्मीर में बागवानी क्षेत्र के लिए भी फायदेमंद साबित होगा क्योंकि उपज बाजारों तक तेजी से पहुंचेगी। उन्होंने कहा कि इससे कश्मीर आने वाले पर्यटकों को भी फायदा होगा।

बेंगलुरु भगदड़ मामला : कर्नाटक हाई कोर्ट ने सीलबंद लिफाफे में जवाब दाखिल करने का दिया आदेश

एजेंसी

कर्नाटक । कर्नाटक उच्च न्यायालय ने को राज्य को बेंगलुरु भगदड़ मामले में सीलबंद लिफाफे में अपना जवाब पेश करने की अनुमति दे दी। इस मामले में अगली सुनवाई 12 जून को होगी। कोर्ट ने इस हादसे का स्वतः संज्ञान लिया था। बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में चार जून को रॉयल चैलेंजर बेंगलुरु (आरसीबी) की जीत का जश्न मनाने आए फैंस के बीच भगदड़ मची थी, जिसमें 11 लोगों की मौत हुई। इस मामले पर अगले दिन हाई कोर्ट स्वतः संज्ञान लिया था। अदालत इस हादसे के पीछे की वजह का पता लगाना चाहती है। अदालत

जानना चाहती है कि क्या इस हादसे को रोका जा सकता था और भविष्य में ऐसे हादसों को रोकने के लिए क्या उपाय किए जाने चाहिए। सुनवाई के दौरान महाधिवक्ता शशि किरण शेट्टी ने कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश और न्यायमूर्ति सीएम जोशी की खंडपीठ के समक्ष बताया कि उन्होंने जवाब दाखिल नहीं किया है।शशि किरण शेट्टी ने कहा, न्यायिक आयोग का गठन किया गया है और रिपोर्ट देने के लिए एक महीने का समय दिया गया है। पुलिस अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है। लंबित जमानत याचिकाओं में, जो कुछ भी यहां कहा जाता है, उसका इस्तेमाल वहां आरोपी कर रहे हैं। हाई कोर्ट ने पूछा, क्या आप यह कह रहे हैं कि आप हमारे निर्देशों का जवाब नहीं देंगे? इस पर महाधिवक्ता ने कहा, ÷कृपया इसे कल रखें, हम जवाब दाखिल करेंगे। कुछ चीजें हैं। हाई कोर्ट ने जवाब दाखिल करने में कठिनाई की वजह पूछी, जिस पर महाधिवक्ता ने कहा, ÷मैं खुली अदालत में नहीं रखना चाहता, हम पूर्वाग्रह से ग्रसित हो जाएंगे। स्वतंत्र जांच की रिपोर्ट आने दें और ऐसा नहीं होना चाहिए कि हम पक्षपाती हैं। यह केवल एक महीने का मामला है। हाई कोर्ट ने एडवोकेट जनरल को आदेश दिया कि वह अपना जवाब सीलबंद लिफाफे में दाखिल करें। एडवोकेट जनरल शशि किरण शेट्टी ने कोर्ट से स्वतंत्र जांच की रिपोर्ट आने तक इंतजार करने की अपील की है।कोर्ट ने आदेश में कहा, हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल (आरजी) ने 5 जून के हमारे पिछले आदेश के अनुसार रिट याचिका (डब्ल्यूपी) दाखिल किया है। शशि किरण शेट्टी ने बताया कि एडवोकेट जनरल ने कहा है कि वह सीलबंद लिफाफे में जवाब दाखिल करना चाहते हैं, उन्हें गुरुवार तक या उससे पहले ऐसा करने की अनुमति है। आरजी यह सुनिश्चित करेंगे कि जवाब सुरक्षित रखा जाए।÷ इस मामले में अगली सुनवाई 12 जून को होगी।

जीभ खोलती है आपकी सफाई की पोल!

आप अपने किसी ऐसे मित्र या किसी ऐसी लोकप्रिय हस्ती के बारे में सोचिए जो अक्सर अपनी जीभ बाहर निकालता रहता है। अगर उसकी जीभ पर मोटी सफेद पर्त दिखाई दे निश्चित ही यह उसके लिए बहुत बड़ी परेशानी का सबब बन सकती है।

फेमस अमेरिकी सिंगर ऐंड ऐक्ट्रेस केर को मशहूर युवा पॉप गायिका माइली सायरस से प्रस्तुति देते वक्त अपनी जीभ बाहर निकालने से मना किए अभी बहुत दिन नहीं बीते हैं, कि विशेषज्ञों ने जीभ को लेकर बहुत ही दिलचस्प तथ्य का खुलासा किया है। विशेषज्ञों के अनुसार, जीभ को देखकर किसी व्यक्ति की स्वच्छता के प्रति उसके रुख एवं उस व्यक्ति के स्वास्थ्य के बारे में जाना जा सकता है। आप अपने किसी ऐसे मित्र या किसी ऐसी लोकप्रिय हस्ती के बारे में सोचिए जो अक्सर अपनी जीभ बाहर निकालता रहता है। अगर उसकी जीभ पर मोटी सफेद पर्त दिखाई दे निश्चित ही यह उसके लिए बहुत बड़ी परेशानी का सबब बन सकती है।

गुड़गांव के कोलंबिया एशिया अस्पताल में दंत चिकित्सक एकता सिंह ने बताया कि दांतों में ब्रश करना जितना महत्वपूर्ण है, जीभ को स्वच्छ रखना भी उतना ही जरूरी है। जीभ साफ करने से पहले टंग क्लीनर को साफ कर लेना चाहिए। टंग क्लीनर से जीभ पर बहुत दबाव नहीं डालना चाहिए, और 2-3 बार हल्के हाथों से जीभ की सफाई करनी चाहिए। अपने मुंह में हानिकारक जीवाणुओं को पनपने से रोकने के लिए जीभी (टंग क्लीनर) का प्रयोग अवश्य करें।

वेबसाइट पैरेंट्यून डॉट कॉम ने मुंह से संबंधित बीमारियों की विशेषज्ञ सोनाली बस्सी के हवाले से कहा कि गाढ़े रंगों वाले खाद्य पदार्थ खाने से भी जीभ का रंग परिवर्तित हो जाता है। हल्दी, काले अंगूर, जामुन या इसी तरह के गहरे रंग वाले खाद्य पदार्थ खाने से आपकी जीभ का रंग बदल सकता है। लेकिन यह इतना हानिकारक नहीं होता, तथा टंग क्लीनर की सहायता से आसानी से साफ किया जा सकता है। धातु या प्लास्टिक से बने टंग क्लीनर का उपयोग किया जा सकता है। कई कंपनियां इस तरह का ब्रश भी बनाती हैं जिसके पिछले हिस्से का उपयोग जीभ को साफ करने के लिए किया जा सकता है। दंत चिकित्सक अयान मजूमदार ने बताया कि जीभ साफ करने के लिए ब्रश के पिछले हिस्से का उपयोग सुरक्षित है, लेकिन ब्रश वाले हिस्से से ऐसा करना हानिकारक हो सकता है। अध्ययनों में यह साबित हो चुका है कि सामान्य ब्रश की अपेक्षा जीभ साफ करने की सुविधा से युक्त ब्रश कहीं प्रभावी होते हैं। मजूमदार ने हालांकि धातु की अपेक्षा प्लास्टिक की जीभी को अधिक सुरक्षित बताया, क्योंकि जंग लगने के कारण धातु का टंग क्लीनर स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। जीभ को स्वच्छ रखने का दूसरा सबसे बेहतर उपाय है माउथवॉश का उपयोग करना। मजूमदार ने बताया कि सांसों की दुर्गंध का सबसे बड़ा कारण जीभ पर बैठी गंदगी ही होती है। हमारे पास कम से कम 70 फीसदी लोग इसी तरह की शिकायतें लेकर आते हैं।

अपनी सांसों को तरोताजा बनाए रखने के लिए दिन में कम से कम एक बार माउथवॉश का उपयोग करें।

2-3 बार करें हल्के हाथ से सफाई

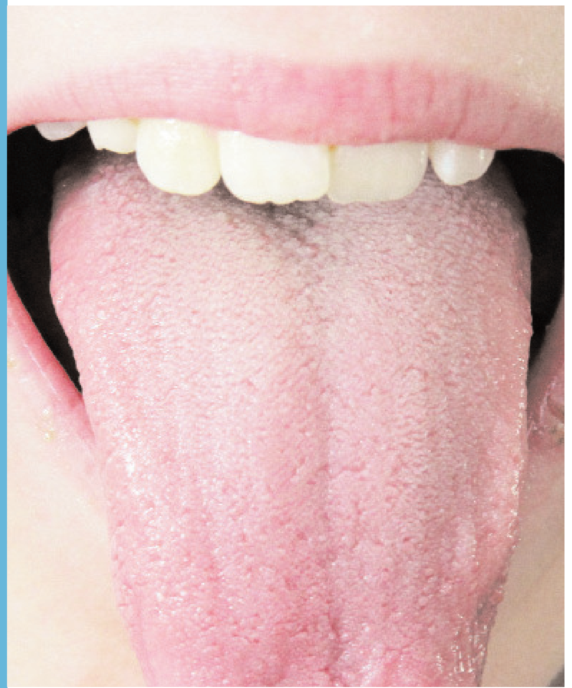

जीभ को स्वच्छ रखने का दूसरा सबसे बेहतर उपाय है माउथवॉश का उपयोग करना। मजूमदार ने बताया कि सांसों की दुर्गंध का सबसे बड़ा कारण जीभ पर बैठी गंदगी ही होती है। हमारे पास कम से कम 70 फीसदी लोग इसी तरह की शिकायतें लेकर आते हैं। अपनी सांसों को तरोताजा बनाए रखने के लिए दिन में कम से कम एक बार माउथवॉश का उपयोग करें।

मुंह को नमक के पानी से धोकर भी स्वच्छ रखा जा सकता है। बस्सी ने बताया कि आधे ग्लास गुनगुने पानी में आधा चम्मच नमक डालें। इस पानी से अपने मुंह को दिन में 5-6 बार धोएं। जीभ पर खाने के बाद जमा गंदगी कई तरह के रोगों को जन्म दे सकती है। एकता सिंह ने बताया कि कई बार जीभ के गंदे होने के कारण डिहाइड्रेशन की शिकायत भी हो सकती है। इसलिए घर से निकलते हुए इस बात का हमेशा ध्यान रखें कि चेहरे और दांतों के साथ-साथ आपकी जीभ का भी स्वच्छ रहना बेहद जरूरी है।

आधी रात में भी खाओगे तो मोटे हो जाओगे

हेल्थ एक्सपर्ट्स कहते हैं कि मिड नाइट स्नैक्स लेना हेल्थ के नजरिए से सही नहीं है। आप बिना वक्त के जो भी खाते हैं, वह सीधे कैलरीज में चेंज हो जाता है। इसकी वजह यह है कि मिड नाइट स्नैक्स लेने के बाद कोई फिजिकल एक्टिविटीज नहीं हो पाती और आप सीधे बेड पर सोने चले जाते हैं। फिजिशियन डॉ. निखिल श्रीवास्तव कहते हैं कि मिडनाइट स्नैक्स की यह आदत आपको कई तरह की फिजिकल प्रॉब्लम्स दे सकती है। सबसे बड़ी प्रॉब्लम खाना डाइजेस्ट न होना है।

नीलिमा अक्सर देर रात तक टीवी देखती है। इसी के साथ कुछ न कुछ खाना-पीना भी चलता रहता है। जब उसने अपना वेट किया, तो देखा कि दो महीने में उसका वेट तीन से चार किलो तक बढ़ गया। खाना डाइजेस्ट होने में भी प्रॉब्लम होने लगी। यही हाल स्टूडेंट शिल्पी का है। वह टीवी देखते हुए तो नहीं, लेकिन देर रात तक पढ़ाई करने के दौरान कुछ न कुछ खाती रहती है। यही नहीं, पढ़ाई के दौरान नींद न आए, इसके लिए एक से दो कप कॉफी भी पीती है। हेल्थ एक्सपर्ट्स कहते हैं कि मिड नाइट स्नैक्स लेना हेल्थ के नजरिए से सही नहीं है। आप बिना वक्त के जो भी खाते हैं, वह सीधे कैलरीज में चेंज हो जाता है। इसकी वजह यह है कि मिड नाइट स्नैक्स लेने के बाद कोई फिजिकल एक्टिविटीज नहीं हो पाती और आप सीधे बेड पर सोने चले जाते हैं। फिजिशियन डॉ. निखिल श्रीवास्तव कहते हैं कि मिडनाइट स्नैक्स की यह आदत आपको कई तरह की फिजिकल प्रॉब्लम्स दे सकती है। सबसे बड़ी प्रॉब्लम खाना डाइजेस्ट न होना है। इसके बाद दांतों का खराब होना और फैट बढ़ना भी बेहद कॉमन प्रॉब्लम है।

दांतों पर कैवेटीज

डॉ. अजय कहते हैं कि मिड नाइट स्नैक्स लेने के बाद ज्यादातर लोग ब्रश नहीं करते और खाकर सीधे सो जाते हैं। इससे खाई हुए चीजों का कुछ हिस्सा दांतों पर रह जाता है, जिससे बाद में बैक्टीरिया पनपने लगते हैं। खासतौर से अगर आपने मिठाइयां और डेजर्ट्स खाया है, तो आपके लिए इससे बचना नामुमकिन है। मिड नाइट स्नैक्स से न केवल दांतों में बैक्टीरिया पनपने का खतरा रहता है, बल्कि इससे दांतों पर कैवेटीज भी हो जाती हैं।

डाइजेशन में प्रॉब्लम

भले ही मिड नाइट स्नैक्स खाने में आपको मजा तो खूब आता है, लेकिन यह स्नैक्स आपके डाइजेस्टिव सिस्टम को बिगाड़ देता है। क्या आपको पता है कि कुकीज और चिप्स जैसे जंक फूड को पचाने में बॉडी को दो से तीन घंटा तक लग जाता है, वह भी दिन में। ऐसे में अगर आप रात को इसे खाते हैं, तो पेट की क्या हालत हो सकती है, अंदाजा लगाया जा सकता है।

?सीधे फैट में तब्दील

स्नैक्स चाहे दिन में खाएं या रात को, उसका फैट में तब्दील होना तय है। स्नैक्स चटपटे, ऑयली और फ्राइड होते हैं। हां, अगर आप वर्कआउट करते हैं, तो एक निश्चित क्वॉन्टिटी में इस तरह के स्नैक्स ले सकते हैं। अगर आपकी आदत में इस तरह के स्नैक्स आ चुके हैं, तो जंक फूड की जगह हेल्दी फूड खाने की आदत डालें।

देर रात तक न जागें

देर रात तक जागने की आदत से तौबा करें। डिनर के बाद अगर आप बहुत देर रात तक जगे रहते हैं, तो लंबा गैप होने से आपका ध्यान इन चीजों की तरफ खाने को जरूर जाएगा। इस तरह की चीजों से बचने का सबसे कारगर तरीका यही है कि आप समय पर सोएं।

मजबूत हड्डियां चाहिए तो आजमाएं यह उपाय

- ?हाल में हुए शोध की मानें तो दिन में दो बार दस दफा कूदने को अगर कसरत के तौर पर नियमित किया जाए तो इससे हड्डियां काफी मजबूत होंगी।
- अमेरिकन जर्नल ऑफ हेल्थ प्रमोशन में प्रकाशित शोध की मानें तो सुबह और शाम लगातार दस-दस बार कूदने की प्रक्रिया में हड्डियों को मजबूती मिलती है और इससे जुड़ी समस्याओं से बचाव होता है।
- शोध के दौरान 25 से 50 वर्ष की आयु वाली 60 महिलाओं को कूदने की कसरत का अभ्यास दिन में दो बार नियमित तौर पर करवाया गया और पाया गया कि इससे उनकी हड्डियों में पांच प्रतिशत का सुधार देखा गया।
- शोधकर्ता डॉ. लैरी टकर के अनुसार, यह कसरत चलने या जॉगिंग करने की अपेक्षा अधिक फायदेमंद है और इससे हड्डियों के घनत्व में 1.3 प्रतिशत सुधार देखा गया है।

हरी सब्जियों के जूस का ऐसा भी हो सकता नुकसान

हरे साग-सब्ज?ियों का सेवन जि?तना अधिक फायदेमंद है, इनके जूस का एक चौंकाने वाला नुकसान भी है। फीमेलफस्ट में प्रकाशित शोध की मानें तो हरी सब्जियों दांतों की सफेदी के लिए नुकसानदायक हो सकता है। शोधकर्ताओं का मानना है कि हरी सब्जियों में रंग बनाने वाला क्रोमोजेन दांतों को सफेद रखने वाले मॉलिक्यूल को नुकसान पहुंचाता है। इतना ही नहीं, उनका यह भी मानना है कि हरी सब्जियों के जूस के बजाय इनके सेवन से दांतों को कम नुकसान पहुंचता है।

ऐसे में अगर आप सब्जियों के जूस के फायदों को देखते हुए इनका सेवन करना ही चाहते हैं तो इन बातों का ध्यान जरूर रखें।

- हरी सब्जियों के जूस को स्ट्रा से पिएं जिससे इसका दांतों से संपर्क कम से कम हो।
- हरी सब्जियों के जूस में नींबू सा साइट्रस फलों को न मिलाएं क्योंकि क्रोमोटेन और साइट्रस फलों में मौजूद टैनिन के मिलने से दांतों को अधिक नुकसान पहुंचता है।
- रोज हरी सब्जियों का जूस पीते हैं तो दिन में कम से कम तीन बार ब्रश करें।

20 मिनट कसरत का ऐसा फायदा नहीं जानते होंगे आप

- मौसम बदलने पर बदन दर्द, बुखार यानी फ्लू की समस्या से बचना भी अपनेआप में एक चुनौती है। ऐसे में अगर आप बदलते मौसम में अक्सर फ्लू का शिकार होते हैं तो इससे बचाव का कारगर उपाय है।
- हाल में हुए एक शोध में माना गया है कि नियमित रूप से 20 मिनट तक व्यायाम करने से फ्लू से बचाव 10 प्रतिशत आसान हो जाता है।
- लंदन स्कूल ऑफ हाइजीन एंड ट्रॉपिकल मेडिसिन ने 4,800 प्रतिभागियों पर किए गए अपने अध्ययन के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला है।
- इतना ही नहीं, उन्होंने फ्लू के 100 मामलों में केवल कसरत की मदद से उपचार का भी दावा किया है।
- शोधकर्ता डॉ. एल्मा एडलर के अनुसार, हम अपने शोध से मिले परिणाम को लेकर बेहद उत्साहित हैं हालांकि यह अभी शुरुआती दौर में है और इसपर अधिक अध्ययन बाकी है। लेकिन इससे फ्लू से बचाव की दिशा में मदद मिल सकती है।

मीनाक्षी चौधरी ने दो बड़ी फिल्मों से श्रीलीला को किया रिप्लेस

दक्षिण भारतीय सिनेमा में इन दिनों मीनाक्षी चौधरी का जलवा साफ दिख रहा है। 'लकी भास्कर' में दुलकर सलमान के साथ और 'द ग्रेटेस्ट ऑफ आल टाइम्स' में विजय के साथ अपने प्रभावशाली अभिनय से पहचान बना चुकी मीनाक्षी साउथ सिनेमा के निर्देशकों की पहली पसंद अरसे से रही हैं। एक समय था जब दक्षिण भारतीय फिल्म जगत में श्रीलीला का जादू सिर चढ़कर बोल रहा था, खासकर 'किस्सिक' जैसे हिट गीतों के चलते। लेकिन अब उसी स्पॉटलाइट में मीनाक्षी चौधरी की दमदार मौजूदगी नजर आ रही है। मीनाक्षी ने हाल ही में श्रीलीला को दो बड़ी फिल्मों से रिप्लेस किया है, और यह कोई संयोग नहीं बल्कि उनके बढ़ते प्रभाव का परिचायक है।

पहली फिल्म है निर्देशक कार्तिक डंडू की अगली फिल्म जिसमें मीनाक्षी को नागा चैतन्य के साथ मुख्य भूमिका में लिया गया है। बताया जा रहा है कि 'ग्रेटेस्ट ऑफ आल टाइम' में उनके शानदार अभिनय को देखकर ही निर्माता-निर्देशक उन्हें पहली पसंद मान रहे थे। आखिरकार, वही हुआ। मीनाक्षी को इस बहुप्रतीक्षित फिल्म की मुख्य अभिनेत्री के तौर पर फाइनल कर लिया गया। दूसरी फिल्म है 'अनगनागा ओका राजू', जिसमें पहले श्रीलीला को नवीन पोलीशेट्टी के साथ कास्ट किया गया था। टीज़र रिलीज होने के बाद भी फिल्म कुछ समय के लिए ठंडे बस्ते में चली गई थी, वजह बनीं श्रीलीला की डेट्स की परेशानी। इस मौके का लाभ उठाते हुए, मीनाक्षी ने न केवल फिल्म में जगह बनाई, बल्कि नए टीजर में उनकी और नवीन की ताजगी से भरी कैमिस्ट्री ने दर्शकों का दिल जीत लिया। सूत्रों की मानें तो तेलुगु और तमिल फिल्म जगत के साथ साथ हिंदी सिनेमा की भी 2026 में रिलीज होने वाली कई बड़ी परियोजनाओं के लिए मीनाक्षी पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है। श्रीलीला भले इन दिनों टी सीरीज की अनाम फिल्म में कार्तिक आर्यन के साथ काम कर रही हों, लेकिन प्रोडक्शन से जुड़े सूत्रों की मानें तो उनकी शोहरत और उनकी काबिलियत में संतुलन बनता दिख नहीं रहा। श्रीलीला का नाम पहले फिल्म 'स्पिरिट' के लिए भी चला था लेकिन तृप्ति डिमरी ने वहां बाजी मार ली।

स्क्रीन पर धमाल मचाएंगे निमृत कौर अहलूवालिया और टाइगर श्रॉफ

एक्ट्रेस निमृत कौर अहलूवालिया हाल ही में फिल्म शौंकी सरदार में नजर आई थीं। इस फिल्म में दर्शकों ने उनके काम को काफी सराहा। अब वह बॉलीवुड के एक्शन हीरो टाइगर श्रॉफ के साथ एक नए प्रोजेक्ट में काम करने जा रही हैं। एक करीबी सूत्र के मुताबिक, शौंकी सरदार की सफलता के बाद निमृत को बहुत सारे नए प्रोजेक्ट्स के ऑफर मिल रहे हैं। लेकिन उन्होंने अलग स्क्रिप्ट की वजह से इस प्रोजेक्ट को चुना। उन्हें लगा कि टाइगर श्रॉफ के साथ उनकी जोड़ी पर्दे पर दर्शकों के लिए एक नई तरह की केमिस्ट्री लाएगी। सूत्र ने बताया कि एक्ट्रेस निमृत इस प्रोजेक्ट को लेकर काफी उत्साहित हैं।

उन्होंने कहा, निमृत इस समय अपने करियर को लेकर बहुत खुश और आभारी हैं। टाइगर और निमृत की जोड़ी बिल्कुल नई है, और यही इस प्रोजेक्ट की सबसे बड़ी खासियत है। इस प्रोजेक्ट में दमदार एंटरटेनमेंट और नई ताजगी दोनों का मेल है, जो दर्शकों को जरूर पसंद आएगा। इस प्रोजेक्ट से जुड़ी जानकारी अभी सीक्रेट रखी गई है, लेकिन उम्मीद है कि मेकर्स जल्द ही इसकी आधिकारिक घोषणा करेंगे। वर्कफ्रंट की बात करें तो टाइगर को पिछली बार फिल्म सिंघम अगेन में देखा गया था। उन्होंने एसीपी सत्या का किरदार निभाया था। फिल्म में उनके साथ अजय देवगन, करीना कपूर खान, रणवीर सिंह, दीपिका पादुकोण, अर्जुन कपूर, अक्षय कुमार जैसे सितारे नजर आए थे। फिलहाल, वह अपनी आने वाली फिल्म बागी 4 की तैयारी में जुटे हैं, जिसे डायरेक्टर ए. हर्षा बना रहे हैं। इस फिल्म में उनके अलावा, संजय दत्त, सोनम बाजवा और हरनाज संधू अहम किरदार में नजर आएंगे। बागी 4, 5 सितंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

वहीं बात करें निमृत की हाल ही में रिलीज हुई फिल्म शौंकी सरदार की, तो इसमें निमृत के अलावा, गुरु रंधावा, बब्बू मान, सुनीता धीर, हशनीन चौहान और धीरज कुमार भी अहम किरदार में नजर आए। इस फिल्म का निर्देशन धीरेज केदारनाथ रत्तन ने किया। वहीं इसे ईशान कपूर, शाह जंडियाली, धर्मिंदर बटौली और हरजोत सिंह ने मिलकर प्रोड्यूस किया। फिल्म को जी स्टूडियोज और बॉस म्यूजिक रिकॉर्ड्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा प्रस्तुत किया गया। शौंकी सरदार 16 मई को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

'ठग लाइफ' में अपने रोल के लिए ट्रोल हुईं तृषा

कमल हासन की मच अवेटेड फिल्म 'ठग लाइफ' विवादों के बीच आज सिनेमाघरों में रिलीज हुई। कमल हासन के कन्नड़ भाषा को लेकर दिए गए बयान के बाद फिल्म विवादों में भी घिर गई। जिसके बाद फिल्म की चर्चा और भी हो गई। फिल्म को लेकर बने बज को देखते हुए उम्मीद थी कि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर भी धमाल मचाएगी। हालांकि, अभी तक फिल्म को लेकर जो रिव्यू सामने आ रहे हैं, बहुत अच्छे नहीं हैं। वहीं फिल्म की रिलीज के बाद लीड एक्ट्रेस तृषा कृष्णन नेटिजन्स के निशाने पर आ गई हैं।

यूजर्स ने दी तृषा को रिटायर होने की सलाह

'ठग लाइफ' में तृषा कृष्णन ने 'इंद्राणी' की भूमिका निभाई है। तृषा की गिनती साउथ की बड़ी अभिनेत्रियों में होती है। ऐसे में तृषा से फैंस को अच्छे काम की उम्मीद थी। हालांकि, अब फिल्म के रिलीज होने के बाद यूजर्स तृषा को ट्रोल कर रहे हैं। एक यूजर ने तृषा को ओवर रेटेड बताते हुए उन्हें रिटायर हो जाने की सलाह दे डाली। तो वहीं एक यूजर ने तृषा से एक्टिंग न करने की अपील करते हुए लिखा कि उन्होंने इस साल कई बड़ी फिल्मों को बर्बाद कर दिया। कुछ नेटिजंस ने तृषा को ओवर रेटेड और बर्बाद बताते हुए कहा कि उनका डाउनफाल शुरू हो गया है। यूजर ने तृषा की पिछली फिल्मों का जिक्र किया जिनमें तृषा की एक्टिंग लोगों को पसंद नहीं आई। एक यूजर ने 'ठग लाइफ' का रिव्यू करते हुए जहां कमल हासन की तारीफ की और फिल्म के संगीत और क्लाइमेक्स को सराहा। वहीं तृषा की एक्टिंग की बुराई करते हुए उनके कैरेक्टर को जबरदस्ती का बताया। वहीं एक यूजर ने तृषा से ऐसे बेकार किरदार न करने का आग्रह भी किया।

फिल्म को मिल रही मिली-जुली प्रतिक्रिया

कमल हासन के कन्नड़ भाषा को लेकर चल रहे विवाद के बीच 'ठग लाइफ' आज कर्नाटक को छोड़कर बाकी जगह रिलीज हुई है। इस फिल्म के जरिए कमल हासन और मणिरत्नम कई सालों बाद एक साथ वापस आए हैं। हालांकि, फिल्म से जैसी उम्मीदें थीं अभी तक वैसे रिव्यू सामना नहीं आ रहे हैं। फिल्म को मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही है।

मणि रत्नम के साथ आमिर खान कर सकते हैं काम, पहले इस फिल्म पर नहीं बन पाई थी बात

साल 2007 में आमिर खान मशहूर निर्देशक मणि रत्नम के साथ इस्मत चुगताई की कहानी घरवाली पर फिल्म बना रहे थे। फिल्म का टाइटल था लाजो। हालांकि किसी वजह से ये फिल्म नहीं बन पाई। अफवाहें फैलीं कि आमिर और मणि के बीच रचनात्मक मतभेद की वजह से यह फिल्म नहीं बन पाई। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान आमिर खान ने बताया है कि लाजो किसी और वजह से नहीं बन पाई। इससे मेरा या मणि रत्नम का का कोई लेना देना नहीं है।

आमिर और मणि रत्नम ने लाजो

बातचीत में आमिर ने लाजो को याद करते हुए कहा मैं हमेशा से मणि का बहुत बड़ा फैन रहा हूं और लंबे समय से उनके साथ काम करना चाहता था। मैं उनसे कई बार मिला हूं, उनके घर गया हूं और हमारी बहुत अच्छी बातचीत हुई है। हम एक-दूसरे के साथ काम करना चाहते थे और लाजो पर लगभग काम कर भी लिया लेकिन किसी तीसरी वजह से यह काम नहीं हो पाया। इससे मेरा या उनका कोई लेना देना नहीं है। मैं उनके काम का बहुत बड़ा फैन हूं। मुझे उम्मीद है कि एक दिन हम साथ काम करेंगे।

आमिर कर रहे सितारे जमीन पर का प्रचार

आपको बता दें आमिर इन दिनों फिल्म सितारे जमीन पर का प्रचार कर रहे हैं। यह फिल्म तारे जमीन पर (2007) की अगली कड़ी है। मिस्टर परफेक्शनिस्ट के नाम से मशहूर आमिर खान तीन साल के बाद बड़े पर्दे पर लौट रहे हैं। उनकी आखिरी फिल्म 2022 में लाल सिंह चड्ढा रिलीज हुई थी।

फिल्म के बारे में

फिल्म सितारे जमीन पर में आमिर खान के अलावा जेनेलिया देशमुख, अरूश दत्ता, गोपी कृष्ण वर्मा, संवित देसाई, वेदांत शर्मा, आयुष भंसाली, आशीष पेंडसे, ऋषि शाहनी, ऋषभ जैन, नमन मिश्रा और सिमरन मंगेशकर भी हैं। आर एस प्रसन्ना द्वारा निर्देशित, यह फिल्म आमिर खान और अपर्णा पुरोहित द्वारा निर्मित है, और रवि भागचंदका निर्माता हैं। सितारे जमीन पर में एक बॉस्केटबॉल कोच की कहानी दिखाई गई है। फिल्म में आमिर खान दिव्यांग बच्चों को बॉस्केटबॉल सिखाते हैं। फिल्म 20 जून को रिलीज होगी।

धमाकेदार टीजर के साथ अल्लू अर्जुन-एटली की फिल्म का एलान, एक्शन का दम दिखाएंगी दीपिका

अल्लू अर्जन और एटली की फिल्म का आखिर आधिकारिक एलान हो गया है। मेकर्स ने आज शनिवार को धमाकेदार टीजर जारी किया है। इसी के साथ खास अपडेट यह है कि फिल्म में दीपिका पादुकोण भी नजर आएंगी। वे एक्शन का दम दिखाएंगी। टीजर में उन्हें तलवारबाजी और घुड़सवारी करते देखा जा सकता है।

मेकर्स ने एटली और अल्लू अर्जुन फिल्म AA22&A6 का पोस्टर जारी किया था। आज शनिवार को टीजर जारी किया है। फिल्म को सन पिक्चर्स के बैनर तले बनाया जा रहा है। सन पिक्चर्स के इंस्टाग्राम अकाउंट से टीजर वीडियो शेयर किया गया है। इसमें दीपिका पादुकोण भी नजर आ रही हैं। मेकर्स ने फिल्म में उनका स्वागत किया है। टीजर के साथ कैप्शन लिखा है, विजय पथ पर अग्रसर रानी। स्वागत है दीपिका पादुकोण।

अल्लू अर्जुन की नहीं दिखी झलक

मेकर्स की तरफ से जारी टीजर में अल्लू अर्जुन की झलक नहीं नजर आ रही है। सिर्फ दीपिका और एटली को ही देखा जा सकता है। दोनों बातचीत कर रहे हैं और एटली अभिनेत्री को तलवारबाजी के बारे में समझा रहे हैं।

टीजर में दीपिका जिस अंदाज में नजर आई हैं, उससे साफ है कि फिल्म में वे मजबूत भूमिका निभाने वाली हैं। उनके एक्शन का दम भी दर्शकों को देखने को मिलेगा। अल्लू अर्जुन की एटली के साथ यह पहली फिल्म है। मगर, दीपिका ने फिल्म जवान में निर्देशक के साथ काम किया है। ऐसे वक्त में जब स्पिरिट फिल्म से दीपिका बाहर हो चुकी हैं, तब इस बड़ी फिल्म में उनकी एंट्री की खबर फैंस के लिए भी खुशखबरी से कम नहीं।

टीजर पर यूजर्स की सकारात्मक प्रतिक्रिया आ रही है। दीपिका पादुकोण की एंट्री पर उत्साह है। यूजर्स लिख रहे हैं, क्वीन इज बैक। एक यूजर ने लिखा, जबर्दस्त फिल्म आ रही है। अल्लू अर्जुन और एटली की आने वाली यह फिल्म एक साइंस-फिक्शन एक्शन फिल्म बताई जा रही है, जो एक अंतरराष्ट्रीय स्तर की फिल्म होगी।

इंग्लैंड ने तीसरे टी20 में वेस्टइंडीज 37 रन से हराया, दूसरी बार किया क्लीन स्वीप

साउथैम्पटन (एजेंसी)। इंग्लैंड ने मंगलवार को साउथैम्पटन के यूटिलिटा बाउल मैदान पर खेले गए तीसरे और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में वेस्टइंडीज को 37 रनों से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला 3-0 से अपने नाम कर ली। यह इंग्लैंड की 2021 के बाद पहली टी20आई सीरीज में क्लीन स्वीप है। इस जीत के साथ इंग्लैंड ने सीमित ओवरों के नए कप्तान हैरी ब्रूक के नेतृत्व में लगातार दूसरी सीरीज में क्लीन स्वीप किया। टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड ने 3 विकेट पर 248 रन बनाए, जो घरेलू सरजमीं पर उनका अब तक का सर्वोच्च स्कोर है।

ओपनर बेन डकेट ने सिर्फ 20 गेंदों में अपना तीसरा टी20 अर्धशतक जड़ते हुए 84 रनों की धमाकेदार पारी खेली। उनके साथ जेमी स्मिथ ने भी 60 रनों की पारी खेलते हुए टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना पहला अर्धशतक पूरा किया। दोनों ने मिलकर सिर्फ 9 ओवर में 120 रन जोड़े। जैकब बेथेल ने अंत में 36 रन की नाबाद तेज पारी खेली जिससे इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज के सामने 249 रनों का विशाल लक्ष्य रखा।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की टीम ने 14 छक्के जरूर लगाए, लेकिन 8 विकेट पर 211 रन ही बना सकी। रोवमैन पॉवेल ने 45 गेंदों में नाबाद 79 रनों की शानदार पारी खेली, लेकिन बाकी बल्लेबाज उनका साथ नहीं दे सके। इस जीत के साथ इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में पहली बार 19-18 की बढ़त बना ली है।

बेन डकेट ने अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से एक बार फिर साबित कर दिया कि वे इंग्लैंड के सबसे भरोसेमंद मल्टी-फॉर्मेट ओपनर हैं। उनकी पारी में शानदार रिवर्स स्वीप, कवर्स के ऊपर से शॉट्स और स्क्वायर लेग के पीछे छक्का शामिल था, जिसने दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। डकेट की बल्लेबाजी ने युवा ओपनर स्मिथ को भी आत्मविश्वास दिया, जिन्होंने दोनों फॉर्मेट में इस सप्ताह पहला अर्धशतक जमाया है।

पिछले 48 घंटे वेस्टइंडीज क्रिकेट के लिए सबसे निराशाजनक साबित हुए हैं। पहले रविवार को सीरीज हार और फिर मंगलवार को एकतरफा हार। इसके बीच सोमवार को स्टार बल्लेबाज़ निकोलस पूरन ने

सिर्फ 29 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेकर सभी को चौंका दिया। एक समय टी20 क्रिकेट की बादशाह रही वेस्टइंडीज टीम अब संघर्ष करती नजर आ रही है। हाल ही में समाप्त हुई इस सीरीज ने यह साफ कर दिया कि यह टीम अब उतनी प्रभावशाली नहीं रही, भले ही उसने इंग्लैंड से ज्यादा (35) छक्के लगाए हों।

इंग्लैंड के आदिल राशिद टी20आई रैंकिंग में टॉप से सिर्फ एक स्थान दूर

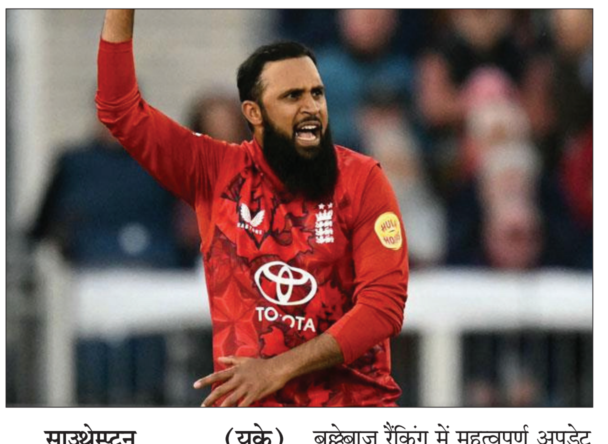

साउथेम्प्टन (यूके) (एजेंसी)। इंग्लैंड के स्पिनर आदिल राशिद आईसीसी पुरुष टी20आई गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष स्थान से सिर्फ एक कदम दूर हैं। आईसीसी के अनुसार राशिद ने वेस्टइंडीज पर इंग्लैंड की 3-0 की श्रृंखला की जीत में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया। उनके प्रयासों (4 विकेट) का मतलब है कि वह टी20आई बॉलिंग रैंकिंग में वानिंदु हसरंगा और वरुण चक्रवर्ती को पीछे छोड़कर दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। उनकी रेटिंग 710 है, जो कि कीवी तेज गेंदबाज जैकब डफी के 723 के करीब है।

इंग्लैंड अपने घरेलू मैदान पर मजबूत दिखा। राशिद के साथी ब्रायडन कार्से ने भी बॉलिंग रैंकिंग में उछाल का आनंद लिया, उन्होंने अंतिम दो मैचों में 2 विकेट लिए जिससे वे 16 पायदान की छलांग लगाकर 52वें (493) स्थान पर पहुंच गए। तीन मैचों की श्रृंखला में रन बने टी20आई बल्लेबाज रैंकिंग में महत्वपूर्ण अपडेट देखने को मिला।

तीसरे टी20आई में बेन डकेट की 84 (46) रन की धमाकेदार पारी ने उन्हें 48 पायदान की छलांग लगाकर 16वें स्थान पर पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई, जबकि उनके साथी हैरी ब्रूक के 35 (22) और 34 (20) रन की बदौलत वे 6 पायदान की छलांग लगाकर 38वें स्थान पर पहुंचे।

दूसरी तरफ शाई होप की 40 के आसपास की दो पारियों की बदौलत वेस्टइंडीज के कप्तान 14 पायदान की छलांग लगाकर 15वें स्थान पर पहुंच गए जबकि रोवमैन पॉवेल ने अंतिम टी20आई में 45 गेंदों पर नाबाद 79 रन की पारी की बदौलत शीर्ष 20 में जगह बनाई। इस बीच जेसन होल्डर की 70 रन की पारी और एक विकेट की बदौलत वेस्टइंडीज के इस खिलाड़ी को ऑलराउंडर रैंकिंग में 16 पायदान की छलांग लगाकर 26वें स्थान पर पहुंचने में मदद मिली।

जब आईपीएल में विराट को आउट कर बुमराह ने बनायी थी पहचान

नई दिल्ली (एजेंसी)। जसप्रीत बुमराह आज भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य तेज गेंदबाज हैं। वहीं विराट कोहली ने टेस्ट प्रारुप से संन्यास ले लिया है। 2013 में जसप्रीत बुमराह ने केवल 19 साल की उम्र में मुंबई इंडियंस की ओर से खेलते हुए विराट को गेंदबाजी की थी। तब विराट विश्व के शीर्ष बल्लेबाजों में शामिल थे जबकि बुमराह एक उभरते हुए तेज गेंदबाज। तब किसी को अंदाजा नहीं था कि एक दिन बुमराह भारतीय टीम के डेथ ओवरों के विशेषज्ञ गेंदबाज बन जाएंगे। बुमराह को जब इस मैच में डेब्यू करने का मौका मिला। तो उन्होंने अपने पहले ही ओवर में शानदार गेंदबाजी की। इससे सबसे बड़ी उनकी उपलब्धि विराट का विकेट लेना रहा।.विराट आउट होने से पहले विराट कोहली उस समय अच्छी लय में दिख रहे थे और बुमराह की पहला 4 गेंदो पर 3 चौके लगा चुके थे पर बुमराह की एक अंदर आती गेंद को वह समझ नहीं पाए और एलबीडब्यलू हो गए। यह पल आईपीएल इतिहास में इसलिए खास बन गया क्योंकि एक युवा गेंदबाज़ ने सबसे बड़े बल्लेबाज़ को पहली ही टक्कर में आउट कर दिया।

इस पहले ही मैच में बुमराह ने तीन विकेट लेकर सभी का ध्यान खींचा। इस मैच ने बुमराह को काफी लाभ हुआ क्योंकि विराट कोहली को आउट करना एक बड़ी उपलब्धि थी और इससे उनका मनोबल भी बढ़ा जिससे बाद बुमराह लगातार आगे बढ़ते गये। आईपीएल में लगातार अच्छे प्रदर्शन के बाद वह भारतीय टीम में पहुंचे और उसके बाद लगातार ऊंचाईयों पर जाते रहे। साल 2013 की उस टक्कर ने न केवल ने भारतीय क्रिकेट को बुमराह जैसा शानदार गेंदबाज दिया । बुमराह आज भी उस मैच का नहीं भूल पाये हैं।

अय्यर की कप्तानी वाली मुंबई फाल्कन्स टी20 मुंबई लीग के फाइनल में, 12 जून को खिताबी मुकाबला

मुंबई (महाराष्ट्र) (एजेंसी)। श्रेयस अय्यर की एसओबीओ मुंबई फाल्कन्स ने आकाश पारकर के शानदार खेल और ईशान मुलचंदानी के शानदार अर्धशतक की बदौलत बांद्रा ब्लास्टर्स पर 5 विकेट से जीत दर्ज कर टी20 मुंबई लीग 2025 के फाइनल में जगह पक्की कर ली है। फाइनल में उनका सामना गुरुवार को मुंबई साउथ सेंट्रल मराठा रॉयल्स से होगा जो 12 जून को मुंबई के प्रतिष्ठित वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा।

दूसरे सेमीफाइनल में पहले बल्लेबाजी करते हुए बांद्रा ब्लास्टर्स ने 130 रन बनाए जिसमें ध्रुमिल मटकर (34) और आकाश आनंद (31) ने सबसे ज्यादा रन बनाए जबकि एसओबीओ मुंबई फाल्कन्स के लिए आकाश पारकर ने तीन विकेट चटकाए। इसके बाद फाल्कंस ने सलामी बल्लेबाज ईशान मूलचंदानी के नाबाद 52 रन के बाद आकाश पारकर (32) और अंगकृष रघुवंशी (27) की तेज पारी की बदौलत पांच ओवर शेष रहते आराम से लक्ष्य हासिल कर लिया और फाइनल में अपनी जगह सुरक्षित कर ली।

इससे पहले पहले सेमीफाइनल में कप्तान सिद्धेश लाड के नाबाद अर्धशतक और तेज गेंदबाज रोहन राजे के 5 विकेट की बदौलत मुंबई साउथ सेंट्रल मराठा रॉयल्स ने मंगलवार को यहां वानखेड़े स्टेडियम में ईगल थाने स्ट्राइकर्स पर 8 विकेट से व्यापक जीत के साथ टी20 मुंबई लीग 2025 के फाइनल में प्रवेश किया। काफी मूवमेंट और उछाल वाली पिच पर राजे ने परिस्थितियों का शानदार फायदा उठाया और 5/40 के आंकड़े हासिल किए टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए स्ट्राइकर्स को लय हासिल करने में संघर्ष करना पड़ा।

बाएं हाथ के स्पिनर आदित्य धूमल के समर्थन से राजे ने शीर्ष और मध्य क्रम को तहस-नहस कर दिया जिससे 10 ओवर में ही उनका स्कोर 57/4 हो गया। साईराज पाटिल (41) और कप्तान अथर्व अंकोलेकर (नाबाद 34) ने 43 रनों की साझेदारी कर कुछ समय के लिए पारी को संभाला, लेकिन राजे की एक और पारी ने पलड़ा भारी कर दिया। तेज गेंदबाज ने पाटिल, विनय कुंवर और शशांक अत्तारदे को जल्दी-जल्दी आउट कर यादगार 5 विकेट चटकाए। 132 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए रॉयल्स ने सतर्क शुरुआत की। शुरुआती सफलता तब मिली जब साहिल जाधव साईराज पाटिल की इनस्विंगर को गलत समझ बैठे और बोल्ड हो गए। लेकिन लाड ने अपनी खास संयमता के साथ पारी को संभाला। उन्होंने चिन्मय सुतार (19) के साथ 48 रनों की साझेदारी की, जो अत्तारदे की गेंद पर बड़ा शॉट लगाने की कोशिश में समाप्त हो गई। लाड ने हार नहीं मानी और सचिन यादव (नाबाद 19) के साथ मिलकर दोनों ने 55 रनों की अटूट साझेदारी की और 13 गेंदें शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया।

कप्तान 52 गेंदों पर 74 रन बनाकर नाबाद रहे जिसमें 9 चौके और एक छक्का शामिल था और ऑफ-साइड में शानदार ड्राइव के साथ विजयी शॉट लगाया। इस जीत के साथ मराठा रॉयल्स अपने कप्तान और स्टार पेसर के नेतृत्व में शानदार प्रदर्शन की बदौलत फाइनल में पहुंच गई।

कुलदीप यादव होगें टीम इंडिया के एक्स फैक्टर : हेडन

लंदन ।भारतीय क्रिकेट टीम अभी अभी इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज से पहले अभ्यासास कर रही है।वहीं इस दौरे को लेकर ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर मैथ्यू हेडन ने कहा है कि कुलदीप यादव इंग्लैंड दौरे पर टीम इंडिया के लिए एक्स फैक्टर साबित होंगे। हालांकि, उन्होंने ये भी कहा है कि इस सीरीज में विराट कोहली , रोहित शर्मा और आर अश्विन जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के नहीं होने से भारतीय टीम की कड़ी परीक्षा भी होगी।हेडन ने कहा कि कुलदीप जैसा कोई गेंदबाज भारत के लिए काफी विकेट ले सकता है।कुलदीप ने अभी तक 13 टेस्ट मैच खेले हैं।जिनमें 24 पारियों में 56 विकेट अपने नाम किए हैं।इंग्लैंड के खिलाफ वह इससे पहले 6 टेस्ट खेल चुके हैं जिनमें 11 पारियों में उन्हें 21 विकेट मिले थे।हेडन के अनुसार युवा कप्तान शुभमन गिल के होने से टीम के उभरते हुए खिलाड़ी भी निडर होकर अपना खेल खेलेंगे।मैडन ने कहा कि विराट, रोहित जैसे खिलाड़ी लंबे समय से टीम के साथ रहे हैं। ऐस में उनकी कमी खलना स्वभाविक है पर टीम के पास कई प्रतिभाएं हैं जो उनकी जगह भरने का प्रयास करेंगी।साथ ही कहा कि उपकप्तान ऋषभ पंत भी इस दौर में अहम भूमिका निभा सकते हैं।इसके अलावा टीम के पास करुण नायर जैस बल्लेबाज भी है जिसके ना एक तिहरा शतक भी है।टीम की गेंदबाजी जसप्रीत बुमराह , मो सिराह ओर अर्शदीप सिंह जैसे तेज गेंदबाज होने से संतुलित है।

काउंटी चैंपियनशिप में हैंपशर के लिए खेलेंगे तिलक वर्मा

हैदराबाद ।हैदराबाद क्रिकेट संघ (HCA) ने बुधवार को कहा कि बाएं हाथ के बल्लेबाज तिलक वर्मा काउंटी चैंपियनशिप में हैंपशर का प्रतिनिधित्व करने के लिए तैयार हैं।हैदराबाद के रहने वाले और इंडियन प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस का प्रतिनिधित्व करने वाले 22 वर्षीय तिलक ने भारत के लिए 25 टी20 और चार एकदिवसीय मैच में क्रमशः 749 और 68 रन बनाए हैं। HCA ने एक विज्ञप्ति में कहा, 'हैदराबाद क्रिकेट संघ को यह बताते हुए खुशी हो रही है कि हैदराबाद के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी एन ठाकुर तिलक वर्मा से ब्रिटेन काउंटी चैंपियनशिप लीग में खेलने के लिए हैंपशर काउंटी टीम ने संपर्क किया है।' विज्ञप्ति के अनुसार, 'हैदराबाद क्रिकेट संघ उन्हें हैंपशर काउंटी के साथ शानदार जुड़ाव के लिए शुभकामनाएं देता है।' तिलक ने 18 प्रथम श्रेणी मैच में 50.16 की औसत से 121 के उच्चतम स्कोर के साथ 1,204 रन बनाए हैं।उनके नाम पांच शतक और चार अर्द्धशतक दर्ज हैं।

पहले टेस्ट के लिए करुण और सुदर्शन की दावेदारी मजबूत

लंदन (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम अभी पांच मैच की टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड दौरे पर है। इस दौरे में भारतीय टीम को 5 टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी है। रोहित शर्मा और विराट कोहली के संन्यास के कारण टीम को दो अच्छे बल्लेबाजों की जरुरत है। इसके लिए करुण नायर और साई सुदर्शन ने दावेदारी की है। भारतीय टीम 20 जून से पहला टेस्ट खेलेगी। ऐसे में अंतिम ग्यारह को लेकर चर्चाएं जारी हैं। इंडिया ए की ओर इंग्लैंड लॉयन्स के खिलाफ दोहरा शतक लगाकर करुण ने अपनी दावेदारी और मजबूत की है। करुण वीरेन्द्र सहवाग के बाद टेस्ट में तिहरा शतक लगाने वाले दूसरी भारतीय बल्लेबाज है। वहीं सुदर्शन ने धरेलू क्रिकेट के बाद आईपीएल में भी जमकर रन बनाकर अपनी दावेदारी पेश की है। उन्हें काउंट क्रिकेट का भी अनुभव है।

भारतीय टीम में 8 साल के बाद वापसी कर रहे करुण ने भी घरेलू क्रिकेट में काफी रन बनाये हैं। इसी कारण उन्हें भी टीम में अवसर मिला है। इंडिया ए की ओर से अभ्यास मैच में करुण ने जिस प्रकार से बल्लेबाजी की उससे साफ है कि वह यहां के हालातों में ढ़ल गये हैं। उनके अनुभव और इंग्लैंड की परिस्थितियों से परिचित होने की वजह से उन्हें मध्य क्रम में अवसर दिया जा सकता है। कोच गौतम गंभीर ने भी करुण को लेकर सकारात्मक संकेत दिये हैं। वहीं इंडिया ए के कप्तान अभिमन्यु ईश्वरन अब तक अंतिम ग्यारह में जगह नहीं बना पाए हैं। अभिमन्यू ने इंग्लैंड लॉयन्स के खिलाफ दो टेस्ट में दूसरी पारी के दौरान 68 और 80 रन की पारी खेली। . पहली पारी में दोनों मुकाबले में 8 और 11 रन बनाए थे। इस प्रदर्शन के आधार पर तो उनका अंतिम ग्यारह में जगह मिलना कठिन है।

वहीं सुदर्शन को टेस्ट खेलने का अनुभव नहीं है पर वह काफी प्रतिभाशाली और तकनीकी रुप से अच्छे बल्लेबाज हैं। घरेलू क्रिकेट में लगातार अपनी बेहतर तकनीक से चयनकर्ताओं को इस युवा ने प्रभावित किया है। आईपीएल के दौरान भी उन्होंने संयम और तकनीक की वजह से सभी का ध्यान खींचा। काउंटी क्रिकेट में भी खेलने का अनुभव उनके लिए यहां लाभप्रद रहेगा।

भारत टीम की संभावित अंतिम ग्यारह: केएल राहुल, यशस्वी जायसवाल, साई सुदर्शन/अभिमन्यु ईश्वरन/करुण नायर, शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (उपकप्तान/विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, नीतीश कुमार रेड्डी, मोहम्मद सिराज, जसप्रीत बुमराह, कुलदीप यादव, प्रसिद्ध कृष्णा

16वां डोलोमिटी इंटरनेशनल शतरंज टूर्नामेंट : मार्टिन नें बनाई एकल बढ़त , हिमल ठीक पीछे

फोरनी दी सोपरा , इटली ।इटली के विश्व धरोहर स्थल के रूप में प्रसिद्ध डोलोमाइट्स पर्वतमाला में स्थित फोर्नी दी सोपरा में 16वें डोलोमिटी इंटरनेशनल शतरंज टूर्नामेंट का आधा पड़ाव अब पार हो गया है टूर्नामेंट के पांचवें राउंड के बाद बुल्गारिया के टॉप सीड ग्रांड मास्टर मार्टिन पेट्रोव चार जीत और एक ड्रॉ के साथ 4.5 अंक बनाकर एकल बढ़त पर पहुँच गए है ।जबकि भारत के इंटरनेशनल मास्टर हिमल गुसेन भारत के अगले ग्रांड मास्टर बनने की राह मे कदम बढ़ाते हुए 3 जीत और 2 ड्रॉ के साथ 4 अंक बनाते हुए सयुंक्त दूसरे स्थान पर है , हिमल जिनकी वर्तमान रेटिंग 2490 है फिलहाल अपनी रेटिंग मे 2 अंक और जोड़ चुके है और जबकि वह टूर्नामेंट में खेल रहे दोनों ग्रांड मास्टर्स से खेल चुके है उम्मीद है वह अपनी रेटिंग में बचे हुए चार राउंड में और अंक जोड़ेंगे और ग्रांड मास्टर बनने के लिए महत्वपूर्ण औपचारिकता 2500 अंक के आंकड़े को छू सकते है ।

पांचवें राउंड के प्रमुख परिणाम कुछ इस प्रकार रहे – पहले बोर्ड पर इंटरनेशनल मास्टर हिमल गुसेन नें ग्रीस के ग्रांड मास्टर वासीलोस कोटरोनियस से ड्रॉ खेला , जबकि दूसरे बोर्ड पर टॉप सीड ग्रांड मास्टर बुल्गारिया के मार्टिन पेट्रोव नें ग्रीस की महिला फीडे मास्टर ग्रापासा जॉर्जिया को पराजित करते हुए अपनी चौंथी जीत दर्ज की ।तीसरे बोर्ड पर रोमानिया के माडलीन अंडरोनेसकू नें इटली के लोरेंजों टेल्लारिणी को मात दी । महिला खिलाड़ियों में पांचवें बोर्ड पर रोमानिया की महिला फीडे मास्टर एकेटरीना पिरवुलेसकू नें इटली के मार्को लोजजा को पराजित किया तो छठे बोर्ड पर कोलंबिया की महिला इंटरनेशनल मास्टर एंजेला फ़रांकों नें इटली के लियोनार्डो बुड़ाई को मात देते हुए जीत दर्ज की ।

ऑस्ट्रेलिया ने डब्लयूटीसी फाइनल के लिए अंतिम ग्यारह घोषित की

लंदन ।ऑस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ लॉर्ड्स में आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्लयूटीसी) के लिए अपनी अंतिम ग्याह घोषित कर दी है।किया।वहीं इससे पहले दक्षिण अफीका ने भी कप्तान टेम्बा बावुमा और अन्य खिलाड़ियों के नाम घोषित कर दिये थे।कमिंस ने कहा कि वैसी ही टीम उतारी जा रही है जैसी ऑस्ट्रेलियाई टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने भविष्यवाणी की थी। बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन उस्मान ख्वाजा के साथ पारी की शुरुआत करेंगे जबकि जोश हेजलवुड, मिशेल स्टार्क और पैट कमिंस गेंदबाजी की जिम्मेदारी संभालेंगे।हेजलवुड स्कॉट बोलैंड की जगह शामिल किये गये हैं। वहीं ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन पीठ की वापसी हुई है।वह सर्जरी के बाद अपना पहला टेस्ट खेलेंगे, इसके अलाव ब्यू वेबस्टर को भी टीम में बनाये रखा गया है।

ऑस्ट्रेलियाई अंतिम 11: पैट कमिंस (कप्तान), उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, कैमरून ग्रीन, स्टीव स्मिथ, ट्रैविस हेड, ब्यू वेबस्टर, एलेक्स कैरी (विकेट कीपर), मिशेल स्टार्क, नाथन लियोन, जोश हेजलवुड।

'आपके साथ मैदान साझा करने पर गर्व है', निकोलस पूरन के संन्यास पर भावुक हुए ऋषभ पंत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के टेस्ट उप-कप्तान ऋषभ पंत ने अपने लखनऊ सुपर जायंट्स टीम के साथी और दोस्त निकोलस पूरन के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद एक भावपूर्ण नोट लिखा। वेस्टइंडीज के पूर्व टी20 कप्तान ने मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा। वेस्टइंडीज के सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले और टी20 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले 29 वर्षीय खिलाड़ी ने अपने फैसले को 'कठिन' बताया।

पूरन आईपीएल में पंत के साथ एक ही ड्रेसिंग रूम साझा करते हैं और मैदान के बाहर भी भारतीय बाएं हाथ के बल्लेबाज के साथ उनका करीबी रिश्ता है। पंत ने पूरन की आगे की राह के लिए सफलता की कामना की और कैरेबियाई टीम के साथ उन्होंने जो कुछ भी हासिल किया, उसके लिए उन्हें बधाई दी।

पंत ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'आपने अपनी छाप छोड़ी है भाई - एक सच्चे साथी, दोस्त और एक बेहतरीन खिलाड़ी। आपके साथ मैदान साझा करने पर गर्व है, वेस्टइंडीज क्रिकेट के लिए आपने जो कुछ भी किया है, उसके लिए बधाई। आगे की राह के लिए आपको सफलता की शुभकामनाएं। हमेशा सम्मान।'

वेस्टइंडीज के लिए कभी टेस्ट मैच नहीं खेलने वाले पूरन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में सबसे ज्यादा 106 मैच खेलने वाले वेस्टइंडीज के खिलाड़ी हैं और 2,275 रन के साथ टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने आखिरी बार दिसंबर 2024 में वेस्टइंडीज के लिए खेला था।

पूरन ने इंस्टाग्राम पर संन्यास की जानकारी देते हुए लिखा, 'बहुत सोच-विचार और चिंतन के बाद मैंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला किया है। जिस खेल से हम प्यार करते हैं, उसने बहुत कुछ दिया है और देता रहेगा - खुशी, उद्देश्य, अविस्मरणीय यादें और वेस्टइंडीज के लोगों का प्रतिनिधित्व करने का मौका। मैरून रंग पहनना, राष्ट्रगान के लिए खड़ा होना और हर बार मैदान पर कदम रखते ही अपना सबकुछ देना... शब्दों में बयां करना मुश्किल है कि यह मेरे लिए वास्तव में क्या मायने रखता है। कप्तान के रूप में टीम का नेतृत्व करना एक विशेषाधिकार है जिसे मैं हमेशा अपने दिल के करीब रखूंगा।' उन्होंने आगे लिखा, 'हालांकि मेरे करियर का यह अंतरराष्ट्रीय अध्याय खत्म हो गया है, लेकिन वेस्टइंडीज क्रिकेट के लिए मेरा प्यार कभी कम नहीं होगा। मैं टीम और क्षेत्र को आगे की राह के

लिए सफलता और ताकत के अलावा कुछ नहीं चाहता।'

संन्यास के दूसरे ही दिन पूरन को मिली एमआई न्यूयॉर्क की कप्तानी

जमैका ।वेस्टइंडीज के आक्रमक विकेटकीपर बल्लेबाज निकोलस पूरन को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के एक दिन बाद ही नई भूमिका मिल गयी है।29 साल की उम्र में संन्यास लेने वाले पूरन को अमेरिका की मेजर लीग क्रिकेट के आगामी सीजन के लिए एमआई न्यूयॉर्क टीम का कप्तान बनाया गया है।पूरन ने इस लीग में 2023 में शानदार प्रदर्शन किया था।तब उन्होंने 388 रन बनाए थे और .वह सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज थे।एमआई न्यूयॉर्क ने पूरन की योग्यता को देखकर टीम की कप्तानी दी है। पूरन इससे बेहद खुश हैं। पूरन की गिनती विश्व के सबसे बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक में होती है।उनकी नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब वह अपने करियर के शीर्ष पर हैं।मेजर लीग क्रिकेट में पूरन का पिछला प्रदर्शन शानदार रहा था, विशेष रूप से खिताब जीतने वाले 2023 एमएलसी फाइनल में उनकी नाबाद 137 रनों की पारी खेली थी।इस फेंचाइज़ी ने पूरन को कप्तान बनाने पर कहा, 'हमारे हीरो, हमारे कप्तान निकोलस पूरन। पूरन ने मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से अचानक संन्यास की घोषणा कर सबको हैरान कर दिया था।वह वेस्टइंडीज के कीरोन पोलार्ड की जगह पर कप्तानी करेंगे।पोलार्ड पिछले सत्र में एमआई न्यूयॉर्क के कप्तान थे।टीम की ओ से कहा गया कि ये बाएं हाथ का विकेटकीपर बल्लेबाज दुनिया के सबसे खतरनाक बल्लेबाजों में से एक है।